शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा

सभी के लिए शिक्षा

वार्षिक विवरण
2020-21

समग्र शिक्षा

गुजरात स्कूली शिक्षा परिषद
समग्र शिक्षा
सेक्टर-17, गांधीनगर, गुजरात
टोल फ्री नं.: 1800-233-7965 | www.ssagujarat.org

प्रस्तावना

समग्र शिक्षा - पूर्व- प्राथमिक से कक्षा 12 तक विस्तारित स्कूली शिक्षा क्षेत्र के लिए एक एकीकृत व्यापक कार्यक्रम है, जो स्कूली शिक्षा में सीखने के उचित परिणामों हेतु समान अवसरों के संदर्भ में मापी गई स्कूल प्रभावशीलता में सुधार के व्यापक लक्ष्य के साथ वर्ष 2018-19 में शुरू किया गया था । समग्र शिक्षा में सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) और शिक्षक शिक्षा (टीई) की तीन पूर्ववर्ती योजनाओं को शामिल किया गया है।

समग्र शिक्षा का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुसार पूर्व- प्राथमिक से उच्चतर माध्यमिक स्तर तक समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है।

इस योजना के प्रमुख उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान और छात्रों के सीखने के परिणामों में वृद्धि करना है; स्कूली शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक अंतर को पाटना; स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर समानता और समावेशन सुनिश्चित करना; स्कूली शिक्षा के प्रावधानों में न्यूनतम मानकों को सुनिश्चित करना; शिक्षा के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना; बच्चों के नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के कार्यान्वयन में राज्यों की सहायता करना; और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए नोडल एजेंसियों के रूप में एससीईआरटी/राज्य शिक्षा संस्थानों और डाइट का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन करना है ।

आर्थिक मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति ने स्कूली शिक्षा कार्यक्रम समग्र शिक्षा योजना 2.0 को 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2026 की अवधि तक जारी रखने की मंजूरी अगस्त में 2021 दे दी है। इसे शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य के साथ संरेखित करने के लिए अपग्रेड किया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शुरू की गई है ।

वर्तमान वर्ष 2020-21 के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक पथप्रदर्शक और भविष्य की पहल का शुभारंभ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) - 2020 के लागु होनें के साथ हो चुका है है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का वर्ष 2030 तक स्कूली शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने का एक लक्ष्य है, इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु समग्र शिक्षा एक महत्वपूर्ण माध्यम है। राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए कार्रवाई करने में अग्रणी रहा है। पहले कदम के रूप में, राज्य ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अनुशंसित विभिन्न हस्तक्षेपों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए टास्क फोर्स कमेटी का गठन किया है। चरणबद्ध योजना लागू है और योजना के शुरुआत से ही, क्रियान्वयन में राज्य का सक्रिय और उत्साह जनक सहभागिता रही है.

दुर्भाग्य से, दुनिया के साथ ही राष्ट्र और राज्य COVID-19 महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुए, इसके परिणामस्वरूप मार्च 2020 से स्कूल बंद हो गए, गुजरात सरकार ने 16 मार्च 2020 को स्कूलों को बंद करने की घोषणा की। इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय तालाबंदी की घोषणा की, इस तरह संपूर्ण 2020 वर्ष और 2021 के लिए आंशिक रूप से स्कूल बंद करने की घोषणा की गई। इन परिस्थियों नें डिजिटल शिक्षा के अवसरों की खोज की दिशा में एक बदलाव के लिए प्रेरित किया।

राज्य ने कोरोनावायरस (COVID-19) से संबंधित आपात स्थितियों से निपटने के लिए कमर कस ली थी, राज्य के अधिकारियों को पता था कि 25-30% छात्रों के पास शिक्षण उपकरणों तक सीमित या पहुंच ही नहीं थी। दूरस्थ छात्रों तक पहुंचना एक चुनौती थी।

सक्रियता से कार्य करते हुए , राज्य ने यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए कि कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। स्थानीय स्तरों (गाँवों/बस्तियों/आवासों) पर अध्ययन में सहायता प्रदान की गई, छात्रों को उपकरणों के साथ और बिना उपकरणों के जोड़ा गया; सहपाठी अध्यन/ सीख को बढ़ावा देना; एक मोबाइल बैंक बनाना; ऑफ़लाइन सीखना; शिक्षकों और फील्ड स्टाफ द्वारा घर का दौरा; नागरिक सेवा केंद्रों या ग्राम कार्यालयों में ऑनलाइन कक्षाओं तक पहुंच प्रदान करना; साथ ही मोबाइल लर्निंग व्हीकल द्वारा शिक्षा प्रदान करना शामिल था । गुजरात, भारत का पांचवां सबसे बड़ा राज्य है, जहां 11.48 मिलियन छात्र, 0.4 मिलियन शिक्षक और 54,000 स्कूल हैं। संकट को अवसर में परवर्तित करनें हेतु प्रेरित राज्य के शिक्षा विभाग ने व्यापक नीतियों का सावधानीपूर्वक एक खाका तैयार किया, इसे एक एकीकृत COVID-19 प्रतिक्रिया रणनीति में सम्मिलित किया गया , छात्रों का अध्ययन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कार्रवाई का क्रियान्वयन किया गया।

कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि और स्कूल बंद होने की शुरुआत के साथ, राज्य ने तेजी से एक समग्र होम लर्निंग कार्यक्रम विकसित किया। अग्रसक्रिय रूप से, समग्र शिक्षा गुजरात ने अप्रैल 2020 में स्कूलों को बंद करने के केवल एक सप्ताह के बाद ही, 'स्टडी फ्रॉम होम' के तहत छात्रों के स्व-शिक्षण के लिए कक्षा 3 से 10 तक सभी विषयों के सीखने को समेकित करने के लिए साप्ताहिक वर्कशीट विकसित और साझा की। राज्य ने कक्षा 1 से 12 के लिए संशोधित शैक्षणिक वर्ष (जून से सितंबर 2020) की पहली तिमाही के लिए पूरे पाठ्यक्रम को अध्याय और विषय-केंद्रित साप्ताहिक शेड्यूल में विभाजित किया। आभासी सत्रों के लिए प्रस्तुतियों सहित उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण-अधिगम सामग्री विकसित करने के लिए शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों ने सहयोग किया जैसे, पाठ योजनाएं और प्रमुख बिंदु, अध्यायों को सारांशित करना। ड्राइंग, कहानी सुनाना और कविता जैसी सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के साथ अभ्यास कार्यपत्रक स्थापित किए गए। डिजिटल मीडिया सामग्री, ई-सामग्री राज्य की वेबसाइटों, यूट्यूब चैनल; फेसबुक; वेब-लिंक व्हाट्सएप पर प्रसारित होते हैं, साथ ही भौतिक संसाधनों के रूप में पाठ्य पुस्तकें भी उपलब्ध हैं ।

सामग्री साझा करने के लिए 3,247 क्लस्टर स्तर के अभिभावकों के समूह बनाए गए हैं। कॉल के माध्यम से ऑनलाइन सहायता और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए, सभी शिक्षकों को छात्रों को नियमित रूप से कॉल करने का निर्देश दिया गया था। लगभग 32 लाख छात्रों को कवर करने के लिए इस कार्यक्रम में लगभग 1 लाख 20 हजार शिक्षक शामिल थे। डीडी गिरनार चैनल पर पहले से रिकॉर्ड किए गए शिक्षण वीडियो प्रसारित किए गए थे जिन्हें छात्र कक्षा 1 से 12 वीं तक के छात्र घर से देख और सीख सकते हैं। इस पहल के माध्यम से लगभग 48 लाख छात्रों तक पंहुचा गया।

गुजरात ने दूरस्थ शिक्षा तक पहुंच के प्रकार/माध्यम को मापने के लिए एक विस्तृत डिवाइस मैपिंग अभ्यास भी किया, चाहे वह टेलीविजन, स्मार्टफोन, नियमित सेलफोन, टैबलेट, रेडियो, या इनमें से कोई भी न हो। राज्य ने एक राष्ट्रीय प्रसारण चैनल के साथ छह घंटे के दैनिक शिक्षण कार्यक्रम, प्रत्येक ग्रेड के लिए 30 मिनट स्ट्रीम करने के लिए समझौता किया; और कक्षावार एक समर्पित चैनल पर 24/7 प्रसारण होता है।

जिन छात्रों के पास इंटरनेट और स्मार्ट फोन की सुविधा थी, उनके लिए यह निर्णय लिया गया कि लाइव क्लास लेना मददगार होगा। इसके लिए वर्चुअल क्लासेज आयोजित करने के लिए 'टीम' प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। सरकार ने Microsoft-Teams प्लेटफॉर्म का लाभ उठाया है। प्रौद्योगिकी-कुशल शिक्षक प्रत्येक 15 छात्रों के समूह बनाते हैं और आभासी कक्षाएं संचालित करते हैं। अब तक, आधा मिलियन से अधिक आभासी कक्षाएं पूरी की जा चुकी हैं। इसका प्रभावी क्रियान्वयन 5 मिलियन छात्रों और 0.2 मिलियन शिक्षकों के लिए व्यक्तिगत उपयोगकर्ता-क्रेडेंशियल द्वारा संचालित है, जिसमें विकेन्द्रीकृत निगरानी और समीक्षा को सक्षम करने के लिए एक डैशबोर्ड भी शामिल है।

इसके अलावा, राज्य नेशनल ओपन **डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (DIKSHA)** प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग करता है जो क्यूआर-कोडेड पाठ्यपुस्तकों को सेलफोन से स्कैन करने में सक्षम बनाता है और आगे पढ़ने के लिए कई भाषाओं में संसाधनों की दुनिया खोलता है। वास्तव में, गुजरात ने अप्रैल और अक्टूबर 2020 के बीच, अन्य सभी भारतीय राज्यों में ई-कंटेंट के डायरेक्ट प्ले की सबसे अधिक संख्या दर्ज की।

गुजरात नियमित रूप से छात्रों के सीखने के स्तर को मापता है। राज्य ने प्रत्येक विषय पर आवधिक मूल्यांकन परीक्षण (पीएटी) की एक प्रारंभिक साप्ताहिक परीक्षण की अद्भुत प्रणाली स्थापित की है। इस कठिन समय में छात्रों की शैक्षणिक प्रगति को समझना अधिक महत्वपूर्ण था। एक साहसी कदम के रूप में, राज्य ने कक्षा 3 से कक्षा 10 तक से प्रत्येक विषय के लिए सीखने के परिणाम आधारित आवधिक मूल्यांकन (पीएटी) परीक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रश्न पत्र, समय सारिणी / अनुसूचियों से जुड़े और सीखने के परिणामों के लिए मैप किए गए, छात्रों की प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए केंद्रीकृत प्रणाली सभी स्कूलों में डिजिटल रूप से वितरित की जाती हैं। निर्देश का मार्गदर्शन करने के लिए डेटा विश्लेषण का उपयोग किया जाता है। कक्षा 3 से कक्षा 10 तक कुल 41,57,200 छात्रों नें 2020-21 के दौरान पीएटी में भाग लिया।

इस प्रकार गुजरात ने व्यक्तिगत, अनुकूल शिक्षा प्रदान करने के लिए निम्न-तकनीक और उच्च-तकनीकी हस्तक्षेपों के मिश्रण का उपयोग करते हुए एक बहु-माध्यम दृष्टिकोण अपनाया है। राज्य की पहल समानता का एक नमूना है। चिकित्सा, दैनिक जीवन की गतिविधियों, संख्यात्मकता और साक्षरता आदि विषयों पर कई माध्यमों से विकलांगता के अनुकूल सामग्री का प्रसार किया जाता है। वर्चुअल कक्षाओं में समावेशी शिक्षा का समर्थन करने के लिए सेटिंग्स होती हैं; विशेष शिक्षक लक्षित सहायता के लिए कॉल और घर के दौरे के माध्यम से नियमित संपर्क सुनिश्चित करते हैं।

दूरस्थ शिक्षा में अचानक बदलाव ने शिक्षकों और बड़े समुदाय के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ प्रस्तुत की हैं। होम लर्निंग के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए विकेन्द्रीकृत स्तरों पर प्रशिक्षण और क्षमता वर्धन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। प्रशिक्षण दिए गए प्रमुख विषयों में COVID-19 की तैयारी, ऑनलाइन शिक्षण अभ्यास, सामुदायिक जुड़ाव और जागरूकता पैदा करना शामिल है। NISHTHA शिक्षक प्रशिक्षण के तहत विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए नामांकित 21,27,843 शिक्षकों, में से 19,40,311 शिक्षकों ने प्रशिक्षण पूरा किया और 19,40,277 शिक्षकों को प्रमाणित किया गया।

मीडिया शाखा ने जन जागरूकता पैदा करने के लिए इस गतिविधियों के प्रचार के लिए बस बैक एंड साइड पेनल, होर्डिंग्स, टीवी क्विकी, दीक्षा पोर्टल और वर्चुअल क्लास के 2 वीडियो, कोरोना के एलईडी टीवी पेनल, न्यूज पेपर विज्ञापन, 3 भाषा में कमांड कंट्रोल पर वृत्तचित्र आदि तैयार किए।

गुजरात की व्यापक COVID-19 प्रतिक्रिया, इसके सुविचारित और विकेन्द्रीकृत कार्यान्वयन ढांचे के कारण सफल रही है, जिसमें राज्य स्तर से लेकर छात्र तक की गतिविधियों को सुव्यवस्थित किया गया है। कई चैनलों के माध्यम से प्रसारित छात्रों की जरूरतों के लिए उपयुक्त सामग्री अनेक हितधारकों के सहयोग से विकसित की गई है। गुजरात गुणवत्ता युक्त शिक्षण के अपने प्रयासों को मूल्याङ्कन, प्रमाणों पर कार्यवाही और सभी कारकों को शिक्षण हेतु संरेखित कर सुनिश्चित कर रहा है।

"ट्विनिंग ओफ स्कूल" को 'स्कूलों के बीच साझेदारी' के रूप में जाना जाता है, जिसके तहत दो स्कूल अधिक से अधिक जानकारी

हासिल करने के लिए एक साथ आते हैं। गुजरात के 33 जिलों में फैले कुल लगभग 15,000 सरकारी स्कूलों ने स्कूलों के ई-ट्विनिंग कार्यक्रम में भाग लिया।

36, 000 से अधिक शिक्षकों ने अपने छात्रों का शारीरिक मूल्यांकन करने के लिए खेलो इंडिया पोर्टल के तहत अपना पंजीकरण कराया, यह पहल भारतीय खेल प्राधिकरण के के सहयोग से की गई।

राज्य ने सरकारी स्कूलों के कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के बीच व्यावहारिक कौशल विकसित करने के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग गणित (एसटीईएम) प्रयोगशालाओं की स्थापना जारी रखी। इस वर्ष 250 एसटीईएम प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं।

समग्र शिक्षा, गुजरात ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शामिल करने के लिए कई पहल की हैं और उसे लागू भी किया हैं। पिछले वर्षों की तरह, दिव्यांग बच्चों की पहचान और नामांकन पर ध्यान देना जारी रखा, उन्हें उनके सीखने की सुविधा के लिए सहायक उपकरण और उपकरण प्रदान करना और उन्हें चिकित्सीय सहायता भी सुनिश्चित कराना। वर्ष के दौरान, दिव्यांग बच्चे जो घर से बाहर नहीं जा सके उन के लिए निरंतर शिक्षण प्रदान करने के लिए, विशेष शिक्षकों ने बुनियादी चिकित्सीय अभ्यासों / गतिविधियों और शैक्षणिक विषयों पर छोटी अवधि के वीडियो बनाए हैं और इसे व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों के माता-पिता के साथ साझा किया है। कुल 8,762 सीडब्ल्यूएसएन को परिवहन, चिकित्सा, सर्जरी, एस्कॉर्ट सेवाएं आदि जैसी सहायता सेवाएं प्रदान की गईं। महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, प्रत्येक 500 समूहों में एक अलग कमरे वाले एक स्कूल को संबंधित विशेष शिक्षक, टीआरपी, और स्कूल हेडमास्टर / प्रिंसिपल द्वारा इन-एसआरआर स्थापित करने के लिए चुना गया था।, 80% चयनित क्लस्टरों में नवीनीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और शेष क्लस्टरों में कार्य प्रगति पर है।

व्यावसायिक शिक्षा के लिए, कुल 260 स्कूलों में 8 विभिन्न व्यावसायिक भूमिकाओं के साथ व्यावसायिक शिक्षा की सुविधा है। राज्य ने बेहतर निगरानी के लिए "लाइटहाउस" नामक निगरानी और मूल्यांकन एप्लिकेशन विकसित किया है। राज्य ने छात्रों के साथ व्यावसायिक ई-सामग्री को बेहतर तरीके से साझा करने के लिए YouTube चैनल भी शुरू किया है। चैनल में वर्तमान में 350 वीडियो और 10000+ दर्शक हैं, जो कौशल विकास से सम्बंधित विभिन्न सूचनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

भारत में बालिका शिक्षा राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समग्र और सतत विकास को बढ़ावा देती है। महामारी को ध्यान में रखते हुए, ऑनलाइन आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए BISAG स्टूडियो की मदद से विभिन्न आत्मरक्षा विधियों पर 24 एपिसोड तैयार किए गए हैं और भारत सरकार के दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं। इस पहल के तहत 22,968 स्कूलों से कक्षा 6 से 12 तक की 11 लाख लड़कियों को प्रशिक्षित किया गया। लॉकडाउन के दौरान 75% से अधिक लड़कियां व्हाट्सएप के माध्यम से केजीबीवी कर्मचारियों के सीधे संपर्क में थीं और मानक के अनुसार, विभिन्न शैक्षणिक विषयों की विषयवार पीडीएफ उनके साथ साझा की गई है।

निगरानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) पर उचित जोर दिया जाता है। राज्य स्तर पर स्कूली शिक्षा की निगरानी के लिए कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) देश में अपनी तरह की पहली पहल है, जिसे इस वर्ष रियल टाइम मॉनिटरिंग और सहयोग के लिए विभिन्न डिजिटल इंटरवेंशन के साथ उन्नत किया गया है।

विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 9-14 वर्ष के आयु वर्ग के स्कूली बच्चों के लिए है, जिनका कभी नामांकन नहीं किया है या जो स्कूल छोड़

चुके हैं और एक वर्ष से अधिक समय से स्कूल से बाहर हैं। शैक्षणिक वर्ष के दौरान कुल 29,148 स्कूली बच्चों को विशेष प्रशिक्षण सहायता प्रदान की गई।

समग्र शिक्षा के तहत विभिन्न कार्यक्रम /हस्तक्षेपों के लिए रिपोर्ट के तहत वर्ष 2020-21 के लिए 1682.91 करोड़ रुपये के कुल बजट के विरुद्ध. रुपये_1816.22 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो कुल स्वीकृत बजट का 107.92 % है। निधि का प्रवाह सुचारू था, जिसने वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) के तहत अनुसूचित गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान की।

गुजरात सरकार और जीसीएसई समग्र शिक्षा के प्रभावी कार्यान्वयन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दिव्यांग बच्चों सहित सभी बच्चों की समान और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच हो।

(डॉ. रतनकंवर एच. गढवीचारण, IAS)
राज्य परियोजना निदेशक,
राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा
सेक्टर-17, गांधीनगर

अनुक्रमाणिका

१ प्रस्तावना

७ शिक्षा के अधिकार के बारे में

११ स्कूली बुनियादी ढांचे का विकास

२२ विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

२९ बालिकाओं की शिक्षा

३८ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा

६३ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निगरानी

७५ गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

८६ प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)

९७ एसएमसी/एसएमडीसी प्रशिक्षण

१०१ व्यावसायिक शिक्षा

१०९ मीडिया

शिक्षा के अधिकार के बारे में

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 की मुख्य

विशेषताएं आरटीई एक्ट, 2009 के प्रावधान:

- प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक पड़ोस के स्कूल में बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार।
- यह स्पष्ट करता है कि अनिवार्य शिक्षा का अर्थ यह है कि प्रत्येक सरकार का यह दायित्व है कि वह मुफ्त प्राथमिक शिक्षा प्रदान करे और छह से चौदह आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे का अनिवार्य प्रवेश, उपस्थिति और प्रारंभिक शिक्षा को पूरा करना सुनिश्चित करे। नि:शुल्क का अर्थ है कि कोई भी बच्चा ऐसे किसी भी प्रकार के फीस या शुल्क या खर्च के भुगतान के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो उसे प्रारंभिक शिक्षा को आगे बढ़ाने और पूरा करने से रोक सकता है।
- प्रवेश से वंचित बच्चे के लिए यह प्रावधान करता है कि उसे उपयुक्त आयु वर्ग में प्रवेश दिया जाए।
- यह केंद्र और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय और अन्य जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए उनके कर्तव्यों को निर्दिष्ट करता है जो कि मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए उपयुक्त हों।
- यह अन्य बातों के साथ-साथ छात्र शिक्षक अनुपात (पीटीआर) के अनुरूप भवन और बुनियादी ढांचे, स्कूल के कार्य दिवसों, शिक्षकों के काम के घंटों से संबंधित मानदंडों और मानकों को निर्धारित करता है।
- यह शिक्षकों की तर्कसंगत तैनाती प्रदान करते हुए सुनिश्चित करता है कि विशिष्ट छात्र शिक्षक अनुपात को राज्य या जिले या ब्लॉक के लिए औसत के रूप में नहीं बल्कि प्रत्येक स्कूल के लिए बनाए रखा जाता है, इस प्रकार यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षक पोस्टिंग में कोई शहरी-ग्रामीण असंतुलन नहीं है। इसमें यह भी प्रावधान है कि जनगणना कार्य, स्थानीय चुनाव, राज्य विधान सभा या लोकसभा चुनाव या आकस्मिक राहत कार्य के अलावा गैर शिक्षण कार्यों में शिक्षकों की तैनाती का निषेध हो।
- यह उपयुक्त रूप से प्रशिक्षित शिक्षकों, अर्थात उचित भर्ती और शैक्षणिक योग्यता वाले शिक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान करता है।
- यह निषेध करता है (ए) शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न का; (बी) बच्चों के प्रवेश के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं का; (सी) प्रति छात्र शुल्क का; (डी) शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन का और (ई) बिना मान्यता के स्कूल चलाने का।
- यह संविधान में निहित मूल्यों के अनुरूप ऐसे पाठ्यक्रम के विकास का अधिकार प्रदान करता है, जो बच्चों के अनुकूल और बाल केंद्रित शिक्षा की एक प्रणाली के द्वारा बच्चे के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करे, बच्चों के ज्ञान, क्षमता और प्रतिभा का निर्माण करे और बच्चे को भय, आघात और चिंता से मुक्त करे।

गुजरात में की गयी कार्यवाही

आम जनता को ज्ञान एवं मूलभूत जीवन कौशल द्वारा सशक्त बनाने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही गुणवत्तापूर्ण जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रारंभिक शिक्षा जैसे कि प्राथमिक (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक (कक्षा 6 से 8) इस शिक्षा प्रणाली के पिरामिड के आधार स्तंभ हैं। समाजिक और आर्थिक प्रगति में शिक्षा प्रणाली की भूमिका सर्व स्वीकृत रही है। यह व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों दृष्टियों से संभावनाओं के द्वारा खोलती है। शिक्षा प्रणाली में सुधार से ना केवल क्षमता में बढ़ोतरी होती है बल्कि इससे समग्र जीवन की गुणात्मकता में वृद्धि होती है। शिक्षा की तेज और समावेशी वृद्धि के लिए 12वीं पंचवर्षीय योजना में इसे उच्च प्राथमिकता में रखा गया है। इसमें एक विस्तृत रणनीति बनायी गयी है जो शिक्षा के समस्त विभागों को समाविष्ट करते हुए शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने की बात करती है।

यहां गुजरात सरकार द्वारा आरटई २००९ को सफलतापूर्वक लागु करने हेतु उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमो. का वर्णन किया जा रहा है।

क्रम	नियम का विवरण	उठाए गए कदम	अमल करनेवाला कार्यालय/संस्था
१.	१. छात्रों का प्रवेश २. आयु प्रमाण पत्र ३. नामांकन के लिए अतिरिक्त समय	गुजरात आरटीई नियम, २०१२ कें नियम ३(१)(२)(३) के अंतर्गत अधिसूचित	प्राथमिक विद्यालय
२.	विशेष प्रशिक्षण	६ से १४ साल की उम्र के वे बच्चे जिनका कभी स्कूल में दाखिला नही हुआ और ऐसे बच्चे जिन्होने प्ररंभिक शिक्षा पूर्ण होने से पहले ही स्कूल छोड दिया हो, हर वर्ष उनकी पहचान की जाए। ऐसे बच्चों के नाम स्कूल रजिस्टर में दर्ज किए जाएं। विशेष प्रशिक्षण हेतु संदर्भ विशेष रणनीति का नियोजन किया जाएगा उसके मुताबिक यथोचित सामग्री का भी इस प्रशिक्षण हेतु विकास किया जाए। जिससे विशेष प्रशिक्षण के बाद उन बच्चों को उनकी आयु के अनुसार उचित कक्षा में प्रवेश देना संभव हो पाए।	एसएसए
३.	नये प्रारंभिक स्कूलों को आरंभ करना या निजी स्कूलों का अधिग्रहण करना	गुजरात आरटीई नियम २०१२ के नियम पांच के अंतर्गत प्रावधान किया जाय जिसका ही चाहो इस तरह।	जिला शिक्षा समिति या म्यु निसिपल स्कूल बोर्ड, जो भी लागू हो।
४.	स्कूल निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्धस कराएं।	पहले से लागू	राज्य सरकार / स्थानीय प्रधिकरण / विद्यालय
५.	स्थानीय प्रधिकरण द्वारा बच्चों के रिकोर्ड को व्यचवस्थितरखना	पहले से लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
६.	आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग या वंचित समूह के बच्चों का अनुदान न पानेवाले स्कूलों में प्रवेश कराना	पहले से लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
७.	प्रवेश प्रक्रिया में नो कैपिटेशन फीस और नो सक्रीनिंग प्रक्रिया के मानकों का उल्लंधन करने वाले स्कूलों पर दंडात्मक कार्यवाई	पहले से लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
८.	ऐसे स्कूलों को मान्यता देना जो राज्य सरकार या स्थनीय प्रधिकरण के द्वारा स्थापित संचालित अथवा स्वामित्व में कार्यरत ना हों	पहले से लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
९.	मान्यता रद्द करना	गुजरात आरटीई नियम २०१२ के नियम १४ के अंतर्गत इस प्रावधान को अधिसूचित किया गया है।	प्राथमिक शिक्षा निदेशक

क्रम	नियम का विवरण	उठाए गए कदम	अमल करनेवाला कार्यालय/संस्था
१०.	स्कूल के लिए नियम और मानक	शिक्षा विभाग के सरल कक्षा क्रमांक	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
११.	स्कूल व्यवस्थापन समिति का गठन और कार्य	गुजरात आरटीई कानून २०१२ के नियम १६ के तहत स्कूल व्यवस्थापन समिति के गठन के बारे में बताया गया है।	बिना सहायता वाले स्कूल के अतिरिक्त स्कूल
१२.	स्कूलविकास योजना को तैयार करना	गुजरात आरटीई कानुन २०१२ के नियम १७ के अनुसार एसएमसी के द्वारा प्रतिवर्ष स्कूल विकास योजना तैयार की जाए।	एसएमसी
१३.	शिक्षकों का न्यूषनम योग्यता हासल करना।	राज्य में शिक्षकों की शिक्षा के लिए पर्याप्त सुव्धाएं उपलब्ध है।	राज्य सरकार
१४.	शिक्षक या विद्यासहायक की सेवा की स्थिति	पहले से लागू	राज्य सरकार
१५.	शिक्षक या विद्यासहायक द्वारा किये जानेवाले कार्य	शिक्षा विभाग के स्वीकृत प्रस्ताव क्रमांक पीआरई १२१-२०१४-४०७९६- के दिंनाक ७-२-२०१४ के अंतर्गत निर्दिष्ट	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
१६.	शिक्षकों या विद्यासहायकों के शिकायतो के निपटारे की व्यावस्थप	शिक्षा विभाग के स्वीथकृत प्रस्ताव क्रमांक पीआरई १११२-Goi-२९-K दिनांक ३०-४-२०१३ के अंतर्गत निर्दिष्टी	राज्य सरकार र्टिब्यूनल का गठन करेगी
१७.	पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए शैक्षणिक प्रधिकरण	जीसीईआरटी, गांधीनगर के पत्र दिंनाक १४-७-२०११ के अनुसार निर्धारित	स्कूल के प्रधान शिक्षक
१८.	पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया	उपरोक्त अनुसार	उपरोक्त अनुसार
१९.	आवर्ती प्रशिक्षण और नियमित मूल्यांकन के लिए तंत्र की स्थापना	उपरोक्त अनुसार	जीसीईऐरटी/एसएसए
२०.	सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समयबद्ध बाह्य मूल्यांकन	उपरोक्त अनुसार	जीसीईऐरटी/एसएसए
२१.	शिक्षा की गुणवत्ता का समय-समय पर आकलन करना और रिपोर्ट तैयार करना	पहले से लागू	राज्य सरकार को इस बारे में एक स्वतंत्र संस्था या शाखा का गठन करना है।
२२.	नियमित रुप से निगरानी करने के लिए तंत्र	पहले से लागू	राज्य सरकार सेवा पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता की नियमित मिगरानी के लिए एक तंत्र स्थापित करेगी।
२३.	शिक्षक पात्रता के लिए एक सामान्य परीक्षा शुरु करना	शिक्षा विभाग के दिनांक २७-४-२०११ और १८-१-२०१२ के प्रस्तावव के तहत शिक्षक और प्रधान शिक्षक भर्ती के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा शुरु की गई है।	राज्य परीक्षक मंडल

क्रम	नियम का विवरण	उठाए गए कदम	अमल करनेवाला कार्यालय/संस्था
२४.	प्रारंभिक शिक्षा पूरी पर प्रमाण पत्र देना	पहले से लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक और जीसीईआरटी
२५.	बाल अधिकार संरक्षण के लिए राज्य आयोग द्वारा कार्यो का निष्पादन	बाल अधिकार संरक्षण के लिए गुजरात राज्य आयोग का गठन दिनांक २१-२-२०१३ की अधिसूचना के तहत किया गया है।	एससीपीसीआर
२६.	एससीपीसीआर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करने का तरीका	गुजरात आरटीई नियम, २०१२ के नियम ३२ के तहत निर्धारित	एससीपीसीआर
२७.	राज्य सलाहकार परिषद का गठन	राज्य सलाहकार परिषद का गठन शिक्षा विभाग के प्रस्ताधवसंख्या PRE-122012-695445-K दिनांक २१-३-२०१३ के तहत किया गया है।	राज्य सलाहकार परिषद

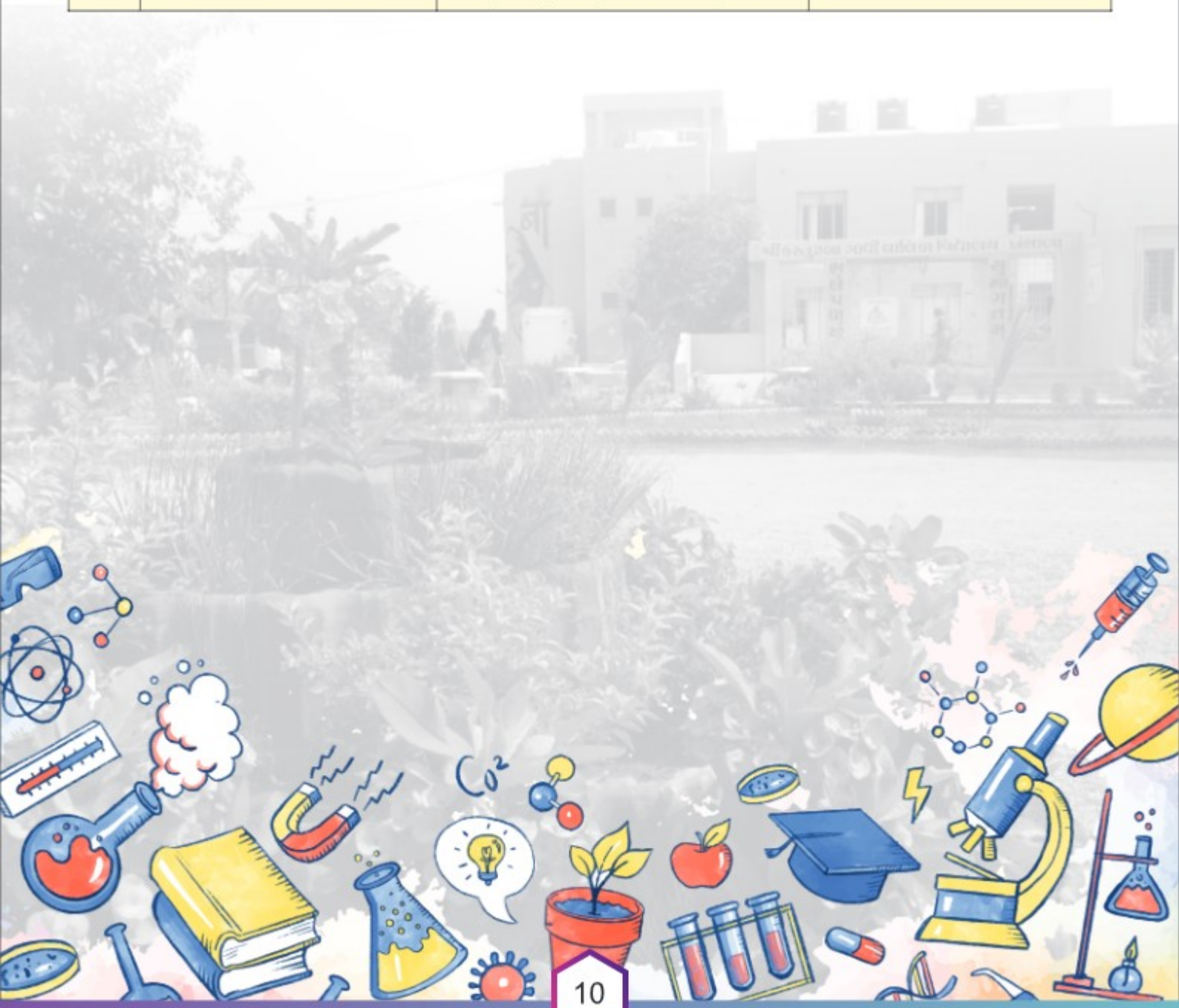

अध्याय -1

स्कूली बुनियादी ढांचे का विकास

» परिचय:

समग्र शिक्षा के तहत स्कूल के बुनियादी ढांचे का घटक महत्वपूर्ण है। स्कूल के बुनियादी ढांचे का प्रावधान बच्चों तक पहुंच प्रदान करने में मदद करता है और आरटीई अधिनियम की दृष्टि के अनुसार उनके प्रतिधारण में भी मदद करता है, दोनों ही समग्र शिक्षा के महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। उप जिला स्तर पर संसाधन केंद्रों के लिए बुनियादी ढांचे का प्रावधान अकादमिक सहयोग बनाने में मदद करता है जो गुणवत्ता सुधार की दिशा में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। स्कूल की इमारत में सभी बच्चों और शिक्षकों की आसान पहुँच सुनिश्चित करनी है और इन्हें सभी की विभिन्न आवश्यकताओं की संवेदनशील समझ के साथ बनाया जाना है।

आरटीई अधिनियम की अनुसूची स्कूल भवन के लिए मानदंड और मानकों को निर्धारित करती है। स्कूल की इमारत हर मौसम के अनुकूल होनी चाहिए जिसमें प्रत्येक शिक्षक के लिए कम से कम एक कक्षा और कार्यालय सह स्टोर सह प्रधान शिक्षक कक्ष, बाधा मुक्त पहुंच, लड़कों और लड़कियों के लिए अलग शौचालय, सभी बच्चों के लिए सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल सुविधा की व्यवस्था हो। स्कूल भवन की सुरक्षा के लिए चारदीवारी, एमडीएम खाना पकाने के लिए रसोई, एक खेल का मैदान, खेल और खेल के लिए उपकरण, एक पुस्तकालय और टीएलएम की सुविधा होनी चाहिए।

» संचालित गतिविधियां:

समग्र शिक्षा के तहत स्कूल से संबंधित विभिन्न गतिविधियों इस प्रकार हैं।

- अतिरिक्त कक्षा निर्माण
- लड़कों का शौचालय ब्लॉक
- लड़कियों के शौचालय ब्लॉक
- सीडब्ल्यूएसएन शौचालय
- प्रमुख मरम्मत

» डिजाइन:

विभिन्न गतिविधियों के वास्तुशिल्प डिजाइन राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा भर्ती किए गए वास्तुकार और वास्तु सहायक के माध्यम से किए जाते हैं। डिजाइन में भूकंप और चक्रवात प्रतिरोधी घटक भी शामिल हैं।

विकसित कक्षाओं का डिजाइन बाल केंद्रित और शैक्षणिक और गांव के अनुरूप है। डिजाइन शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों तक पहुंच भी प्रदान करता है। शौचालय ब्लॉक के निर्माण से विकलांग बच्चों के लिए भी सुविधा उपलब्ध है। सभी नवीन निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में बाल हितैषी आंतरिक एवं बाह्य तत्वों का समावेश अनिवार्य होता है।

» क्रियान्वयन एजेंसी:

स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के माध्यम से बड़ी संख्या में सिविल कार्यों का निर्माण किया जाता है और बहु-स्तरीय कार्यों जैसे क्लास रूम और केजीबीवी के लिए विशेष कौशल की आवश्यकता होती है । समिति सीधे स्थानीय मजदूरों को नियुक्त करती है, सामग्री खरीदती है और निर्माण कार्य की निगरानी भी करती है। इस प्रकार समुदाय के माध्यम से निर्माण काफी हद तक स्वामित्व की भावना उत्पन्न करता है। इसका उद्देश्य गांव में प्राथमिक शिक्षा के सर्वांगीण विकास में समुदाय को शामिल करना है। तकनीकी ड्राइंग और अनुमानों और गुणवत्ता पर्यवेक्षण के लिए एसएमसी की सहायता के लिए ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर पर्याप्त संख्या में तकनीकी रूप से योग्य कर्मचारियों की आवश्यकता होती है।

» **एसएमसी को प्रशिक्षण:**

निर्माण कार्यक्रम का क्रियान्वयन विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण देकर प्राप्त किया जाता है। प्रशिक्षण कार्य शुरू होने से पहले और निर्माण के मध्य चरण में पहुंचने पर भी दिया जाता है।

» **पर्यवेक्षण, निगरानी और गुणवत्ता आश्वासन:**

- राज्य ने अनुबंध के आधार पर इंजीनियरों की भर्ती की है और निगरानी और पर्यवेक्षण कार्य के लिए ब्लॉक स्तर पर तैनात हैं। इंजीनियर स्कूल प्रबंधन समिति को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
- जिला स्तर पर तैनात जिला परियोजना अभियंता पूरे जिले का काम देख रहे हैं। वह प्रगति की समीक्षा और निगरानी के लिए जिले में कार्यरत प्रखंडों के सभी इंजीनियरों की साप्ताहिक बैठक कर रहे हैं.
- पूरे राज्य की प्रगति की निगरानी और समीक्षा के लिए राज्य स्तर पर सभी जिला परियोजना अभियंताओं की मासिक बैठक आयोजित की जाती है. मासिक बैठक में सिविल कार्यों से संबंधित मुद्दों का समाधान किया जाता है।
- जिला परियोजना अभियंता भी निष्पादित कार्यों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए अक्सर साइटों का दौरा करते हैं।
- संपूर्ण विद्यालय विकास योजना हेतु जिला स्तर पर स्थापत्य सहायक की पदस्थापना।
- प्रखंड स्तर पर पदस्थापित तकनीकी रिसोर्स पर्सन विद्यालय में किये जाने वाले निर्माण कार्य को देख रहा है। हर 40 से 50 साइट पर एक टीआरपी की नियुक्ति की जाती है।
- राज्य ने सहायक अभियंता के साथ गठित निगरानी प्रकोष्ठ बनाया है जो अक्सर साइटों का दौरा करते हैं और काम की गुणवत्ता में सुधार के लिए अपने सुझाव देते हैं।

» **सिविल कार्यों का बाहरी मूल्यांकन (तृतीय पक्ष):**

- पेशेवर तकीनीकी सलाहकारों की सेवाएँ तकीनीकी लेखा परीक्षा और गुणवत्ता आश्वाशन हेतु ली गई है । परियोजना में गुणवत्ता के निर्धारित मानक को प्राप्त करने के लिए सलाहकार अक्सर निर्माणाधीन कार्य की निगरानी करते हैं। विसंगति/त्रुटि होने पर निरीक्षणकर्ता के सुझाव के अनुसार त्रुटियों का निराकरण किया जाता है ।
- सलाहकार निर्माण सामग्री का स्वतंत्र परीक्षण (निर्माण स्थल और प्रयोगशाला में) भी करते हैं और एसएमसी और इंजीनियरों को रिपोर्ट करते हैं।
- कार्य पूर्ण होने पर परामर्शदाता पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करता है।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय परियोजना

माध्यमिक स्तर की कक्षाओं यानी कक्षा IX और कक्षा X के लिए राज्य में माध्यमिक शिक्षा लागू की जा रही है। गुजरात में, कक्षा आठवीं माध्यमिक शिक्षा का हिस्सा है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा आठवीं कक्षा को प्राथमिक शिक्षा में चरणबद्ध तरीके से स्थानांतरित करने की नीति बनाई गई थी। सरकारी माध्यमिक विद्यालय परियोजना ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना अर्थात 2007-12 में क्रमशः केन्द्र और राज्य के 75:25 साझाकरण पैटर्न पर क्रियान्वित की जा रही है और अब केन्द्र और राज्य का साझाकरण पैटर्न क्रमश: 60:40 है।

» **सरकारी माध्यमिक विद्यालय के लिए विजन**

14-18 वर्ष के आयु वर्ग के सभी युवाओं को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध, सुलभ और सस्ती बनाना। इस दृष्टि को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित हासिल किया जाना है:

- किसी भी बस्ती से उचित दूरी के भीतर एक माध्यमिक विद्यालय प्रदान करना, माध्यमिक विद्यालयों के लिए 5 किमी दूरी और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए 7-10 किमी दूरी होना चाहिए।
- समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लड़कियों और विकलांग बच्चों और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों (ईबीएम) जैसे अन्य हाशिए पर रहने वाले बच्चों को विशेष संदर्भ में माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच प्रदान करना।

» सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की उपलब्धियां: 2018-19:

1. 72 शासकीय माध्यमिक विद्यालय जून 2010 में प्रारंभ हुए जिन्हें वार्षिक योजना 2010-11 के अंतर्गत स्वीकृत किया गया, 254 शासकीय माध्यमिक विद्यालयों को जून 2011 में आरएमएसए की वार्षिक योजना 2011-12 के अंतर्गत स्वीकृत किया गया, 140 शासकीय माध्यमिक विद्यालयों को वार्षिक योजना के अंतर्गत जून 2016 में स्वीकृत किया गया आरएमएसए की वार्षिक योजना 2018-19 के तहत जून 2018 में 2016-17 एवं 70 शासकीय माध्यमिक विद्यालयों को स्वीकृत किया गया है। कुल नं। गुजरात राज्य में माध्यमिक शिक्षा परियोजना के तहत 524 सरकारी माध्यमिक विद्यालय चल रहे हैं।
2. 446 स्थानों पर शासकीय माध्यमिक विद्यालयों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिसमें से 405 आरएमएसए विद्यालय निर्माण कार्य पूर्ण तथा 35 शासकीय माध्यमिक विद्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
3. निर्माण कार्य की आवासीय शिक्षक क्वार्टरों पर के रूप में 32 स्थान पर शुरू हो गया है 20/08/2019 जिसमें से 30 आवासीय शिक्षक क्वार्टरों का काम पूरा हो और 2 आवासीय शिक्षक क्वार्टरों निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं।
4. वर्ष 2021-22 के दौरान कुल 45349 छात्रों ने नामांकन किया।
5. सरकारी माध्यमिक शालाओं में कुल 1321 शिक्षक कार्यरत हैं।
6. 102 सरकारी माध्यमिक शालाओं में उच्च माध्यमिक शिक्षा उपलब्ध है जिसका प्रबंधन स्कूलों के आयुक्त, गांधीनगर द्वारा किया जाता है। 102 विद्यालयों में से कक्षा-11 और 12 केवल 79 विद्यालयों में कार्यशील हैं और 23 विद्यालयों में कक्षा-11 तक हैं।

» सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की तस्वीरें

» 2020-21 में इंफ्रास्ट्रक्चर का काम

समग्र शिक्षा के तहत वर्ष 2020-21 के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचा गतिविधियों की विस्तृत स्थिति निम्नानुसार है:

गतिविधि	कुल नियोजित	पूर्ण कार्य		कार्य प्रगति	
		कार्यों की संख्या	%	कार्यों की संख्या	%
अतिरिक्त क्लास रूम	814	0	0	0	0
बी आर सी भवन	26	0	0	0	0
बालिका शौचालय ब्लॉक	346	0	0	308	89.01 %
बालक शौचालय ब्लॉक	501	0	0	448	89.42 %
सी डब्लू एस एन शौचालय	642	0	0	555	86.44 %
प्रमुख सुधार कार्य	599	0	0	499	83.30 %

अतिरिक्त क्लास रूम :

2020-21 में स्वीकृत 814 क्लास रूम निविदा के स्तर पर हैं

क्रम सं.	जिला	अतिरिक्त क्लास रूम		
		लक्ष्य	कार्य प्रगति	पूर्ण
1	अहमदाबाद	2	0	0
2	अमरेली	23	0	0
3	आनन्द	46	0	0
4	अरवली	35	0	0
5	बनास कांठा	94	0	0
6	भरूच	67	0	0
7	भावनगर	50	0	0
8	बोटाड	1	0	0
9	छोटा उदेपुर	23	0	0
10	दाहोद	47	0	0
11	देवभूमि द्वारका	4	0	0
12	गांधीनगर	4	0	0
13	गिर सोमनाथ	6	0	0
14	जामनगर	11	0	0
15	जूनागढ़	32	0	0
16	कच्छ	27	0	0
17	खेड़ा	12	0	0
18	मेहसाणा	29	0	0
19	महिसागर	11	0	0
20	मोरबी	1	0	0
21	नर्मदा	25	0	0
22	नवसारी	15	0	0
23	महल	56	0	0
24	पाटन	83	0	0
25	राजकोट	3	0	0
26	कांठा साबर	7	0	0
27	सूरत	14	0	0
28	सुरेंद्रनगर	18	0	0
29	तापी	2	0	0
30	डांग	16	0	0
31	वडोदरा	3	0	0
32	वलसाड	47	0	0
	कुल	**814**	**0**	**0**

बी आर सी भवन

2020 - 21 में स्वीकृत 26 बी आर सी भवन निविदा स्तर पर हैं

क्रम सं.	जिला	बी आर सी भवन		
		लक्ष्य	कार्य प्रगति	पूर्ण
1	अहमदाबाद	1	0	0
2	बनास कांठा	2	0	0
3	भरूच	1	0	0
4	भावनगर	1	0	0
5	दाहोद	2	0	0
6	जूनागढ़	2	0	0
7	खेड़ा	2	0	0
8	मेहसाणा	1	0	0
9	नर्मदा	1	0	0
10	नवसारी	1	0	0
11	पाटन	2	0	0
12	राजकोट	1	0	0
13	साबर कांठा	1	0	0
14	सुरेंद्रनगर	1	0	0
15	तापी	2	0	0
16	डांग	2	0	0
17	वडोदरा	2	0	0
18	वलसाड	1	0	0
	कुल	**26**	**0**	**0**

शौचालय ब्लॉक

इस वर्ष बालाक और बालिका शौचालय निर्माण का कार्य समग्र शिक्षा के अंतर्गत लिया गया. निर्धारित 346 बालिका शौचालयों और 501 बालक शौचालयों में से क्रमशः 308 और 448 शौचालयों का निर्माण प्रगति पर है

क्रम सं.	जिला	बालिका शौचालय ब्लॉक			बालाक शौचालय ब्लॉक		
		लक्ष्य	कार्य प्रगति	पूर्ण	लक्ष्य	कार्य प्रगति	पूर्ण
1	अहमदाबाद	3	0	0	9	5	0
2	एएमसी	4	4	0	1	1	0
3	अमरेली	6	5	0	7	6	0
4	आनन्द	10	9	0	15	11	0
5	अरवली	8	7	0	12	12	0
6	बनास कांठा	83	77	0	137	126	0
7	भरूच	1	1	0	1	0	0
8	भावनगर	21	19	0	27	25	0
9	बोटाड	5	5	0	2	2	0
10	छोटाउदेपुर	4	4	0	9	8	0
11	दाहोद	35	35	0	40	39	0
12	देवभूमि द्वारका	3	3	0	3	3	0
13	गांधीनगर	5	3	0	11	11	0
14	गिर सोमनाथ	8	8	0	12	11	0
15	जामनगर	3	1	0	3	3	0
16	जूनागढ़	2	2	0	4	4	0
17	कच्छ	9	7	0	15	12	0
18	खेड़ा	17	17	0	18	18	0
19	मेहसाणा	10	8	0	14	14	0
20	महिसागर	3	3	0	8	8	0
21	मोरबी	6	6	0	11	10	0
22	नर्मदा	1	1	0	4	3	0
23	नवसारी	3	3	0	4	4	0
24	पंच महल	14	7	0	17	9	0
25	पाटन	22	19	0	39	33	0
26	राजकोट	7	8	0	12	11	0
27	आरएमसी	1	0	0	2	0	0
28	साबर कांठा	16	13	0	28	26	0
29	सूरत	6	6	0	7	7	0
30	सुरेंद्रनगर	3	2	0	7	5	0
31	तापी	0	0	0	2	1	0
32	डांग	12	12	0	5	5	0
33	वडोदरा	6	6	0	3	3	0
34	वलसाड	9	7	0	9	12	0
	कुल	**346**	**308**	**0**	**501**	**448**	**0**

सी डब्ल्यू एस एन शौचालय

स्वीकृत 642 सी डब्ल्यू एस एन शौचालयों में से 555 शौचालयों का कार्य प्रगति पर है, जिला वार जानकारी इस तरह है :

क्रम सं.	जिला	सी डब्ल्यू एस एन शौचालय		
		लक्ष्य	कार्य प्रगति	पूर्ण
1	अहमदाबाद	9	7	0
2	एएमसी	2	0	0
3	अमरेली	9	8	0
4	आनन्द	14	12	0
5	अरवली	28	27	0
6	बनास कांठा	68	50	0
7	भरूच	15	11	0
8	भावनगर	24	17	0
9	बोटाड	10	7	0
10	छोटाउदेपुर	44	32	0
11	दाहोद	27	27	0
12	देवभूमि द्वारका	4	4	0
13	गांधीनगर	5	5	0
14	गिर सोमनाथ	27	25	0
15	जामनगर	3	3	0
16	जूनागढ़	14	7	0
17	कच्छ	14	10	0
18	खेड़ा	25	25	0
19	महेसाना	10	6	0
20	महिसागर	39	39	0
21	मोरबी	8	7	0
22	नर्मदा	15	15	0
23	नवसारी	16	16	0
24	पंच महल	38	37	0
25	पाटन	34	28	0
26	पोरबंदर	6	5	0
27	राजकोट	14	14	0
28	आरएमसी	1	1	0
29	साबर कांठा	27	25	0
30	सूरत	11	10	0
31	सुरेंद्रनगर	14	13	0
32	तापी	15	15	0
33	डांग	5	5	0
34	वडोदरा	28	26	0
35	वलसाड	19	16	0
	कुल	**642**	**555**	**0**

प्रमुख सुधार कार्य

वर्ष 2020 - 21 के दौरान लक्षित 599 प्रमुख सुधार कार्य में से 499 शाला मरम्मत के कार्य निम्नानुसार प्रगति पर हैं

क्रम सं.	जिला	प्रमुख सुधार कार्य		
		लक्ष्य	कार्य प्रगति	पूर्ण
1	अहमदाबाद	18	7	0
2	एएमसी	3	0	0
3	अमरेली	22	18	0
4	आनन्द	38	35	0
5	अरवली	26	26	0
6	बनास कांठा	31	16	0
7	भरूच	18	10	0
8	भावनगर	38	19	0
9	बोटाड	5	5	0
10	छोटाउदेपुर	8	7	0
11	दाहोद	23	23	0
12	देवभूमि द्वारका	7	3	0
13	गांधीनगर	6	6	0
14	गिर सोमनाथ	20	19	0
15	जामनगर	9	9	0
16	जूनागढ़	19	19	0
17	कच्छ	35	30	0
18	खेड़ा	32	27	0
19	महेसाना	23	23	0
20	महिसागर	20	20	0
21	मोरबी	3	3	0
22	नर्मदा	9	9	0
23	नवसारी	10	10	0
24	पंच महल	20	16	0
25	पाटन	26	26	0
26	पोरबंदर	10	6	0
27	राजकोट	14	11	0
28	साबर कांठा	28	24	0
29	सूरत	7	7	0
30	सुरेंद्रनगर	16	14	0
31	तापी	12	11	0
32	डांग	14	14	0
33	वडोदरा	20	17	0
34	वलसाड	9	9	0
	कुल	**599**	**499**	**0**

उच्चतर माध्यमिक हेतु अतिरिक्त क्लास रूम

लक्षित 8 अतिरिक्त क्लास रूम में से 5 क्लास रूम का कार्य प्रगति पर है. जिला वर विवरण निम्नानुसार है

क्रम सं.	जिला	अतिरिक्त क्लास रूम		
		लक्ष्य	कार्य प्रगति	पूर्ण
1	अमरेली	2	0	0
2	आनंद	1	0	0
3	बनास कांठा	5	5	0
4	कुल	**8**	**5**	0

अध्याय -2

विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाता है। यह, राज्य के लिए यह सुनिश्चित करना अनिवार्य बनाता है कि 6-14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 4 में स्कूल से बाहर के बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण और उम्र के अनुसार प्रवेश के लिए विशेष प्रावधान है। विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम स्कूल से बाहर के चिन्हित बच्चों को प्रदान की जाने वाली अतिरिक्त सहायता है ताकि वे स्कूल में उम्र के अनुकूल प्रवेश के लिए तैयार और तैयार हों।

समग्र शिक्षा का एक्सेस एंड रिटेंशन विभाग पहुंच प्रदान करने और प्रतिधारण की दिशा में काम करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाता है और उन्हें लागू करता है। समग्र शिक्षा का उद्देश्य न केवल प्राथमिक ग्रेड बल्कि 12 साल की स्कूली शिक्षा के लिए सार्वभौमिक नामांकन प्राप्त करना है। इसलिए, छात्रों की पहुंच में सुधार, माध्यमिक ग्रेड में उन्नयन और ड्रॉप आउट को कम करने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक दोनों ग्रेड में विभिन्न कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

समग्र शिक्षा द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ

स्कूल न जाने वाले बच्चों की पहचान :

स्कूल से बाहर के बच्चों की पहचान के लिए हर साल राज्य भर में नियोजित सर्वेक्षण गतिविधि आयोजित की जाती है। COVID की स्थिति के कारण, हालांकि सर्वेक्षण गतिविधि चुनौतीपूर्ण थी, फिर भी इसे आयोजित किया गया और स्कूल से बाहर के बच्चों की पहचान की गई। इस वर्ष, समग्र शिक्षा द्वारा विकसित एक डिजिटल एप्लिकेशन दिव्यान ऐप का उपयोग करके सर्वेक्षण किया गया था। यूनिसेफ के साथ साझेदारी में समग्र शिक्षा स्कूल से बाहर के बच्चों की पहचान के लिए सर्वेक्षण प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन भी विकसित कर रही है।

वर्ष 2020-21 के लिए सर्वेक्षण प्रारूप परामर्श के दौर के बाद बनाया गया था और इसे डिजीटल किया गया था ताकि प्रविष्टियां डिजिटल एप्लिकेशन पर की जा सकें।

4 sanjsamachar.net

સ્પે. ટ્રેનીંગ પ્રોગ્રામમાં સ્લમના છાત્રોને ભણાવાશે
મોરબી જિલ્લામાં શાળા બહારના બાળકોનો સર્વે

(છબીમાં)
મોરબી તા.૨૪

ગીર સોમનાથ જિલ્લા કો ઓર્ડીનેટર જિલ્લા પ્રાથમિક શિક્ષણાધિકારી દ્વારા
શાળામાંથી ડ્રોપ લીધેલ બાળકો દિવ્યાંગ બાળકો માટેની ઓળખ માટે સર્વે હાથ ધરવાનું ચાલુ કરેલ

અહેવાલ : ચેતન અપારનાથી
વેરાવળ તા.૨૪

ગીર સોમનાથ જિલ્લા ના તમામ શહેરી વિસ્તાર થતા ગ્રામ્ય વિસ્તારો સર્વેની કામ ગિરી ચાલુ શાળા બે ડ્રોપ લીધેલ બાળકો દિવ્યાંગ બાળકો માટે જિલ્લા ના કો.ઓર્ડીનેટર અને જિલ્લા પ્રાથમિક શિક્ષણાધિકારીને એન.ટી.અપારનાથી ની જિલ્લા કો.ઓર્ડીનેટર નરેશ સિપુના માર્ગદર્શન હેઠળ ગીર સોમનાથ જિલ્લા માં શાળા બહારના બાળકોનો સર્વેકાય ધરવામાં આવેલ છે જેમાં જિલ્લા ના તમામ શહેરી વિસ્તાર ગ્રામ્ય વિસ્તારમાં શાળા માંથી ચાલુ સ્કુલે અભ્યાસ છોડી ચુકેલા બાળકો તેમજ દિવ્યાંગ બાળકો સ્કુલે નથી આવી શકતા અથવા તો ચાલુ અભ્યાસ છોડી ચુકેલ તમામ બાળકો ને એક સર્વે કરવાની કામ ગીરી ચાલુ હોવાથી આપની આસ પાસ જો કોઈ આવા બાળકો અથવા દિવ્યાંગ ૧ થી ૧૮ ઉંમર સુધી ના આપની આસ પાસ માં બાળકો હોય અથવા આવા બાળકો ના વાલી હોય તો તત્કાલ શહેરી થતા ગ્રામ્ય વિસ્તારોમાં જણાઈ તો જણાવેલ નજીકની સરકારી પ્રાથમિક શાળા સી.આર.સી.કો.ઓર્ડીનેટર નજીકનું બી.આર.સી ભવન થતા સમગ્રશિક્ષા ગીર સોમનાથ કચેરીનાં ટોલ ફ્રિ નંબર ૧૮૦૦૨૩૩૨૫૮૫ જાણ કરવી વધુ માહિતી નજીકની પ્રાથમિક. શાળા નો સંપર્ક કરવા શહેરી વિસ્તારમાં બી.આર.સી ભવન નો આને માહિતી માટે જવા માટે જિલ્લા પ્રાથમિક શિક્ષણ દ્વારા આવા બાળકો ની નોંધ કરવા અનુરોધ કરેલ છે

» विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (12 महीने):

यह कार्यक्रम 9-14 वर्ष के आयु वर्ग के स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए है, जिनका कभी नामांकन नहीं हुआ या जो स्कूल छोड़ चुके हैं और एक वर्ष से अधिक समय से स्कूल से बाहर हैं। शैक्षणिक वर्ष के दौरान कुल 29,148 स्कूली बच्चों को विशेष प्रशिक्षण सहायता प्रदान की गई।

तालाबंदी और स्कूलों के बंद के दौरान एसटीपी केंद्रों में नामांकित बच्चों की पढ़ाई जारी रखना सुनिश्चित करना:

मार्च 2020 के पहले सप्ताह में COVID 19 के प्रसार को रोकने के लिए स्कूलों को बंद करने की घोषणा की गई थी। इसका मतलब यह भी था

कि उन छात्रों को त्वरित सीखने में सहायता प्रदान करने के लिए स्कूल के बाहर संचालित एसटीपी केंद्रअनिश्चित अवधि के लिए बंद करना। केंद्रों को चलाने वाले बालमित्रों, ब्लॉक रिसोर्स पर्सन और जिला समन्वयकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सहयोग दिया कि उनके छात्रों को निरंतर सीखने के लिए मनोसामाजिक सहायता मिले और उन्हें सुरक्षित रहने में भी मदद मिले। निम्नलिखित मुख्य प्रयास किए गए हैं-

छात्रों और परिवारों के लिए COVID 19 के जोखिम से बचाव का प्रचार प्रसार - राष्ट्रीय तालाबंदी लागू होने से पहले, बालमित्रों और ब्लॉक एवं जिला समन्वयकों ने यह सुनिश्चित किया कि वे एसटीपी केंद्रों से सम्बद्ध माता-पिता और छात्रों तक पहुंचें ताकि जागरूकता पैदा हो सके कि COVID 19 क्या है, महामारी के समय कैसे फैलता है और वे खुद को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं.

बालमित्रों और समन्वयकों द्वारा विकसित ऑडियो-वीडियो कॉल और ई सामग्री के माध्यम से सहायता प्रदान करना- लॉकडाउन घोषित होने के तुरंत बाद, बालमित्रों और ब्लॉक रिसोर्स पर्सन ने मोबाइल संपर्कों के माध्यम से उन छात्रों की एक अस्थायी समझ बनाई, जिनके पास मोबाइल डिवाइस थे या जिनके पास नहीं थे। उन्होंने छात्रों को FLN की बुनियादी अवधारणाओं को समझने के लिए लघु वीडियो बनाना शुरू किया और अपने द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से इसे माता-पिता के साथ साझा करना शुरू कर दिया। टेलीफोनिक फॉलोअप के माध्यम से भी सहायता प्रदान की गई और सामग्री को एक स्थान पर व्यवस्थित करने के लिए एक यूट्यूब चैनल शुरू किया गया।

शैक्षणिक सत्र के अंत तक छात्रों को मुख्यधारा में लाना- जून 2020 में गर्मी की छुट्टियां समाप्त होने और नया सत्र शुरू होने के बाद, ब्लॉक रिसोर्स पर्सन, जिला समन्वयकों और बालमित्रों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया था कि एसटीपी केंद्रों के छात्र जिन्होंने आवश्यक शैक्षणिक स्तर प्राप्त किया (एसटीपी केंद्रों में लगभग एक वर्ष का समर्थन प्राप्त करने के बाद) वे मुख्यधारा में आ गए और ग्रेड उपयुक्त कक्षाओं में नामांकित हो गए। यह भी सुनिश्चित किया गया कि बालमित्र एसटीपी से स्कूलों में संक्रमण के दौरान छात्रों को आवश्यक सहायता प्रदान करें। चूंकि स्कूलों में ही एसटीपी केंद्र चल रहे थे और बालमित्र पहले से ही प्रधानाध्यापकों के साथ मिलकर काम कर रहे थे, उन्होंने मुख्य धारा में आने वाले छात्रों की सूची साझा की और उन्हें उनकी उम्र के अनुसार नामांकित कराया। प्रधानाध्यापकों ने तब कक्षा शिक्षकों के साथ साझा किया कि ये छात्र एसटीपी केंद्रों से स्थानांतरित हो गए हैं और निर्णय लिया गया था कि चूंकि कक्षाएं पारंपरिक रूप से नहीं हो रही हैं, अतः संक्रमण की अवधि के लिए, बाल मित्र शिक्षकों के साथ छात्रों का समर्थन करना जारी रखेंगे।

एसटीपी केंद्रों में अभी भी नामांकित छात्रों और नए नामांकन के लिए निरंतर ऑनलाइन / ऑफलाइन समर्थन- जिन छात्रों को स्कूल में संक्रमण के दौरान आवश्यक शैक्षणिक स्तर प्राप्त करना बाकी है (और एसटीपी केंद्र में अभी एक वर्ष पूरा करना बाकी है) और कुछ छात्र जो नए सत्र में शामिल हुए (हालांकि महामारी के कारण नए सत्र में सर्वेक्षण नहीं हो सका लेकिन समुदायों ने उन बच्चों के बारे में जानकारी साझा की जो प्रवास या अन्य कारणों से परिवारों के साथ वापस आए थे) को बाल मित्रों से डिजिटल शिक्षण निर्देश प्राप्त हुए।

मोहल्ला और फलिया शिक्षण- जुलाई तक, राज्य के पास उन छात्रों का विस्तृत विश्लेषण था जिनके पास डिजिटल उपकरणों तक पहुंच नहीं है। छात्रों को निर्देशात्मक सहायता प्रदान करने के लिए बिना किसी उपकरण के उन तक पहुंचना महत्वपूर्ण था। उसके लिए, बालमित्रों ने सुनिश्चित किया कि वे बिना डिजिटल उपकरण पहुंच वाले छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए सीधे समुदायों तक पहुंचें। इन छात्रों को समुदाय के भीतर छोटे समूहों में पढ़ाया जाता था। बालमित्र एसटीपी केंद्रों के छात्रों को सहायता प्रदान करते रहे। बिना डिजिटल उपकरण पहुंच के वाले छात्रों को बालमित्रों द्वारा दिए गए समर्थन ने राज्य को उस असमानता को कम करने की दिशा में काम करने में मदद की जो डिजिटल उपकरणों तक छात्रों की असमान पहुंच के कारण पैदा हो सकती है। गुणवत्ता समर्थन सुनिश्चित करने के लिए COVID प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया।

सामग्री निर्माण - बिना उपकरणों पहुँच वाले छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए, बालमित्रों ने अलग-अलग फ्लैश कार्ड, स्टोरी कार्ड, चार्ट और अन्य टीएलएम विकसित किए ताकि छात्रों को उप-समूह शिक्षण में जोड़ा जा सके और जो अंतराल उन्हें आवश्यक निर्देशात्मक समर्थन प्राप्त न होने के कारण पैदा हुआ हो, को पाटा जा सके। बालमित्रों द्वारा व्यापक ई सामग्री भी बनाई गई है और यूट्यूब चैनल ने सभी लघु शिक्षण वीडियो को एक मंच पर होस्ट करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की है ताकि शिक्षकों और छात्रों दोनों द्वारा विभिन्न प्रकार की सामग्री का उपयोग किया जा सके।

नवाचार- एसटीपी के छात्रों और बिना उपकरण पहुँच वाले छात्रों तक पहुंचने के लिए, बालमित्र, बीआरपी, शिक्षकों और एसटीपी समन्वयकों ने कई अतिरिक्त प्रयास किए। कुछ छात्रों को डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराने के लिए दान के माध्यम से धन जुटाया गया है, शिक्षण प्रथाओं के लिए जगह पाने के लिए सामुदायिक गत

वंचित समूह के बच्चों के लिए आवासीय विशेष प्रशिक्षण

COVID स्थिति के कारण किसी भी आवासीय एसटीपी केंद्र की योजना और कार्यान्वयन नहीं किया गया।

विशेष प्रशिक्षण सामग्री:

पिछले वर्षों में छपी विशेष प्रशिक्षण सामग्री का उपयोग बाल मित्रों द्वारा वर्तमान वर्ष में भी एसटीपी केंद्रों में छात्रों के सीखने की सुविधा के लिए किया गया है। बाल मित्रों ने गुणवत्तापूर्ण निर्देशात्मक सहायता प्रदान करने के लिए स्वयं नए सामग्री/टीएलएम भी बनाए।

टेंट विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम :

गुजरात एक ऐसा राज्य है जहाँ रोजगार के लिए आए हुए श्रमिकों के सँख्या बहुत है । लोग कृषि कार्य, चीनी कारखानों में काम करने, चीनी मिट्टी के काम आदि के लिए पलायन करते हैं। ऐसे बच्चे हैं जो माता-पिता के साथ कार्य स्थल पर रहते हैं जैसे निर्माण श्रमिकों के बच्चे, ईंट-चट्टान श्रमिक, नमक पैन क्षेत्रों में काम करने वाले लोग आदि। बच्चों को निर्देशात्मक इनपुट प्रदान करने के लिए कार्यस्थल पर दस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि उनका सीखना जारी रह सके। कार्य स्थलों पर एसटीपी केंद्र दिन में लगभग 5 घंटे काम करते हैं और बच्चों को पढ़ने, खेलने, सामूहिक साझाकरण आदि जैसी अर्थपूर्ण गतिविधियों में शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

वर्ष 2020-21 में अहमदाबाद, आणंद, पोरबंदर, पाटन, गांधीनगर, वडोदरा, सूरत, तापी, भावनगर, जूनागढ़ जैसे जिलों में टेंट एसटीपी केंद्रों को चालू कर दिया गया है। 9800 छात्रों को शिक्षण सहायता प्रदान करने की योजना थी, लेकिन COVID स्थिति के कारण 188 केंद्रों के माध्यम से केवल 3754 बच्चों का ही समर्थन किया जा सका।

रणनीति	लक्षित छात्र	कुल छात्रों तक पहुँच	केंद्रों की सँख्या
टेंट एसटीपी	9800	बालक –1980 बालिका–1674 **कुल -3754**	188

आवासीय मौसमी छात्रावास

आवासीय मौसमी छात्रावास ऐसे छात्रावास हैं जो उन छात्रों को आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए विकसित किए गए हैं जिनके माता-पिता काम के लिए मौसमी रूप से प्रवास करते हैं। छात्र मौसमी छात्रावासों में रहते हैं और अपनी शिक्षा जारी रखते हैं जबकि माता-पिता काम के लिए दूसरे जिलों में चले जाते हैं।

रणनीति	स्वीकृत लक्ष्य 2020 -21	पहुँच	उपलब्धि %
	भौतिक	भौतिक	भौतिक
आवासीय मौसमी छात्रावास	28,000 छात्र	1114 छात्र	**4%**

उपरोक्त तालिका के अनुसार वर्ष 2020-21 के दौरान कुल 28000 बच्चों की पहचान की गई जिन्हें आवासीय मौसमी छात्रावास की आवश्यकता थी। चूंकि COVID 19 स्कूल बंद करने के फैसले ने आवासीय छात्रावासों को भी प्रभावित किया और शिक्षण मुख्य रूप से एक ऑनलाइन प्रारूप में हो रहा था, छात्रावासों को लंबे समय तक कार्यात्मक नहीं बनाया जा सका।

वर्ष 2020-21 में एसटीपी के संबंध में की गई प्रगति-

क्रम सं.	स्कूल से बाहर के बच्चों के लिए हस्तक्षेप	एडब्ल्यूपी और बी 2020-21के अनुसार लक्ष्य	उपलब्धि		मुख्यधारा में शामिल बच्चों की संख्या
			केंद्रों की संख्या	बच्चो की संख्या	
1	एस टी पी (12 महीने)	30352	1097	29148	22851
2	आवासीय हॉस्टल	50	0	0	0
3	सीधा नामांकन	6697	0	13248	13248
	कुल	37099	1097	42396	**36099**
4	टेंट एस टी पी	9800	188	3754	
5	मौसमी छात्रावास	28000	22	1114	
	कुल	37800	210	4868	

परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधाएं

प्राथमिक ग्रेड के बाद छात्रों द्वारा शिक्षा छोड़ने का एक कारण यह है कि उन्हें अपने गाँव के बाहर के स्कूलों तक पहुँचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2012 से, छात्रों को सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए परिवहन सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

शिक्षकों के सहयोग से एसएमसी को यह तय करने की जिम्मेदारी दी जाती है कि किन छात्रों को शिक्षा जारी रखने के लिए परिवहन सुविधाओं की आवश्यकता है। एसएमसी के प्रस्ताव सीआरसी/बीआरसी के माध्यम से एकत्र किए जाते हैं और तदनुसार अनुमोदन प्रदान किए जाते हैं।

एसएसए गुजरात ने सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली परिवहन सुविधाओं का लाभ उठाते हुए सभी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली विकसित की है। जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग सिस्टम यह ट्रैक करना संभव बनाता है कि क्या सभी बसें / वाहन निर्दिष्ट मार्गों का अनुसरण कर रहे हैं, नियंत्रित गति में हैं या नही, इसमें संकट के समय सहायता प्राप्त करने की प्रणाली (एसओएस) भी है।

वर्ष 2020-21 में परिवहन सुविधा की प्रगति

लक्षित छात्र	छात्रों तक पहुँच (31-3-2021)		
	बालक	बालिका	कुल
1,47237	24126	23785	47911

"स्कूल ऑन व्हील":

गुजरात सरकार ने साल 2018 में साल्ट पैन श्रमिकों के बच्चों के लिए "स्कूल ऑन व्हील्स" नामक एक अनूठी परियोजना शुरू की।

इसे गुजरात राज्य परिवहन निगम के सहयोग से लॉन्च किया गया है। निगम इस परियोजना के लिए अप्रयुक्त बसों को उपलब्ध करा रहा है ताकि उन्हें अस्थायी अवधि के लिए स्कूलों के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

रेगिस्तान में वातावरण के आधार पर, एक मानक बस में पीवीसी फर्श, 18 लेखन डेस्क, एलसीडी, छत के पंखे, एलईडी लाइट, एक लेखन बोर्ड है। समग्र शिक्षा योजना ने अब तक 38 स्कूलों को ऑन व्हील्स (नमक पैन श्रमिकों के बच्चों तक पहुंचने पर केंद्रित) विकसित किया है। बच्चों को मध्याह्न भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है । स्कूल को समायोजित करने वाली एक मानक बस, रेगिस्तान में तैनात की जाएगी। इन बसों में बच्चों के लिए पीने के पानी समेत तमाम सुविधाएं हैं।

स्कूल बस में एक बार में 26 छात्रों के शिक्षण-अधिगम की सुविधा है।

"स्कूल ऑन व्हील प्रोजेक्ट" की प्रगति

कुल बसों की सँख्या	कुल छात्रों तक पहुँच
38	655

अध्याय -3

बालिकाओं की शिक्षा

बालिकाओं के लिए शिक्षा:

भारत में बालिका शिक्षा राष्ट्र के विकास के लिए काफी हद तक आवश्यक है क्योंकि लड़कियां ज्यादातर काम लड़कों से बेहतर कर सकती हैं। आजकल बालिका शिक्षा आवश्यक है और अनिवार्य भी है क्योंकि बालिकाएँ ही देश का भविष्य हैं। भारत में सामाजिक और आर्थिक रूप से विकसित होने के लिए लड़कियों की शिक्षा आवश्यक है। देश का विकास लड़कियों की शिक्षा पर निर्भर करता है। नारी शिक्षा समय की मांग है। हम देश की महिलाओं को शिक्षित किए बिना एक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते। देश के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की अहम भूमिका होती है। लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। वे एक सुखी घर के असली निर्माता हैं और शिक्षित महिला के पास कौशल, जानकारी और आत्मविश्वास है कि उसे एक बेहतर माता, कार्यकर्ता और नागरिक बनने की जरूरत है, इसलिए लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए

दीकरी नी सलाम देश ने नाम:

'हर लड़की को शिक्षित करें और वह देश का गौरव होगी'। महिला सशक्तिकरण में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह लिंग के आधार पर भेदभाव को रोकने में भी मदद करता है। शिक्षा महिलाओं को वह जीवन जीने का तरीका चुनने की शक्ति देने का पहला कदम है, जिसका वह नेतृत्व करना चाहती हैं। शिक्षा महिलाओं को उनके काम में अधिक उत्पादक बनने में मदद करती है। एक ज्ञानी महिला में वह कौशल, सूचना, प्रतिभा और आत्मविश्वास होता है जो उसे एक बेहतर माँ, कर्मचारी और निवासी बनने के लिए आवश्यक होता है। शिक्षित लड़कियां अपने बच्चों की अच्छी परवरिश से देश का भविष्य उज्ज्वल कर सकती हैं। शिक्षा नारी को विचार करने की स्वतंत्रता देती है। यह उसके दृष्टिकोण को व्यापक बनाता है और उसे उसके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करता है

समग्र शिक्षा गुजरात 26 जनवरी- गणतंत्र दिवस 2015-16 से सभी स्कूलों में "दीकरी नी सलाम देश ने नाम" मनाता है। ध्वजारोहण गांव की उच्च शिक्षित लड़कियों द्वारा किया जाता है और पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। समग्र शिक्षा भी लड़कियों से संबंधित वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों का आयोजन करता है। इस विशेष अवसर पर, स्कूल नवजात बच्चियों की माताओं को भी आमंत्रित करते हैं और उन्हें सम्मानित करते हैं।

व्यावसायिक शिक्षा:

केजीबीवी लड़कियों के कौशल विकास के लिए एनआईओएस के सहयोग से सक्षम कार्यक्रम शुरू किया गया है। केजीबीवी एनआईओएस के माध्यम से विभिन्न ट्रेडों में सर्टिफिकेट कोर्स संचालित करने के लिए मान्यता प्राप्त व्यावसायिक केंद्र (एवीआई) के रूप में काम कर रहे हैं। केजीबीवी में लड़कियां अपने अध्ययन के साथ केजीबीवी में व्यावसायिक पाठ्यक्रम ले सकती हैं और उस पाठ्यक्रम के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकती हैं। केजीबीवी सक्षम कार्यक्रम के तहत कुल 5 ट्रेड उपलब्ध हैं। कटिंग टेलरिंग, ब्यूटी कल्चर, एम्ब्रायडरी, बेसिक कंप्यूटर और योगा।

आत्मरक्षा:

2017-18 से समग्र शिक्षा कराटे, जूडो, पंचिंग और बुनियादी आत्मरक्षा का प्रावधान कर रही है, जैसे कि अवरोध और कुश्ती, सभी

उच्च प्राथमिक विद्यालयों और माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सभी लड़कियों को प्रमाण पत्रप्रदान किये गए।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में कोविड महामारी के कारण ऑनलाइन आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है। ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए बीआईएसएजी स्टूडियो की मदद से विभिन्न आत्मरक्षा विधियों पर 24 एपिसोड तैयार किए गए हैं और भारत सरकार के दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं। लड़कियों को प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत करने के लिए स्कूलों को लिंक भेज दिया गया है। कक्षा 6 से 12 तक की लगभग 11 लाख लड़कियों को प्रशिक्षित करने के लिए 22,968 स्कूलों में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है।

किशोरावस्था शिक्षा:

युवाओं को सही, उम्र के अनुकूल और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक जानकारी के साथ सशक्त बनाने के लिए और स्वस्थ दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और कौशल विकसित करने के लिए उन्हें सकारात्मक और जिम्मेदार तरीके से वास्तविक जीवन स्थितियों का सामना करनें में सक्षम बनाने के लिए, सभी उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को बाल शोषण, पोक्सो अधिनियम, कम उम्र में विवाह, स्वास्थ्य और पोषण, सोशल मीडिया के विवेकपूर्ण उपयोग आदि के बारे में जागरूक किया गया।

चूंकि कोविड 19 महामारी के कारण स्कूल बंद थे, समग्र शिक्षा गुजरात ने उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम करने की पहल की है। यह क्षमता निर्माण कार्यक्रम ऑनलाइन किया गया। प्रारंभ में राज्य स्तर पर, विशेषज्ञों की एक टीम ने किशोर शिक्षा और करियर परामर्श के विभिन्न विषयों पर पीपीटी और पीडीएफ के रूप में ऑनलाइन प्रशिक्षण सामग्री विकसित की है। स्वास्थ्य, आईसीडीएस जैसे विभिन्न विभागों और यूनिसेफ जैसे विशेषज्ञ गैर सरकारी संगठनों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता को मजबूत करने में योगदान दिया। पहले चरण में प्रत्येक जिले से 5 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया और दूसरे चरण में इन मास्टर प्रशिक्षकों ने जिलों के प्रत्येक स्कूल से एक शिक्षक को प्रशिक्षित किया। तीसरे चरण में इन प्रशिक्षित शिक्षकों ने अपने बच्चों को ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ऑनलाइन प्रशिक्षण के शामिल विषय हैं:

- किशोरावस्था अपने जैविक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक आयाम में
- मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और स्वास्थ्य।
- किशोरियों की दैनिक पोषण संबंधी आवश्यकता, कुपोषण और रक्ताल्पता
- बाल शोषण संबंधी कानूनी प्रावधान-पॉक्सो अधिनियम
- बाल विवाह और बाल अधिकार
- सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग
- किशोरों के लिए कैरियर मार्गदर्शन।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी):

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) योजना भारत सरकार द्वारा अगस्त 2004 में मुख्य रूप से अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत लड़कियों के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय

विद्यालयों की स्थापना के लिए शुरू की गई थी। प्रारंभ में, यह एक अलग योजना के रूप में संचालित थी, लेकिन 1 अप्रैल 2007 से सर्व शिक्षा अभियान के साथ इसका विलय कर दिया गया। आरटीई अधिनियम, 2009, 1 अप्रैल 2010 से लागू होने के साथ, कार्यान्वयन के सर्व शिक्षा ढांचे को संशोधित किया जा रहा है। आरटीई अधिनियम के अनुसार, सर्व शिक्षा के केजीबीवी घटक को भी बाल अधिकारों के समग्र संदर्भ में और अधिनियम की भावना और शर्तों के अनुरूप लागू किया जा रहा है। इस योजना के तहत, केजीबीवी शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों (ईबीबी) में स्थापित किए गए हैं, जहां महिला ग्रामीण साक्षरता राष्ट्रीय औसत से नीचे है (अर्थात 2001 की जनगणना के अनुसार 46.13 फीसदी से कम) और साक्षरता में लिंग अंतर राष्ट्रीय औसत 21.59% से ऊपर है। 2001 की जनगणना के अनुसार इस योजना का दायरा उन ब्लॉकों को कवर करने के लिए बढ़ाया गया था, जिनमें ग्रामीण महिला साक्षरता 30% से कम है और शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय महिला साक्षरता (शहरी) से अधिक है। 2001 की जनगणना के अनुसार इसे फिर से विस्तारित किया गया था। ग्रामीण महिला साक्षरता 46.13% के साथ पिछड़े ब्लॉक। केजीबीवी स्थापित किए जाते हैं जहां 500 से अधिक (10 से 14 वर्ष की आयु) लड़कियां या तो स्कूल से बाहर हैं (ड्रॉप आउट या कभी नामांकित नहीं) या 6 महीने से अधिक समय तक अनियमित उपस्थिति। लक्षित लड़कियों में से 75% अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक समुदायों और अन्य पिछड़े वर्ग समुदायों से हैं और 25% लड़कियां गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों से हैं। लड़कियों का आयु-उपयुक्त नामांकन कक्षा 6 से 8 में उनकी आयु के अनुसार और आरटीई अधिनियम, 2009/एमएचआरडी दिशानिर्देश में निर्धारित अनुसार किया जाता है। विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी कम से कम 3 महीने और अधिकतम 6 महीने या 6 महीने से अधिक के लिए निर्धारित किया गया है, जो कभी स्कूल नहीं गए थे।

वर्तमान में गुजरात में, समग्र शिक्षा के तहत कुल 245 केजीबीवी कार्यरत हैं। कुल 239 केजीबीवी में से 163 केजीबीवी भारत सरकार के सहयोग से चलाए जाते हैं और 76 गुजरातसरकार के सहयोग से संचालित होते हैं। केजीबीवी में चार प्रकार होते हैं ;

- टाइप- I (कक्षा 6-8) = 32
- टाइप -II (कक्षा 6-10) = 55
- प्रकार -III (कक्षा 6-12) = 82
- प्रकार -IV (कक्षा 9-12) = 76

केजीबीवी में श्रेणीवार नामांकन की स्थिति:

उपरोक्तानुसार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, अल्पसंख्यक और बीपीएल परिवारों की लक्षित लड़कियों तक पहुंचने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। नीचे दी गई तालिका केजीबीवी के श्रेणीवार नामांकन का विवरण देती है।

केजीबीवी प्रकार	केजीबीवी स्वीकृत	केजीबीवी परिचालन	नामांकित लड़कियों की संख्या						
			अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	गरीबी रेखा से नीचे	अल्पसंख्यक	अन्य	कुल
प्रथम	32	32	72	527	465	365	50	20	**1499**
द्वितीय	55	55	420	1227	2095	1146	41	58	**4987**
तृतीय	82	82	578	3629	3113	2276	124	225	**9945**
चतुर्थ	81	76	808	1094	2749	1284	61	140	**6136**
कुल	**250**	**245**	**1878**	**6477**	**8422**	**5071**	**276**	**443**	**22567**

नीचे दी गई तालिका केजीबीवी के वर्ग-वार नामांकन का विवरण देती है।

केजीबीवी प्रकार	कक्षा	भारत सरकार			गुजरात सरकार			कुल नामांकन
		छात्रावास के साथ स्कूल	छात्रावास	कुल भारत सरकार	छात्रावास के साथ स्कूल	छात्रावास	कुल GoG+GOI	
टाइप 1	6 से 8	9	5	14	0	18	32	**1499**
टाइप 2	6 से 10	16	14	30	0	25	55	**4987**
टाइप 3	6 से 12	38	7	45	0	37	82	**9945**
टाइप 4	9 से 12	0	76	76	0	0	76	**6136**
कुल		**63**	**102**	**165**	**0**	**80**	**245**	**22567**

केजीबीवी को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए शिक्षकों और वार्डन को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष 2018-19 के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का विवरण नीचे दिया गया है।

'स्टडी फ्रॉम होम' कक्षावार, विषयवार स्व-शिक्षण सामग्री प्रदान करने के लिए समग्र शिक्षा गुजरात की एक पहल थी । इस सामग्री का अंश प्रत्येक सप्ताह राज्य के सभी छात्रों को वितरित किया जाता था । केजीबीवी लड़कियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए गृह असाइनमेंट और गतिविधियां (पढ़ना, लिखना, अंकगणित, कला और शिल्प कार्य, मिट्टी की कला, कचरे से सर्वश्रेष्ठ, लोक कथाओं और लोक गीतों का संग्रह, घरेलू उपचार, व्यंजनों, स्वदेशी कला और खेल) नियमित रूप से दिए गए। वार्डन और शिक्षकों द्वारा की गई अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है ।

1 मई, 2020 को 'गुजरात स्थापना दिवस' मनाया गया। 'कोरोना वारियर्स' थीम पर पेंटिंग व निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई, इसमें केजीबीवी की छात्राओं ने भी भाग लिया। कोरोना महामारी की रोकथाम और एहतियात पर जीसीईआरटी द्वारा विकसित सामग्री, गतिविधियों, वार्ता, गीतों के यू-ट्यूब लिंक, खेल लड़कियों के साथ साझा किए गए। लड़कियों को अपने साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी मास्क तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया।

केजीबीवी सुरक्षा दिशानिर्देश

लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केजीबीवी में कुछ आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसके लिए सभी जिलों को एसएस द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। दिशानिर्देश, रसोई, खेल के मैदानों और अभिभावक-सुरक्षा उपायों के विशिष्ट कार्यान्वयन का वर्णन करता है। सभी केजीबीवी वार्डन को निम्नलिखित सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया है:

सुरक्षित सुविधाओं का प्रावधान:

- 24 घंटे बिजली सुविधा के साथ हवादार केजीबीवी भवन
- बच्चों के अनुकूल शौचालय की सुविधा और पानी की सुविधा के साथ स्नान कक्ष बिस्तर सेट (गद्दे, कंबल, तकिया, मच्छरदानी,

चादर सहित), स्वच्छता किट (टूथब्रश, तौलिया, साबुन, तेल, आदि सहित) का प्रावधान।

- पीने के पानी की समुचित सुविधा, जल शोधक जहां कहीं आवश्यक हो
- मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित अवशोषक तक पहुंच और निपटान के लिए सुरक्षित सुविधा
- किचन गार्डन, पौधों आदि के साथ स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण।
- परिसर की दीवार और केजीबीवी की सीमा पर बाड़ लगाना
- प्राथमिक चिकित्सा किट हर समय उपलब्ध
- केजीबीवी सुरक्षा समिति का गठन और परिसर में टेलीफोन की उपलब्धता के साथ पुलिस, आग, एम्बुलेंस, आदि जैसे आपातकालीन कॉल नंबरों की सूची दीवार/नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की गई है।

संमिलन रणनीति:

राज्य में बालिका शिक्षा में सुधार के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एसएस ने संमिलन को सहायक रणनीति के रूप में अपनाया है। राज्य केजीबीवी शिक्षा विभाग के सहयोग से कार्य कर रहे हैं। 2018-19 के दौरान किए गए कुछ प्रमुख संमिलन नीचे दिए गए हैं :

विभाग	गतिविधियां
महिला एवं बाल विभाग	नामांकन के लिए
स्वास्थ्य विभाग	एमएचएम जागरूकता, नियमित जांच, पोषण
सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग	छात्रवृत्ति और अन्य लाभ
जनजातीय विभाग	आवासीय छात्रावास
सड़क एवं भवन विभाग	सड़क और पानी की सुविधा
एनआईओएस	व्यावसायिक पुनर्वास
खेल, युवा और सांस्कृतिक विभाग	खेलकूद, आत्मरक्षा प्रशिक्षण
गृह विभाग	केजीबीवी, सुरक्षा सेतु में सप्ताह में एक बार गश्त करती पुलिस
आपदा प्रबंधन विभाग	आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण
बाल संरक्षण विभाग	बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता

केजीबीवी में शिक्षक प्रशिक्षण:

कोविड-19 महामारी के कारण राज्य ने ऑनलाइन मोड प्रशिक्षण आयोजित किया है।

क्रमांकित सं.	प्रशिक्षण का प्रकार (ओनलाइन)	प्रशिक्षण सामग्री
1	माइक्रोसॉफ्ट टीम द्वारा केजीबीवी अंशकालिक शिक्षकों का प्रशिक्षण	एनआईओएस और राज्य के बीच समझौता ज्ञापन के एक भाग के रूप में सिलाई, सौंदर्य - बाल और देखभाल, योग, कंप्यूटर बुनियादी पाठ्यक्रम जैसे विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण का आयोजन किया।
2	जूम मीटिंग के जरिए केजीबीवी वार्डन सह प्रधानाध्यापक का प्रशिक्षण	केजीबीवी हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा जीवन कौशल और मूल्य आधारित शिक्षा पर सभी स्टाफ का प्रशिक्षण।
3	सभी केजीबीवी कर्मचारियों और जिला लैंगिक समन्वयकों के लिए DISHA " पाठ्यक्रम	राज्य ने ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया और केजीबीवी प्रबंधन और प्रशासन के बारे में दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया। योजना, केएमसी, हेड सबहेड बजट, वित्तीय प्रावधान और नियम - जीईएम पोर्टल, केजीबीवी लड़कियों की सुरक्षा और प्रतिभूतियां, मनो-सामाजिक पद्धति, स्वास्थ्य - पोषण
4	माइक्रोसॉफ्ट टीम द्वारा पूर्णकालिक शिक्षक (गणित - विज्ञान) का प्रशिक्षण	विक्रम साराभाई विज्ञान संस्थान द्वारा गणित और विज्ञान के पूर्णकालिक शिक्षक विज्ञान और गणित के किट उपयोग के लिए प्रशिक्षण आयोजित
5	दीक्षा पोर्टल पर होम लर्निंग कोर्स	इस महामारी की स्थिति में केजीबीवी छात्रों को उनकी होम लर्निंग शिक्षा में मदद करने के लिए सभी शिक्षकों के लिए होम लर्निंग कोर्स विकसित किया गया है

होम लर्निंग कोविड -19 लॉकडाउन के दौरान सीखना

कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण, समग्र शिक्षा गुजरात ने लड़कियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अन्य सभी शैक्षणिक संस्थानों के साथ सभी केजीबीवी को बंद कर दिया था।

लॉकडाउन के दौरान 75% से अधिक लड़कियां व्हाट्सएप ग्रुप और अन्य संबंधित ऐप के माध्यम से केजीबीवी कर्मचारियों के सीधे संपर्क में थीं। प्रत्येक शनिवार को पढ़ाए जाने वाले विषय की मानकवार, विषयवार पीडीएफ विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से राज्य से अभिभावकों को साझा की गई है।

राज्य की शिक्षा मंत्री सुश्री विभावरी दवे का एक आवाज संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था ताकि माता-पिता को घर पर अपने बच्चों की पढ़ाई की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस संदेश के माध्यम से माता-पिता और छात्रों को घर पर पढ़ाई जारी रखने के साथ-साथ घर पर ही कोरोना महामारी, रोकथाम और सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया।

केजीबीवी वार्डन और शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे घर पर ही लड़कियों से लगातार संपर्क बनाए रखें. वार्डन/शिक्षक छात्राओं का साप्ताहिक अपडेट ले रहे थे। केजीबीवी छात्रों के साथ संवाद करने के लिए माता-पिता और शिक्षकों के व्हाट्सएप ग्रुप का उपयोग किया गया। व्हाट्सएप के अलावा शिक्षक नियमित फोन कॉल, व्हाट्सएप कॉल, माइक्रोसॉफ्ट टीम कॉल, जूम, गूगल मीट आदि के जरिए लड़कियों से सीधे संपर्क में थे।

इसके साथ ही केजीबीवी की लड़कियां विभिन्न पाठ्य सहगामी गतिविधियों में शामिल थीं जैसे पारंपरिक लोक गीत संग्रह, पारंपरिक भोजन संग्रह, कहानियां, अपने परिवारों के बारे में लिखना, शिल्प कार्य, पारंपरिक कढ़ाई और मुखौटा बनाना आदि।

समग्र शिक्षा की बालिका शिक्षा शाखा जिला लैंगिक समन्वयकों के साथ नियमित आभासी बैठक आयोजित करती है और राज्य कार्यालय द्वारा नियोजित विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए उनका मार्गदर्शन करती है। माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से केजीबीवी के वार्डन और शिक्षकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाती है।

केजीबीवी बालिकाओं की सफलता की कहानी

केस स्टडीज: 1 नाम - राजीबेन जीवनभाई अहिरो केजीबीवी: कोलिवाडा, जिला: पाटन शाला त्यागी बालिका वर्तमान स्थिति - सूरत में पुलिस कांस्टेबल के रूप में कार्यरत	
केस स्टडीज: 2 नाम – शियान भानुबेन राहाभाई केजीबीवी: वापड़िया, जाफराबाद, जिला: अमरेली शाला त्यागी बालिका वर्तमान स्थिति- शियालबेट में आंगनबाडी कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत	
केस स्टडीज: 3 नाम - दीपाली मेदसिभाई नंदनिया केजीबीवी: कंभला, जिला: पोरबंदर शाला त्यागी बालिका वर्तमान स्थिति- पिछले वर्ष से होमियोपैथी की पढ़ाई	
केस स्टडीज: 4 नाम-चौधरी आशाबेन शिवभाई केजीबीवी: गोतरका, जिला: पाटन अनामांकित बालिका वर्तमान स्थिति- पुलिस कांस्टेबल के रूप में कार्यरत	
केस स्टडी: 5 नाम - सुनंदाबेन नरसिंहभाई दामा (CWSN) नेत्र-दृष्टि समस्या केजीबीवी: बलैया, जिला: दाहोद अनामांकित बालिका वर्तमान स्थिति- अध्ययन और कराटे में उपलब्धि	

केजीबीवी एक नजर में

अध्याय - 4

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा

समावेशी शिक्षा सभी शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर और सीखने में भागीदारी बढ़ाने और शिक्षा के भीतर और बाहर बहिष्करण को कम करने की एक प्रक्रिया है। इसमें सामग्री, दृष्टिकोण, संरचनाओं और रणनीतियों में परिवर्तन और संशोधन शामिल हैं, एक सामान्य दृष्टि के साथ और एक दृढ़ विश्वास है कि उपयुक्त आयु सीमा के सभी बच्चों को शामिल करता है सभी बच्चों को शिक्षित करने के लिए नियमित प्रणाली की आवश्यकता है। समावेशी शिक्षा का उद्देश्य सभी के अधिकार के रूप में शिक्षा का समर्थन करना है, जिसमें वंचित समूहों, लड़कियों और महिलाओं, विकलांग बच्चों और स्कूल से बाहर के बच्चों के लिए भागीदारी और सीखने की बाधाओं को दूर करने पर विशेष जोर दिया गया है। समग्र लक्ष्य एक ऐसा स्कूल है जहां सभी बच्चे भाग ले रहे हैं और समान व्यवहार कर रहे हैं।

स्कूली शिक्षा के लिए नई एकीकृत योजना- समग्र शिक्षा के अनुसार, प्रशासन की मौजूदा प्रणालियों को पुनर्गठित किया गया था। इस योजना का उद्देश्य प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक एक निरंतरता में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) सहित सभी बच्चों की शिक्षा को देना है। यह योजना सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय के स्कूलों में पढ़ रहे दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार (RPwD) अधिनियम, 2016 की अक्षमताओं की अनुसूची में उल्लिखित एक या एक से अधिक दिव्यांगता, विशेष आवश्यकता वाले सभी बच्चों को कवर करेगी। इस प्रक्रिया के एक भाग के रूप में सर्व शिक्षा अभियान द्वारा समर्थित प्रारंभिक शिक्षा (I-VIII) में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शामिल करना और माध्यमिक स्तर पर विकलांगों के लिए केंद्र प्रायोजित समावेशी शिक्षा (IEDSS) योजना (IX-XII) को शामिल किया गया।

रिपोर्टिंग अवधि (2020-21) के दौरान, समग्र शिक्षा, गुजरात ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (आईई-सीडब्ल्यूएसएन) नामक घटक के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शामिल करने के लिए कई पहल शुरू की और कार्यान्वित की हैं। पिछले वर्षों की तरह, सीडब्ल्यूएसएन की पहचान और नामांकन पर ध्यान देना जारी रखा, उन्हें सीखने की सुविधा के लिए सहायक उपकरण प्रदान करना और उन्हें चिकित्सीय सहायता भी सुनिश्चित करना भी जारी है । इसके साथ ही, इस वर्ष, उन तरीकों की योजना और कार्यान्वयन पर भी ध्यान दिया गया है जिससे सीडब्ल्यूएसएन के सीखने के स्तर में सुधार किया जा सकता है और विशेष शिक्षक स्कूलों में अपने सीखने का समर्थन करने में अधिक समय दे सकते हैं।

1.1 प्रारंभिक स्तर पर समावेशी शिक्षा:

UDISE+ 2019-20 के अनुसार, सभी तरह के प्रबंधन वाले स्कूलों में 79,320 सीडब्ल्यूएसएन छात्र नामांकित हैं।
सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय विद्यालयों में प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8) करने वाले जिलेवार कुल दिव्यांग बच्चे

क्रम सं.	जिले का नाम	UDISE के अनुसार नामांकित दिव्यांग बच्चे
1	अहमदाबाद	2257
2	अमरेली	1776
3	आनन्द	3511
4	अरवली	1463
5	बनास कांठा	3483
6	भरूच	1360
7	भावनगर	2631
8	बोटाड	1008
9	छोटाउदेपुर	1708
10	देवभूमि द्वारका	715
11	दाहोद	2453
12	गांधीनगर	1528
13	गिर सोमनाथ	2262
14	जामनगर	1141
15	जूनागढ़	2084
16	कच्छ	2593
17	खेड़ा	2962
18	मेहसाणा	2415
19	महिसागर	2230
20	मोरबी	1220
21	नर्मदा	1323
22	नवसारी	1141
23	पंच महल	2795
24	पाटन	1645
25	पोरबंदर	627
26	राजकोट	1752
27	साबर कांठा	1826
28	सूरत	1950
29	सुरेंद्रनगर	3124
30	तापी	1130
31	डांग	681
32	वडोदरा	3046
33	वलसाड	1757
34	एएमसी	1285
35	आरएमसी	461
36	एसएमसी	1224
37	वीएमसी	404
	कुल	**66971**

विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता के 66,971 सीडब्ल्यूएसएन में से 38,769 लड़के हैं और 28,202 लड़कियां हैं

प्रारंभिक शिक्षा में अध्ययनरत जिलावार एवं लिंगवार सीडब्ल्यूएसएन

ज़िला	स्कूल जिनमें दिव्यांग बच्चे ने नामांकन किया	बालक कक्षा (1-8)	बालिका कक्षा (1-8)	कुल सीडब्ल्यूएसएन
अहमदाबाद	776	2174	1368	3542
अमरेली	486	1016	760	1776
आनन्द	770	2059	1452	3511
अरवली	576	871	592	1463
बनास कांठा	1075	2090	1393	3483
भरूच	507	775	585	1360
भावनगर	608	1499	1132	2631
बोटाड	204	562	446	1008
छोटाउदेपुर	524	946	762	1708
देवभूमि द्वारका	217	373	342	715
दाहोद	722	1339	1114	2453
गांधीनगर	406	950	578	1528
गिर सोमनाथ	423	1279	983	2262
जामनगर	392	691	450	1141
जूनागढ़	547	1219	865	2084
कच्छ	826	1474	1119	2593
खेड़ा	880	1707	1255	2962
मेहसाणा	678	1441	974	2415
महिसागर	671	1284	946	2230
मोरबी	359	718	502	1220
नर्मदा	400	735	588	1323
नवसारी	350	653	488	1141
पंच महल	827	1592	1203	2795
पाटन	519	998	647	1645
पोरबंदर	186	348	279	627
राजकोट	627	1283	930	2213
साबर कांठा	607	1051	775	1826
सूरत	714	1837	1337	3174
सुरेंद्रनगर	686	1819	1305	3124
तापी	431	636	494	1130
डांग	178	333	348	681
वडोदरा	821	2018	1432	3450
वलसाड	492	999	758	1757
कुल योग	**18485**	**38769**	**28202**	**66971**

2020-21 में आईई में जिलेवार प्रगति

क्रम सं.	जिला	चिन्हित सी डब्ल्यु एस एन की संख्या	केवल UDISE के अनुसार शालाओं में नामांकित सी डब्ल्यू एस एन की संख्या UDISE	एच बी ई द्वारा कवर सी डब्ल्यु एस एन की संख्या	सहायता और उपकरण प्राप्त सी डब्ल्यु एस एन की संख्या	संलग्न एन जी ओ की संख्या	सी डब्ल्यु एस एन के लिए पदस्थ आर पी की संख्या	अवरोध मुक्त शालाओं की संख्या (रैंप, हैंड रेल आदि)	अवरोध मुक्त शालाओं की संख्या (रैंप, हैंड रेल आदि) %	दिव्यांग सहायक शौचालय युक्त शालाओं की संख्या	दिव्यांग सहायक शौचालय युक्त शालाओं की संख्या %
1	अहमदाबाद	2068	2257	0	733	7	40	821	97.51	546	64.85
2	अमरेली	1784	1776	0	355	3	42	781	99.49	481	61.27
3	आनन्द	3511	3511	0	32	0	50	1040	99.33	472	45.08
4	अरवली	1463	1463	0	0	0	38	1242	97.64	240	18.87
5	बनास कांठा	3483	3483	0	144	30	39	2363	97.81	714	29.55
6	भरूच	2461	1360	0	294	5	18	930	98.83	360	38.26
7	भावनगर	2631	2631	0	0	9	57	1012	98.44	522	50.78
8	बोटाड	1008	1008	0	0	0	17	253	99.61	171	67.32
9	छोटाउदेपुर	2444	1708	0	0	0	11	1254	97.28	308	23.89
10	देवभूमि द्वारका	715	715	0	0	0	2	1640	250.38	770	117.56
11	दाहोद	2458	2453	0	0	2	52	378	21.8	216	12.46
12	गांधीनगर	1577	1528	0	484	5	35	643	100.63	332	51.96
13	गिर सोमनाथ	2262	2262	0	0	1	22	624	110.83	331	58.79
14	जामनगर	1537	1141	0	0	7	9	545	71.52	310	40.68
15	जूनागढ़	2084	2084	0	0	0	49	751	96.9	351	45.29
16	कच्छ	2594	2593	0	829	17	18	762	43.42	290	16.52
17	खेड़ा	2962	2962	0	45	3	58	1389	98.37	464	32.86
18	मेहसाणा	2486	2415	0	1290	3	47	1743	171.39	463	45.53
19	मह्सागर	2047	2230	0	0	0	33	1007	80.24	565	45.02
20	मोरबी	1220	1220	0	0	0	8	1227	205.53	258	43.22
21	नर्मदा	1323	1323	0	0	0	8	596	80.76	237	32.11
22	नवसारी	1141	1141	0	62	3	24	692	91.66	201	26.62
23	पंच महल	2795	2795	0	0	0	34	733	50.52	204	14.06
24	पाटन	1645	1645	0	651	0	26	1419	170.76	387	46.57
25	पोरबंदर	636	627	0	1	1	8	811	251.86	416	129.19
26	राजकोट	1847	1752	0	134	1	39	319	35.09	115	12.65
27	साबर कांठा	284	1826	0	0	2	60	901	70.89	461	36.27
28	सूरत	1950	1950	0	309	18	21	1224	120.24	409	40.18
29	सुरेंद्रनगर	3176	3124	0	488	3	43	979	107.46	420	46.1
30	तापी	1130	1130	0	0	0	15	899	104.9	492	57.41
31	डांग	704	681	0	107	0	2	796	201.52	255	64.56
32	वडोदरा	3046	3046	0	407	7	28	1066	99.63	394	36.82
33	वलसाड	87	1757	0	1	0	18	996	95.04	327	31.2
34	एएमसी	1285	1285	0	1187	6	59	375	100.27	97	25.94
35	आरएमसी	793	461	0	0	1	16	81	100	11	13.58
36	एसएमसी	1246	1224	0	103	1	18	326	97.31	17	5.07
37	वीएमसी	470	404	0	282	2	9	104	100	53	50.96
	कुल	66353	66971	0	7938	137	1,073	32722	97.65	12660	37.78

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, स्कूल बंद होने के कारण, ब्लॉक स्तर पर मूल्यांकन शिविर नहीं लगे, इसलिए दिव्यांग छात्रों को सहायता और उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए। केवल घरों तक सीमित सीडब्ल्यूएसएन को निरंतर सीखने में सहायता प्रदान करने के लिए, विशेष शिक्षकों ने बुनियादी चिकित्सीय अभ्यासों / गतिविधियों और शैक्षणिक विषयों पर छोटी अवधि के वीडियो बनाए हैं और इसे व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से सीडब्ल्यूएसएन के माता-पिता के साथ साझा किया है। सीडब्ल्यूएसएन छात्रों और उनके माता-पिता को परामर्श और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए MicroSoft Teams के माध्यम से वर्चुअल ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए। आंशिक लॉक डाउन के दौरान विशेष शिक्षकों ने सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए जरूरत के आधार पर घर का दौरा किया और सीडब्ल्यूएसएन को सहायता प्रदान की।

2020-21 में प्रदान की गई श्रेणी-वार और लिंग-वार सीडब्ल्यूएसएन छात्र सहायता सेवाएँ

वर्ग	सीडब्ल्यूएसएन को परिवहन			सीडब्ल्यूएसएन को थेरेपी सपोर्ट			सीडब्ल्यूएसएन की सर्जरी			सीडब्ल्यूएसएन को अनुरक्षण भत्ता			सीडब्ल्यूएसएन लड़कियों को छात्रवृत्ति
	B	G	To	B	G	To	B	G	To	B	G	To	G
अंधापण	63	50	113	55	60	115	1	1	2	0	0	0	270
कम दृष्टि	90	92	182	105	106	211	2	4	6	0	0	0	481
श्रवण बाधित	360	327	687	226	218	444	6	3	9	0	0	0	908
भाषण और भाषा विकलांगता	84	65	149	86	76	162	0	2	2	0	0	0	159
लोकोमोटर विकलांगता	474	481	955	570	613	1183	6	4	10	0	0	0	1446
मानसिक बिमारी	215	187	402	80	49	129	0	0	0	0	0	0	377
विशिष्ट सीखने की अक्षमता	64	51	73	112	80	192	0	0	0	0	0	0	273
मस्तिष्क पक्षाघात	252	186	438	279	214	493	1	0	1	0	0	0	501
ओटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर	1	1	2	5	5	10	0	0	0	0	0	0	24
एकाधिक विकलांगता	127	119	246	216	215	431	1	1	2	0	0	0	616
कुष्ठ रोग से ठीक व्यक्ति	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15
बौनापन	1	1	2	8	14	22	0	0	0	0	0	0	29
बौद्धिक विकलांगता	513	416	929	566	534	1100	0	0	0	0	0	0	2916
मांसपेशीय दुर्विकास	1	3	1	21	22	43	0	0	0	0	0	0	62
पुरानी न्यूरोलॉजिकल स्थितियां	1	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	18
मल्टीपल स्क्लेरोसिस	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	9
थैलेसीमिया	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	25
हीमोफीलिया	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4
सिकल सेल रोग	6	7	13	2	4	6	0	0	0	0	0	0	29
एसिड अटैक की शिकार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15
पार्किंसंस रोग	0	0	0	0	0	0	0	0	8	0	0	0	585
कुल	**2253**	**1988**	**4194**	**2331**	**2210**	**4541**	**17**	**15**	**40**	**0**	**0**	**0**	**8762**

कोविड -19 महामारी की स्थिति के कारण, गुजरात राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के आदेशों का पालन करते हुए ब्लॉक और क्लस्टर स्तर पर सभी स्कूलों, संसाधन कक्षों को बंद कर दिया। लेकिन सीडब्ल्यूएसएन को निरंतर सीखने और अन्य सहायता प्रदान करने के लिए, समग्र शिक्षा, गुजरात ने निरंतर प्रयास जारी रखा

वर्चुअल सत्र-

मनोवैज्ञानिक सहायता और परामर्श, बुनियादी चिकित्सीय और शैक्षणिक सत्र आदि जैसी कई पहल व्हाट्सएप और एमएस टीम के माध्यम से उन सीडब्ल्यूएसएन के लिए जिनके पास इंटरनेट सुविधा के साथ स्मार्ट फोन हैं और शेष बिना किसी उपकरण के समर्थन वाले सीडब्ल्यूएसएन के लिए विशेष शिक्षकों ने साप्ताहिक घर का दौरा किया (पाक्षिक एक बार) और सीडब्ल्यूएसएन एवं उनके माता-पिता से संपर्क किया। पिछले 2 से 3 महीनों के दौरान ही पात्र सीडब्ल्यूएसएन को उपरोक्त सेवाएं प्रदान की गई थीं क्योंकि संसाधन कक्ष फिर से खोल दिए गए थे और कोविड दिशानिर्देशों का पालन करते हुए चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की जा रही थी।

केजीबीवी में नामांकित विशेष आवश्यकता वाली बालिकाओं की जानकारी (2020-21)

क्रमांक	जिले का नाम	केजीबीवी में नामांकित सीडब्ल्यूएसएन लड़कियों की संख्या	विकलांगता की श्रेणी
1	अहमदाबाद	2	सभी 21 विकलांग
2	अमरेली	2	
3	अरवली	1	
4	बनासकांठा	11	
5	भावनगर	4	
6	बोटाड	0	
7	छोटा उदयपुर	7	
8	दाहोद	2	
9	देवभूमि द्वारका	2	
10	गिर सोमनाथ	0	
11	जूनागढ़	0	
12	कच्छ	2	
13	महिसागर	8	
14	मेहसाणा	0	
15	मोरबी	1	
16	नर्मदा	1	
17	पंचमहल	7	
18	पाटन	5	
19	राजकोट	1	
20	साबरकांठा	0	
21	सूरत	2	
22	सुरेंद्रनगर	3	
23	तापी	4	
24	वलसाड	11	
	कुल योग	76	

प्रारंभिक स्तर पर विशेष शिक्षक

क्रमांक	ज़िला	ब्लाकों	प्राथमिक में आरपी	प्रारंभिक स्तर पर विशेष शिक्षक	संविदात्मक		नियमित		कुल
					स्थिति में	खाली	स्थिति में	खाली	
1	अहमदाबाद	67	0	40	40	0	0	0	40
2	अमरेली	88	0	42	42	0	0	0	42
3	आनन्द	100	0	50	50	9	0	0	50
4	अरवली	109	0	38	38	66	0	0	38
5	बनासकांठा	25	0	39	39	135	0	0	39
6	भरूच	90	0	18	18	42	0	0	18
7	भावनगर	76	0	57	57	0	0	0	57
8	बोटाड	102	0	17	17	1	0	0	17
9	छोटाउदेपुर	18	0	11	11	63	0	0	11
10	देवभूमि द्वारका	66	0	2	2	40	0	0	2
11	दाहोद	26	0	52	52	45	0	0	52
12	गांधीनगर	107	0	35	35	2	0	0	35
13	गिर सोमनाथ	128	0	22	22	26	0	0	22
14	जामनगर	72	0	9	9	51	0	0	9
15	जूनागढ़	124	0	49	49	0	0	0	49
16	कच्छ	44	0	18	18	112	0	0	18
17	खेड़ा	36	0	58	58	3	0	0	58
18	मेहसाणा	35	0	47	47	1	0	0	47
19	महिसागर	57	0	33	33	30	0	0	33
20	मोरबी	106	0	8	8	39	0	0	8
21	नर्मदा	67	0	8	8	59	0	0	8
22	नवसारी	56	0	24	24	37	0	0	24
23	पंच महल	80	0	34	34	57	0	0	34
24	पाटन	159	0	26	26	14	0	0	26
25	पोरबंदर	101	0	8	8	26	0	0	8
26	राजकोट	71	0	39	39	52	0	0	39
27	साबरकांठा	90	0	60	60	21	0	0	60
28	सूरत	68	0	21	21	55	0	0	21
29	सुरेंद्रनगर	124	0	43	43	0	0	0	43
30	तापी	66	0	15	15	54	0	0	15
31	डांग	67	0	2	2	24	0	0	2
32	वडोदरा	100	0	28	28	30	0	0	28
33	वलसाड	119	0	18	18	30	0	0	18
34	एएमसी	93	0	59	59	0	0	0	59
35	आरएमसी	102	0	16	16	0	0	0	16
36	एसएमसी	180	0	18	18	20	0	0	18
37	वीएमसी	228	0	9	9	0	0	0	9
	कुल	**3247**	0	**1,073**	**1,073**	**1144**	0	0	**1,073**

१.१ माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर समावेशी शिक्षा:

UDISE + 2019-20 के अनुसार सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले जिलेवारसीडब्ल्यूएसएन छात्र

क्रमांक	जिले का नाम	सीडब्ल्यूएसएन
1	अहमदाबाद	953
2	अमरेली	306
3	आनन्द	607
4	अरवली	139
5	बनासकांठा	474
6	भरूच	210
7	भावनगर	398
8	बोटाड	75
9	छोटाउदेपुर	107
10	देवभूमि द्वारका	88
11	दाहोद	258
12	गांधीनगर	430
13	गिर सोमनाथ	190
14	जामनगर	139
15	जूनागढ़	355
16	कच्छ	360
17	खेड़ा	604
18	मेहसाणा	648
19	महिसागर	395
20	मोरबी	123
21	नर्मदा	77
22	नवसारी	295
23	पंच महल	414
24	पाटन	261
25	पोरबंदर	66
26	राजकोट	212
27	साबरकांठा	285
28	सूरत	261
29	सुरेंद्रनगर	367
30	तापी	102
31	डांग	47
32	वडोदरा	153
33	वलसाड	139
34	एएमसी	557
35	आरएमसी	73
36	एसएमसी	195
37	वीएमसी	217
	कुल	10580

माध्यमिक स्तर पर केजीबीवी (2020-21) में नामांकित दिव्यांग बालिकाए :

क्रमांक	जिले का नाम	केजीबीवी में नामांकित सीडब्ल्यूएसएन बालिकाओं की संख्या	दिव्यांग श्रेणी
1	अहमदाबाद	2	सभी 21 विकलांग
2	अमरेली	0	
3	अरवली	1	
4	बनासकांठा	6	
5	भावनगर	1	
6	बोटाड	0	
7	छोटा उदयपुर	0	
8	दाहोद	3	
9	देवभूमि द्वारका	3	
10	गिर सोमनाथ	1	
11	जूनागढ़	0	
12	कच्छ	1	
13	महिसागर	3	
14	मेहसाणा	2	
15	मोरबी	1	
16	नर्मदा	0	
17	पंचमहल	8	
18	पाटन	5	
19	राजकोट	1	
20	साबरकांठा	0	
21	सूरत	0	
22	सुरेंद्रनगर	4	
23	तापी	2	
24	वलसाड	0	
	कुल योग	44	

2020-21 में प्रदान की गई सीडब्ल्यूएसएन छात्र सहायता सेवाएं

क्र.	वर्ग	सीडब्ल्यूएसएन को परिवहन			CWSN को थेरेपी सपोर्ट			सीडब्ल्यूएसएन की सर्जरी			सीडब्ल्यूएसएन को अनुरक्षण भत्ता			सीडब्ल्यूएसएन को छात्रवृत्ति
		B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	G
1	अंधापन	200	141	341	19	27	46	0	0	0	185	116	301	330
2	कम दृष्टि	254	170	415	11	20	31	0	0	0	64	35	99	387
3	श्रवण बाधित	308	244	545	70	64	134	0	0	0	124	54	178	414
4	भाषण और भाषा विकलांगता	30	27	57	3	4	7	0	0	0	6	6	12	52
5	लोकोमोटर विकलांगता	606	306	891	87	93	180	1	1	2	170	83	253	732
6	मानसिक बिमारी	73	2	75	10	8	18	0	0	0	28	3	31	4
7	विशिष्ट सीखने की अक्षमता	60	32	92	2	2	4	0	0	0	23	10	33	82
8	मस्तिष्क पक्षाघात	125	24	147	26	29	55	0	0	0	77	33	105	87
9	ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर	1	0	0	1	2	3	0	0	0	0	0	0	27
10	एकाधिक विकलांगता	32	18	48	20	16	36	0	0	0	17	5	22	29
11	कुष्ठ रोग से ठीक हुए व्यक्ति	5	1	6	4	6	10	0	0	0	3	1	4	1
12	बौनापन	7	6	13	0	1	1	0	0	0	3	1	4	9
13	बौद्धिक विकलांगता	1221	521	1731	80	67	147	0	0	0	266	147	413	1046
14	मांसपेशीय दुर्विकास	10	2	12	2	2	4	0	0	0	3	0	3	2
15	पुरानी न्यूरोलॉजिकल स्थितियां	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
16	मल्टीपल स्क्लेरोसिस	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5
17	थैलेसीमिया	4	3	7	0	0	0	0	0	0	3	0	3	6
18	हीमोफीलिया	3	0	3	0	0	0	0	0	0	17	12	29	1
19	सिकल सेल रोग	6	10	16	0	1	1	0	0	0	2	2	4	14
20	एसिड अटैक की शिकार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
21	पार्किंसंस रोग	11	9	20	0	0	0	0	0	0	4	0	4	33

जिलेवार और लिंगवार सीडब्ल्यूएसएन छात्र

ज़िला	स्कूलों	बालक कक्षा (9-12)	बालिका कक्षा (9-12)	कुल सीडब्ल्यूएसएन
अहमदाबाद	143	930	580	1510
अमरेली	73	187	119	306
आनन्द	140	392	215	607
अरवली	50	88	51	139
बनासकांठा	134	339	135	474
भरूच	81	125	85	210
भावनगर	83	243	155	398
बोटाड	25	47	28	75
छोटाउदेपुर	28	54	53	107
देवभूमि द्वारका	27	48	40	88
दाहोद	73	159	99	258
गांधीनगर	79	287	143	430
गिर सोमनाथ	50	109	81	190
जामनगर	45	83	56	139
जूनागढ़	99	224	131	355
कच्छ	88	237	123	360
खेड़ा	158	382	222	604
मेहसाणा	157	447	201	648
महिसागर	109	232	163	395
मोरबी	45	67	56	123
नर्मदा	38	47	30	77
नवसारी	50	167	128	295
पंच महल	107	277	137	414
पाटन	91	186	75	261
पोरबंदर	19	41	25	66
राजकोट	82	161	124	285
साबरकांठा	115	178	107	285
सूरत	95	264	192	456
सुरेंद्रनगर	101	212	155	367
तापी	29	54	48	102
डांग	15	26	21	47
वडोदरा	83	225	145	370
वलसाड	36	74	65	139
कुल योग	2548	6592	3988	10580

माध्यमिक स्तर पर विशेष शिक्षक

क्रमांक	जिला	ब्लाक	माध्यमिक स्तर पर विशेष शिक्षक	नियमित		कुल
				पदस्थ	रिक्त	
1	अहमदाबाद	10	48	48	0	48
2	अमरेली	11	40	40	0	40
3	आनन्द	8	53	53	0	53
4	अरवली	6	16	16	0	16
5	बनासकांठा	14	55	55	0	55
6	भरूच	9	21	21	0	21
7	भावनगर	10	56	56	0	56
8	बोटाड	4	9	9	0	9
9	छोटाउदेपुर	6	10	10	0	10
10	देवभूमि द्वारका	4	3	3	0	3
11	दाहोद	9	63	63	0	63
12	गांधीनगर	4	30	30	0	30
13	गिर सोमनाथ	6	10	10	0	10
14	जामनगर	6	12	12	0	12
15	जूनागढ़	10	42	42	0	42
16	कच्छ	10	49	49	0	49
17	खेड़ा	10	68	68	0	68
18	मेहसाणा	10	55	55	0	55
19	महिसागर	6	44	44	0	44
20	मोरबी	5	11	11	0	11
21	नर्मदा	5	0	0	0	0
22	नवसारी	6	7	7	0	7
23	पंच महल	7	34	34	0	34
24	पाटन	9	34	34	0	34
25	पोरबंदर	3	2	2	0	2
26	राजकोट	11	11	11	0	11
27	साबर कांठा	8	47	47	0	47
28	सूरत	9	16	16	0	16
29	सुरेंद्रनगर	10	64	64	0	64
30	तापी	7	0	0	0	0
31	डांग	3	11	11	0	11
32	वडोदरा	8	7	7	0	7
33	वलसाड	6	6	6	0	6
34	एएमसी	1	72	72	0	72
35	आरएमसी	1	11	11	0	11
36	एसएमसी	1	7	7	0	7
37	बीएमसी	1	9	9	0	9
	कुल	254	1033	1033	0	1033

2020-21 में प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तरों पर लागू की गई पहल:

क्लस्टर स्तर पर इन-स्कूल रिसोर्स रूम (इन-एसआरआर) का विकास-

1. **संक्षिप्त विवरण:**

संसाधन कक्ष एक कक्षा है जहां एकदिव्यांग और सीखने की कठिनाई वाले छात्र को विशेष शिक्षा का आयोजन किया जाता है। यह उन छात्रों के लिए है जो एक नियमित कक्षा से संबंधित हैं, लेकिन दिन के एक हिस्से के लिए एक व्यक्तिगत या छोटे समूह को कुछ विशेष निर्देशों की आवश्यकता होती है। इस कार्यक्रम में उपचारात्मक, प्रतिपूरक और विकासात्मक निर्देश शामिल हैं, जो छोटे समूहों में आमतौर पर प्रति सप्ताह तीन से पांच या अधिक घंटे के लिए और जब भी आवश्यक हो, प्रदान किया जाता है। शिक्षण वातावरण को समायोजित करके या शिक्षण विधियों को संशोधित करके सेवाकालीन शिक्षक के साथ परामर्श के माध्यम से शैक्षणिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

2. उद्देश्य:

- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश के समान अवसर प्रदान करना
- प्रभावी समावेशन के लिए अनुकूल शिक्षा सुविधाओं का निर्माण करके विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा को बनाए रखने और पूरा करने की सुविधा प्रदान करना
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सक्षम बनाने के लिए स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने के लिए आवश्यक दैनिक जीवन की गतिविधियों की सीखें
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और दिव्यांगों को एक-दूसरे से सीखने में सक्षम बनाना और उन्हें सामाजिक रूप से जिम्मेदार वयस्क बनने में सक्षम बनाना जिससे वे समावेशी समुदायों में योगदान दे सकें।

3. प्रगति:

पीएबी 2020-21 के अनुसार, क्लस्टर स्तर पर 500 इन-स्कूल रिसोर्स रूम के लिए बजट स्वीकृत किया गया था। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, इन 500 समूहों में से प्रत्येक में एक अलग कमरे वाले स्कूल को संबंधित विशेष शिक्षक, टीआरपी, और स्कूल हेडमास्टर / प्रिंसिपल द्वारा इन-एसआरआर स्थापित करने के लिए चुना गया था। 80% चयनित क्लस्टरों में नवीनीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और शेष क्लस्टरों में कार्य प्रगति पर है। इन-एसआरआर विकलांगता-वार शिक्षण प्रशिक्षण सामग्री (टीएलएम), आईसीटी उपकरण जैसे डेस्कटॉप, प्रिंटर, पेन ड्राइव आदि, स्टेशनरी सामग्री, संगीत और खेल उपकरण आदि से लैस हैं।

चयनित स्कूलों में संसाधन कक्ष स्थापित करने के अलावा, पूरे स्कूल को एक समावेशी स्कूल में तब्दील किया जा रहा है, जहां बुनियादी सुविधाएं जैसे रैंप, रेलिंग, सीडब्ल्यूएसएन अनुकूल शौचालय और पीने के पानी की सुविधा, साइनेज आदि आसानी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। ये स्कूल अब क्लस्टर के एक मॉडल समावेशी स्कूल के रूप में कार्य करते हैं जहां विशेष शिक्षक और चिकित्सक समय सारिणी के अनुसार आते हैं और क्लस्टर के भीतर सभी सीडब्ल्यूएसएन के लिए चिकित्सीय और उपचारात्मक सहायता प्रदान करते हैं।

दिव्यान एप्लिकेशन और वेब-डैशबोर्ड:

1. संक्षिप्त परिचय:

यह जिला समन्वयकों, विशेष शिक्षक (एसई) द्वारा क्लस्टर और स्कूल स्तर पर उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्राप्त परिणामों की निगरानी के लिए जियो-टैगिंग सुविधा के साथ एक निगरानी अनुप्रयोग है। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक विशेष शिक्षक को एक टैबलेट दिया गया है जिसके माध्यम से टूर-डायरी नामक समय सारिणी के अनुसार स्कूलों, संसाधन कक्षों और सीडब्ल्यूएसएन के घर में उनके दौरे को ट्रैक किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से, एसई सीडब्ल्यूएसएन से संबंधित रीयल टाइम डेटा को एक्सेस, मॉनिटर और कैप्चर करते हैं। एकत्र किए गए डेटा को एक स्थान पर व्यवस्थित किया जा रहा है और राज्य, जिला, क्लस्टर स्तरों पर बेहतर योजना और निर्णय लेने के लिए रिपोर्ट और डैशबोर्ड तैयार किया जा रहा है।

2. विशेषताएं:

ऐप में तीन मॉड्यूल शामिल हैं- 1) सूचना 2) निगरानी और 3) आईईपी

निम्नलिखित विशेषताओं के साथ:

- सीडब्ल्यूएसएन का स्कूल-वार और विकलांगता-वार नामांकन और उपस्थिति
- विकलांगता-वार चिकित्सा और यूडीआईडी प्रमाणन स्थिति
- ऐड्स और उपकरणों की स्थिति
- सीडब्ल्यूएसएन को लाभों के आवंटन की स्थिति (जैसे बालिकाओं को छात्रवृत्ति, परिवहन और अनुरक्षण भत्ता, आदि)
- व्यक्तिगत शिक्षा योजना और सीडब्ल्यूएसएन द्वारा सीखने के परिणामों की उपलब्धि पर प्रगति
- ज्ञान भण्डार के माध्यम से विशेष शिक्षकों का क्षमता निर्माण
- समावेशी स्कूल के बुनियादी ढांचे का विवरण
- संसाधन कक्ष, चिकित्सक का दौरा, सीडब्ल्यूएसएन की उपस्थिति और इन्वेंटरी चेकलिस्ट
- परिपत्र और सूचनाएं

एसई के स्कूल, क्लासरूम, रिसोर्स रूम और होम विजिट ऑब्जर्वेशन फॉर्म

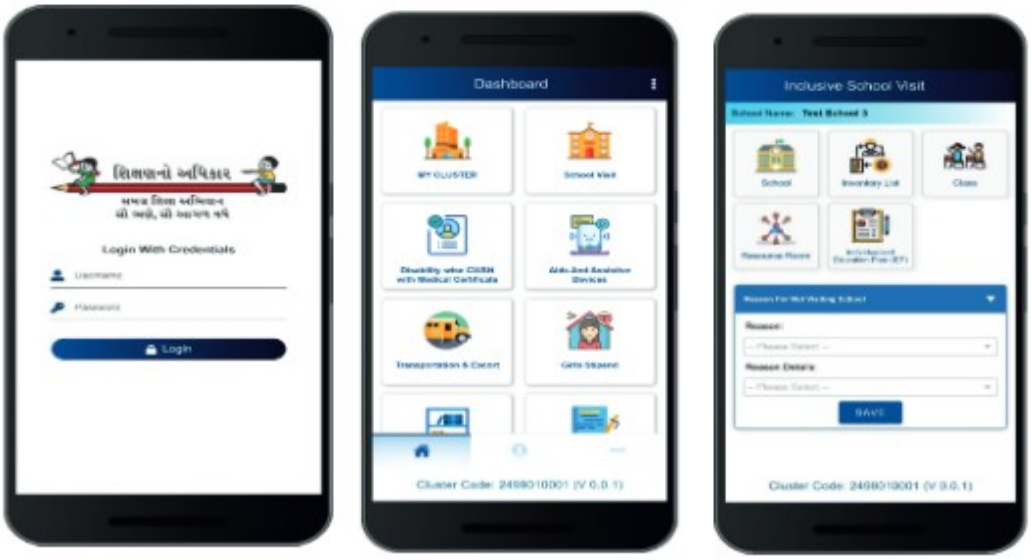

3. प्रगति:

ऐप और वेब-डैशबोर्ड को क्षेत्र में रोल-आउट किया गया है और तदनुसार विशेष शिक्षकों, और जिला समन्वयकों को इसके उपयोग से परिचित होने तक कई बार उन्मुख किया गया था। गुजराती में ओरिएंटेशन वीडियो और उपयोगकर्ता मैनुअल संदर्भ के लिए उपयोगकर्ताओं के साथ साझा किए गए थे। स्कूल बंद होने के दौरान, एसई ने ऐप में सीडब्ल्यूएसएन से संबंधित डेटा दर्ज करने में समय का उपयोग किया और डेटा को क्रॉस-सत्यापित किया जो पहले से ही आधार डीआईएसई, उपस्थिति पोर्टल आदि जैसे अन्य स्रोतों से प्राप्त किया गया था और ऐप में दर्शाया गया था। एसई से समय-समय पर ईमेल या व्हाट्सएप ग्रुप या कॉल के माध्यम से फीडबैक एकत्र किया गया और संबंधित टीम के सदस्यों के समर्थन से उन्हें संबोधित किया गया।

एक बार जब स्कूल फिर से खुल जाते हैं तो समावेशी शिक्षा से संबंधित आईईपी, प्रावधानों आदि जैसी सभी गतिविधियों की निगरानी और प्रगति पर नज़र रखने के लिए ऐप का पूरी तरह से उपयोग किया जाएगा।

CHETNA मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से समावेशी शिक्षा पर सेवारत शिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण

1. संक्षिप्त परिचय:

चेतना, गुजरात राज्य से अपनी तरह का पहला अभिनव कार्यक्रम है। यह भारत का पहला राज्य है जिसने स्थानीय भाषा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) पर एक शिक्षण कार्यक्रम विकसित किया है। यह विशेष आवश्यकता और समावेशन वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए परस्पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए एक अभिनव शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसमें लघु वीडियो आधारित सत्र, समृद्ध पाठ्यक्रम सामग्री, केस स्टडी और आकलन शामिल हैं। सामग्री विश्व स्तरीय विषय विशेषज्ञों द्वारा विशेष आवश्यकता शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक अनुभव के साथ प्रदान की जाती है। यह पहला कार्यक्रम है जिसने स्थानीय भाषा में 21 विकलांगों पर ध्यान केंद्रित किया है, इसके यूनिकोड के कारण सामग्री का किसी भी भारतीय भाषा में अनुवाद किया जा सकता है। शिक्षाशास्त्र में सीखने के उच्चतम स्तर के लिए नवीनतम शिक्षण संकेत और दूरस्थ शिक्षण सिद्धांत लागू होते हैं।

कार्यक्रम की सामग्री को नीचे संक्षेप में 3 मॉड्यूल में विभाजित किया जा रहा है:

- 101-बेसिक: भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा सूचीबद्ध 21 विकलांगों की बुनियादी जागरूकता।
- 201-प्रभावी शिक्षक: इस मॉड्यूल में मनोवृत्ति, कौशल, बाल विकास, चिकित्सा, पोषण और आहार जैसे विषयों को शामिल किया गया है।
- 301-उन्नत: यह मॉड्यूल बाल लक्षणों, प्रारंभिक हस्तक्षेप, स्कूल और कक्षा की तैयारी पर केंद्रित है।
- उपरोक्त के अलावा इसमें विशेषज्ञ साक्षात्कार, केस स्टडी, पठन संसाधन, महत्वपूर्ण वेबसाइटें भी शामिल हैं

2. उद्देश्य:

व्यावहारिक उपकरणों, तकनीकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखकर सीडब्ल्यूएसएन में शामिल करने के लिए सभी विशेष शिक्षकों और सेवाकालीन शिक्षकों की क्षमता को जागरूक और निर्माण करना।

3. प्रगति:

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, सभी 1.9 लाख सेवारत शिक्षकों ने 90 दिनों की अवधि में ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

विशेष आवश्यकता वाले मेधावी बच्चों के लिए नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र (सीडब्ल्यूएसएन)

पीएबी 2020-21 के स्वीकृत बजट के अनुसार 2000 रुपये की राशि सीधे कक्षा 10 और कक्षा 12 सीडब्ल्यूएसएन छात्रों जिन्होंने अंतिम बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया है, के खाते में स्थानांतरित कर दी गई, । कुल 1912 सीडब्ल्यूएसएन छात्रों को नकद पुरस्कार से

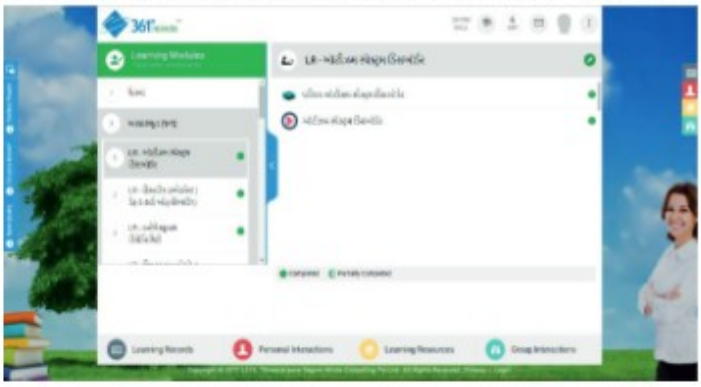

सम्मानित किया गया, जिनमें से कक्षा 10 से 807, कक्षा 12 सामान्य वर्ग से 1085 सीडब्ल्यूएसएन और विज्ञान स्ट्रीम से 20 सीडब्ल्यूएसएन छात्रों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सीडब्ल्यूएसएन छात्रों और उनके माता-पिता, शिक्षकों ने आभार व्यक्त किया। सेवाकालीन शिक्षकों और विशेष शिक्षकों ने इसे एक अच्छी पहल के रूप में सराहा जो अन्य सीडब्ल्यूएसएन छात्रों को उनके शिक्षाविदों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेगी।

विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस:

विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस यानी 3 दिसंबर 2020 के अवसर पर, गुजरात काउंसिल ऑफ स्कूल एजुकेशन, समग्र शिक्षा, गांधीनगर ने कमांड कंट्रोल सेंटर (CCC) में एक ऑनलाइन लाइव इवेंट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में माननीय शिक्षा मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह चुडासमा, माननीय शिक्षा सचिव, डॉ विनोद राव आईएएस, और माननीय राज्य परियोजना निदेशक, सुश्री पी. भारती आईएएस ने गांधीनगर जिले के कलोल ब्लॉक नारदीपुर क्लस्टर में रिसोर्स रूम के साथ समावेशी स्कूल का उद्घाटन (आभासी) किया और समावेशी स्कूल दिशानिर्देशों के बाद कक्षा 10 और 12 के सीडब्ल्यूएसएन उत्तीर्ण छात्रों का सम्मान किया गया।

विश्व ब्रेल दिवस:

समग्र शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग, गुजरात ने 4 जनवरी 21 को राज्य भ में जिला स्तर पर विश्व ब्रेल दिवस मनाया गया। इस दिन को दृष्टि दिव्यांगों के लिए ब्रेल के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के रूप में आयोजित किया जाता है।

समारोह के एक भाग के रूप में, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (IE-CwSN) फील्ड स्टाफ यानी जिला समन्वयकों और विशेष शिक्षकों ने सभी हितधारकों - पूरी तरह से नेत्रहीन और आंशिक रूप से दृष्टिहीन CwSN और उनके माता-पिता के साथ

Microsoft टीम के माध्यम से वर्चुअल ऑनलाइन सत्र आयोजित किए। आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 और नई शिक्षा नीति 2020 में उल्लिखित शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश में ब्रेल के महत्व के बारे में एसएमसी सदस्यों, सेवाकालीन शिक्षकों आदि को जागरूक किया गया।

जिले के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण - समन्वयक और विशेष शिक्षक

समग्र शिक्षा, गुजरात ने माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से फील्ड स्टाफ के लिए नीचे दिए गए विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बीएम इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, अहमदाबाद के साथ सहयोग किया है।

उद्देश्य - प्रशिक्षण के बारे में पता करने के लिए है की महामारी की स्थिति में कैसे साज संभाल की जाए और उससे आगे CwSN और उनके माता पिता के लिए शैक्षणिक और चिकित्सीय सहायता प्रदान करने पर फील्ड कर्मचारियों का क्षमता का निर्माण। सत्र इंटरैक्टिव हैऔर सभी 2078 विशेष शिक्षकों (IEDS + IEDSS) और जिला समन्वयक के लिए रूचिप्रद बनाने के लिए (37) छोटे समूहों में विभाजित किया गया और 24अगस्त - 25 सितम्बर 2020 के बीच प्रत्येक 16 घंटे की समूह अवधि के दौरान प्रति दिन 4 घंटे के प्रशिक्षण के सत्र लिए गए, प्रत्येक विषय के एक पहले और बाद में प्री और पोस्ट टेस्ट भी लिया गया।

16 घंटे के प्रशिक्षण के सफल समापन पर प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है।

विषय 1	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए ऑनलाइन शिक्षण - मुद्दे और उसका प्रबंधन
विषय 2	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और किशोरों के लिए स्व-देखभाल और स्वच्छता
विषय 3	समस्या व्यवहार का गृह प्रबंधन
विषय 4	विशेष योग्यता वाले बच्चों के लिए पूर्व-व्यावसायिक प्रशिक्षण

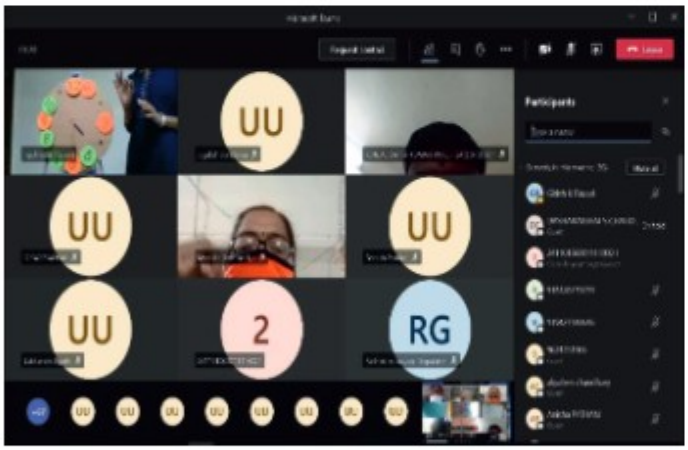

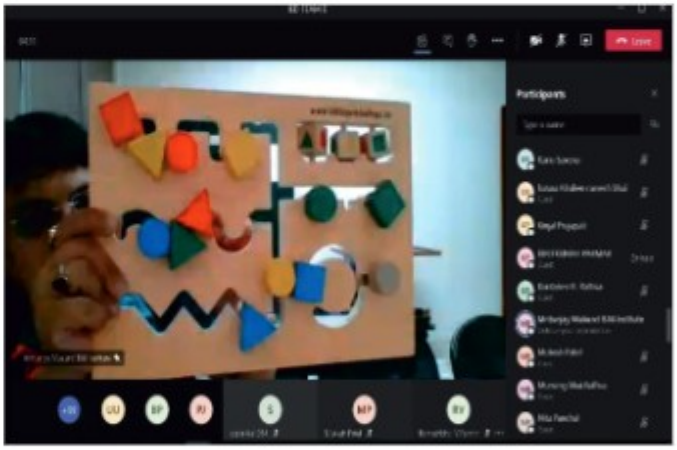

डिजिटल अभिगम्यता पर उन्मुखीकरण

कंसोर्टियम ऑफ इनक्लूसिव एजुकेशन (CIE) ने बुकशेयर के समर्थन से GSEB नें कक्षा 1 से 12 तक की सभी गुजराती माध्यम की किताबों को डिजिटल कर दिया है, जिसका उद्देश्य दृष्टिबाधित और प्रिंट दिव्यांगता वाले बच्चों तक पहुंच प्रदान करना है। इस संबंध में 17 व 18 अगस्त,20 को सभी जिला समन्वयकों (37) के साथ 2 दिवसीय ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। वडोदरा में एक पांच दिवसीय (22-26 फरवरी'20) आवासीय टीओटी कार्यशाला का आयोजन और सीआईई द्वारा सुगम्यता प्रदान की गई जिसमें कुल 15 VI विशेष विशेष शिक्षकों ने भाग लिया। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान प्रतिभागियों को स्मार्ट फोन और कंप्यूटर के माध्यम से बुकशेयर ऑनलाइन लाइब्रेरी तक पहुंचने की प्रक्रिया पर उन्मुख किया गया।

वेबिनार

18 जुलाई'20 को, सभी IE-CwSN फील्ड स्टाफ के साथ "कोविड -19 के दौरान CwSN की पहचान और परामर्श" पर एक लाइव वेबिनार आयोजित किया गया था। वेबिनार को एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा सुगम बनाया गया, जिसमें सत्रों में आटिज्म, विशेष बालिका के दृष्टिकोण, कोविड -19 के दौरान सीडब्ल्यूएसएन के लिए पहचान और मनोवैज्ञानिक समर्थन, बधिर और HI बच्चों के साथ संवाद करने के तरीके के बारे में बात की गई। एक सांकेतिक भाषा दुभाषिया के माध्यम से सत्रों को समावेशी बनाया गया।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए थेरेपिस्ट का पैनल बनाना

स्कूलों और इन-स्कूल संसाधन कक्षों में आवश्यकता आधारित या कॉल-आधारित यात्राओं पर सीडब्ल्यूएसएन के लिए चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सकों के पैनल का एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इसके जवाब में, फिजियो, व्यावसायिक, भाषण और भाषा, मनोविज्ञान और ब्रेल विशेषज्ञ के पदों के लिए कुल 500+ आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 95% आवेदन मनोविज्ञान आधारित पदों के लिए थे, जो विषय विशेषज्ञों कीऔर योग्य पेशेवरों की भरी कमी को दर्शाता है। राज्य स्तर पर प्राप्त आवेदनों को संबंधित जिलों के साथ साझा किया गया था और इच्छुक चिकित्सकों को क्लस्टर स्तर के इन-स्कूल रिसोर्स रूम में मैप किया गया था और बाकी जिलों में कोविड की स्थिति के कारण मैपिंग को रोक दिया गया था।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए डिजिटल सामग्री निर्माण

होम लर्निंग पहल के तहत, समग्र शिक्षा बीएम इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, अहमदाबाद के सहयोग से सीडब्ल्यूएसएन और उनके माता-पिता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए डिजिटल सामग्री तैयार की जा रही है। बनाई गई सामग्री, प्रारंभिक पहचान, उपचार के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण जैसे चिकित्सा और चिकित्सीय, जीवन कौशल और सीडब्ल्यूएसएन के लिए पूर्व-व्यावसायिक कौशल आदि विषयों से सम्बंधित है । अब तक 23 में से 12 वीडियो रिकॉर्ड किए जा चुके हैं और बाकी टॉपिक की वीडियो रिकॉर्डिंग का काम प्रगति पर है। पूरा होने पर, उन्हें सभी हितधारकों और लाभार्थियों के ज्ञान निर्माण के लिए दीक्षा, यू ट्यूब और अन्य प्लेटफार्मों पर अपलोड किया जाएगा।

ग्रंथालय कार्यक्रम

ग्रंथालय पहल छात्रों के लिए डिजिटल/प्रिंट तैयार साहित्य तैयार करता है, जो प्रासंगिक, समावेशी और छात्रों की संस्कृति का प्रतिनिधि है। इस कार्यक्रम के तहत जिला समन्वयकों और विशेष शिक्षकों को समावेशी शिक्षा और विकलांगता के महत्व पर बल देते हुए सीडब्ल्यूएसएन केंद्रित लघु नैतिक/वास्तविक कहानियां, लोककथाएं, कविताएं आदि प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। कार्यक्रम को प्रतिभागियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिसके परिणामस्वरूप 216 प्रविष्टियां जमा की गईं, जिन्हें आगे विशेषज्ञ समिति द्वारा क्यूरेट किया जाएगा। अच्छा साहित्य और सार्थक कहानियाँ लघुकथाओं को पुस्तकों के रूप में प्रकाशित किया जायेगा जिन्हें बाद में स्कूल पुस्तकालयों में वितरित किया जाएगा।

कोविड 19 महामारी के समय में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सीखने की निरंतरता

कोविड 19 महामारी की व्यापक रोकथाम के लिए मार्च 2020 में स्कूलों को बंद करने के साथ, बच्चे अब घर तक ही सीमित हैं और उन्हें माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा सक्रिय रूप से समर्थन देने की आवश्यकता है। निरंतर सीखने के इनपुट की आवश्यकता है, जो सभी छात्रों के पास है, किन्तु सीडब्ल्यूएसएन की आवश्यकताएँ अलग हैं जैसे चिकित्सा सहायता, अतिरिक्त पाठ्यचर्या क्षेत्रों को सीखने की आवश्यकता (जैसे VI वाले छात्रों के लिए ब्रेल और HI वाले बच्चों के लिए सांकेतिक भाषा), और दैनिक जीवन की गतिविधियाँ स्वतंत्र रूप से सीखने के लिए इनपुट भी । यहां यह बताना महत्वपूर्ण है कि माता-पिता, हालांकि एक स्तर पर बच्चों के निरंतर विकास और भलाई के लिए बहुत सारे इनपुट प्रदान करते हैं, फिर भी उन्हें अपने बच्चों के सीखने और विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए अधिक मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इसलिए, सभी बच्चों के लिए पहले से विकसित सामग्री के साथ, सीडब्ल्यूएसएन के माता-पिता को अपने बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त इनपुट प्रदान करने की आवश्यकता है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए गुजरात सरकार द्वारा निम्नलिखित पहल की गई हैं:

विशेष आवश्यकता वाले छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए, विशेष शिक्षकों ने विभिन्न अवधारणाओं पर लघु वीडियो बनाने की पहल की, जैसे कि घर पर छात्रों का अभिविन्यास और गतिशीलता सुनिश्चित करना, एडीएल गतिविधियाँ, विभिन्न पाठ्यचर्या, विषयों को सीखना, कला गतिविधियाँ, चिकित्सा गतिविधियाँ आदि। लघु वीडियो माता-पिता के साथ साझा किए गए हैं ताकि उन्हें यह जानकारी मिल सके कि वे अपने बच्चों के निरंतर विकास और सीखने में कैसे सहायता कर सकते हैं। पूरे शैक्षणिक सत्र में कुल लगभग 2500+ वीडियो बनाए गए और छात्रों के साथ साझा किए गए। इसके साथ ही, विशेष शिक्षकों ने भी जानकारी प्रदान की और घर के दौरे, टेलीफोन पर बातचीत और वीडियो कॉल के माध्यम से अनुवर्ती सेवाएं प्रदान की गई।

वीडियो को नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है

https://m.youtube.com/channel/UCtAEwgkreQvmMpXnWRooZFA/channels?disable_polymer=1

कक्षा 10 के HI छात्रों तक आसान पहुंच के लिए पहले से मौजूद होम लर्निंग वीडियो में सांकेतिक भाषा को एम्बेड करना।.

https://www.youtube.com/watch?v=5xp2vcK8FM8&list=PLDas_OQK0By1q62QZ1yM5BTtPjhZfUoK&index=41

संसाधन शिक्षकों द्वारा घर का दौरा और माता-पिता को कोविड-19 के बारे में मार्गदर्शन, निरंतरता और मनो-सामाजिक सहायता

बच्चों और माता-पिता को सीखने की निरंतरता और मनो-सामाजिक समर्थन के बारे में सलाह देने के लिए संसाधन शिक्षकों और विशेष शिक्षकों द्वारा घर का दौरा किया गया। बच्चों को गतिविधियाँ करने और अपने भाई-बहनों के साथ खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। माता-पिता को जोखिम संचार के बारे में भी सलाह दी गई और महामारी के समय में अपने बच्चों की जरूरतों का अच्छी तरह से ख्याल रखा गया।

एड्स और उपकरणों का वितरण

लॉकडाउन हटने के बाद, विशेष एमआर किट, व्हीलचेयर, सीपी कुर्सियों जैसे सहायक उपकरण जिन्हें सत्रों की शुरुआत में वितरित करने की योजना बनाई गई थी, वितरित किए गए। MR किट में सीखने के उपकरण जैसे - फ्लैश कार्ड, चार्ट, प्लास्टिक बॉल, पजल, छोटे प्लास्टिक बैट, छोटे टेबल टेनिस किट, विभिन्न आकार के लकड़ी के खिलौने, ड्राइंग बुक और रंग शामिल थे।

सफलता की कहानी: "एक से अधिक दिव्यांगता वाली बालिका को सशक्त बनाना"

छात्र प्रोफाइल:

नाम: पटेल परी किशोरभाई

जन्म तिथि: 08/04/2009

स्कूल: - धरसाना प्राइमरी स्कूल

डीआईएसई: 24250108201

मानक: 8

विकलांगता: - एकाधिक विकलांगता (मानसिक मंदता (एमआर) और सेरेब्रल पाल्सी (सीपी))

ग्राम : छरवाडा

क्लस्टर: - डूंगरी

जिला :- वलसाड

पृष्ठभूमि:

जून 2013 में सर्वेक्षण के दौरान, विशेष शिक्षक (एसई), पटेल आशीष कुमार ने चारवाड़ा दंतराय आंगनवाड़ी केंद्र के दौरे के दौरान पटेल परी किशोरभाई में कार्यात्मक / विकासात्मक देरी के बारे में जाना था। इस कठिनाई के कारण, बच्चे को फाइन एंड ग्रॉस मोटर, संचार और दैनिक जीवन की गतिविधियों (एडीएल) आदि में कठिनाई हुई। मामले को और समझने के लिए, एसई ने माता-पिता के साथ कई दौर की चर्चा की। बच्चे को इलाज के लिए नजदीकी सिविल अस्पताल ले जाया गया। परिक्षण होने पर, यह पता चला कि बच्चा बहु-विकलांगता (माइल्ड एमआर (50%) और एटेक्सिक सीपी (79%)) से पीड़ित है।

माता-पिता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, एसई ने योजनाओं और उनके लाभों, शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें पास के धरसाना प्राइमरी स्कूल में बच्चे का नामांकन करने के लिए राजी किया। पहले दिन से, एसई ने कक्षा शिक्षकों और चिकित्सक के सहयोग से बच्चे को फाइन एंड ग्रॉस मोटर, एडीएल, समाजीकरण और संचार कौशल में सुधार करने में सहायता प्रदान की। व्यक्तिगत शिक्षा योजना (आईईपी) के अनुसार कार्यात्मक/विकासात्मक क्षेत्रवार विभिन्न गतिविधियों को लागू किया गया और जब भी आवश्यक हो, कक्षा शिक्षकों और अभिभावकों को उन्मुख किया गया।

स्कूली शिक्षा के अपने शुरुआती दिनों में, सहपाठियों और शिक्षकों के धमकाने और समर्थन की कमी के कारण बच्चा बहुत हिचकिचाता था और स्कूल जाने में अनियमित था। स्थिति को समझते हुए, एसई ने जिला समन्वयक के सहयोग से निर्धारित दौरों के अलावा स्कूल का अतिरिक्त दौरा किया और शाला प्रार्थना, एसएमसी बैठकों के दौरान विभिन्न जागरूकता सत्र आयोजित कर स्कूल स्टाफ और अन्य बच्चों को जागरूक किया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, कक्षा के शिक्षकों ने कक्षा के अंदर और बाहर की गतिविधियों में परी का सहयोग करने के लिए मित्रों को नियुक्त किया है और उसे अन्य बच्चों के साथ अधिकांश गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया है।

इन नियमित गतिविधियों के प्रभाव ने आत्मविश्वास, बेहतर कौशल का निर्माण किया है और बच्चे के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आया है। राज्य, जिला और स्कूल स्तर पर जागरूकता बढ़ाने वाले प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/कार्यक्रमों ने धीरे-धीरे विभिन्न हितधारकों की मानसिकता में बदलाव लाया जिससे एक अनुकूल और समावेशी वातावरण का निर्माण हुआ। इन निरंतर प्रयासों से पटेल परी किशोरभाई और ऐसे ही अन्य दिव्यांग बच्चों को स्कूल और ब्लॉक स्तर के संसाधन कक्ष तक पहुंचने में मदद मिली है।

स्कूल और संसाधन कक्ष बंद होने के दौरान प्रदान की गई सहायता:

महामारी की स्थिति के कारण, राज्य भर के सभी स्कूल अभूतपूर्व समय के लिए बंद कर दिए गए। इस अवधि के दौरान सबसे

अधिक प्रभावित बच्चे वे हैं जो हाशिए पर हैं, वंचित हैं और विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (सीडब्ल्यूएसएन) हैं। इन सबके बीच, सीडब्ल्यूएसएन और उनके माता-पिता की दुर्दशा अवर्णनीय है क्योंकि इन बच्चों को नियमित चिकित्सीय सहायता और निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है।

पटेल परी किशोरभाई के साथ भी ऐसा ही है, उन्हें नियमित फिजियोथेरेपी की आवश्यकता होती है, जिसे उनके माता-पिता दिहाड़ी मजदूर होने के कारण वहन नहीं कर सकते। परी और उसके माता-पिता की प्रतिकूल दुर्दशा को देखते हुए, एसई ने विशेष ध्यान रखा और निरंतर सहायता प्रदान की। इस प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, एसई ने चिकित्सा तकनीकों पर उचित ज्ञान का निर्माण करने के लिए ऑनलाइन फिजियोथेरेपी और व्यवहार प्रबंधन सत्रों में सदस्यता ली और वीडियो / ऑडियो कॉल के माध्यम से परी को नियमित सहायता प्रदान की और सभी सावधानियों का पालन करते हुए सख्त लॉकडाउन के बीच एक बार घर का दौरा किया।

जब लॉकडाउन को आंशिक रूप से हटा लिया गया, तो एसई ने नियमित रूप से घर का दौरा किया और 1-2 घंटे के लिए चिकित्सीय और उपचारात्मक सहायता प्रदान की। यात्राओं के दौरान, उन्होंने माता-पिता को बुनियादी फिजियोथेरेपी अभ्यास और संदर्भ के लिए साझा चिकित्सा-संबंधित सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री पर उन्मुख किया, जो एक फिजियोथेरेपिस्ट के मार्गदर्शन में विकसित किए गए थे। एसई ने इन-सर्विस टीचर्स के साथ मिलकर टीचिंग लर्निंग मैटेरियल्स (टीएलएम) विकसित किया और एडीएल, पेंटिंग, डांसिंग, प्री-वोकेशनल, रीडिंग, राइटिंग, बेसिक न्यूमरेसी और लिटरेसी जैसे विभिन्न अवधारणाओं पर शॉर्ट-डिजिटल कंटेंट, वीडियो बनाएऔर इसे माता-पिता के साथ व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा किया।

एसई और माता-पिता के इन निरंतर प्रयासों के कारण, शारीरिक और मानसिक चुनौतियों के बावजूद परी कई सफलताएं हासिल कर रही है जैसे कि पैसे को संभालना, स्वतंत्र रूप से चलना, दुकान पर जाना, रसोई में और अन्य घरेलू कार्यों में अपनी माँ का सहयोग करना, । परी की प्रगति से प्रसन्न माता-पिता दोनों ने कुछ कार्यों को उसे सौंपने का निर्णय लिया है जैसे कि सफाई, कपड़े तह करना और उन्हें अलमारी में व्यवस्थित रखना, ग्राहकों के शरीर के माप को नोट करना, बुनियादी अंकगणितीय गणना, ग्राहकों के साथ बातचीत करना और दुकान की देखभाल करना। नवंबर 20 में उसने अपनी नयी दुकान खोली जिसका नाम है "फेयरी लेडीजवियर एंड टेलरिंग" ।

पिछले दो महीनों के भीतर, समाजीकरण, संचार और परी में आत्मविश्वास के मामले में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। अपने बच्चे के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर चिकित्सा के महत्व और प्रभाव को महसूस करते हुए अब माता-पिता परी को नियमित व्यायाम के लिए पास के जिम में भेज रहे हैं। इस लॉकडाउन ने माता-पिता दोनों को अपने इकलौते बच्चे के साथ कुछ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने और उसे प्रेरित करने और उसमें आत्मविश्वास पैदा करने में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को महसूस करने में मदद की है।

बी.एम. संस्थान द्वारा 4 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में विशेष शिक्षकों ने भाग लिया

क्लस्टर स्तर पर सहायता और उपकरण वितरण

विशेष शिक्षक के सहयोग से होम लर्निंग

अध्याय -5

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निगरानी

भारत में प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मौलिक अधिकार है, एक ऐसी शिक्षा जो उन्हें बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता हासिल करने में मदद करती है, बिना किसी डर के सीखने का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है और मूल्यवान और शामिल महसूस कराती है, चाहे वे कहीं से भी आए हों।

COVID-19 ने शिक्षकों की आवश्यक भूमिका को बदले बिना, क्षमता निर्माण, समावेशिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा प्रणाली को कार्य करने और बदलने का एक अविश्वसनीय अवसर प्रदान किया है।

महामारी के समय में छात्रों को सीखने की निरंतरता और मनोसामाजिक सहायता सुनिश्चित करने की पहल

कोरोनावायरस COVID 19 एक वैश्विक स्वास्थ्य और मानवीय संकट है जिससे दुनिया वर्तमान समय में जूझ रही है। दुनिया भर में लगभग 2.5 मिलियन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, लाखों लोग सामाजिक रूप से, आर्थिक रूप से प्रभावित हैं और अपने जीवन पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव की असुरक्षा से भी जूझ रहे हैं। जबकि बच्चे महामारी के प्रत्यक्ष शारीरिक प्रभाव से कम प्रभावित होते हैं, लेकिन वे प्रभावित होते हैं क्योंकि स्वास्थ्य प्रणाली आम तौर पर तनाव में होती है और टीकाकरण और पोषण संबंधी सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित होती हैं। अनियोजित अवधि के लिए स्कूलों को बंद करने से दुनिया भर में लाखों बच्चों के लिए सीखने में रुकावट पैदा हो रही है। इसके साथ ही, वयस्कों के जीवन पर महामारी का नकारात्मक प्रभाव सीधे तौर पर बच्चों के लिए सामाजिक-भावनात्मक संकट पैदा कर रहा है।
गुजरात सरकार ने महामारी के प्रसार को रोकने के लिए 16 मार्च 2020 को स्कूलों को बंद करने की घोषणा की थी। इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय बंद की घोषणा की गई और 2020 में पूरे वर्ष स्कूल बंद रखा गया।

घर पर पढ़ाई सुनिश्चित करने की पहल -

1. "स्टडी फ्रॉम होम" पहल:

स्कूलों के बंद होने के एक सप्ताह के बाद, समग्र शिक्षा ने कक्षा ३ से १० तक के सभी बच्चों के लिए सभी विषयों की साप्ताहिक वर्कशीट साझा करने की योजना बनाई ताकि बच्चे स्वयं सीखने का प्रयास कर सकें। होम लर्निंग के साप्ताहिक पैकेज को " स्टडी फ्रॉम होम " का नाम दिया है, जिसका उद्देश्य वर्तमान शैक्षणिक सत्र की शिक्षा को मजबूत करना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अगले शैक्षणिक सत्र की नींव मजबूत हो। इस कार्यक्रम से लगभग 32 लाख छात्र लाभान्वित हुए हैं।

ऑनलाइन सामग्री साझा करने के लिए, क्लस्टर स्तर पर बनाए गए माता-पिता के व्हाट्सएप समूहों का नेटवर्क-

'स्टडी फ्रॉम होम' साप्ताहिक डिजिटल सामग्री को साझा करने के लिए एवं सामग्री के प्रसार के लिए 3247 क्लस्टर स्तर के माता-पिता के समूह बनाए गए हैं। सामग्री को राज्य के कार्यालयों से जिला/ब्लॉक समूहों में साझा किया गया, फिर डिजिटल सामग्री को क्लस्टर स्तर के व्यक्तियों के समूहों में साझा किया गया और अंत में माता-पिता के व्हाट्सएप समूहों को साझा किया गया।

2. कॉल के माध्यम से समर्थन और अनुवर्ती कार्रवाई

सभी शिक्षकों को निर्देश दिया गया था कि वे छात्रों को कम से कम दस कॉल करें और उनके साथ बीमारी के बारे में चर्चा करें कि वे घर पर कैसे समय बिता रहे हैं, भावनात्मक समर्थन प्रदान करें और उनसे सीखने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में भी बात करें जो उन्हें घर पर हो सकती

हैं। लगभग 32 लाख छात्रों को कवर करने के लिए इस कार्यक्रम में लगभग 1 लाख 20 हजार शिक्षक शामिल थे।

3. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए "उदाहरण" का वितरण:

समग्र शिक्षा गुजरात ने भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित विषयों के लिए 11 वीं और 12 वीं कक्षा के छात्रों को एनसीईआरटी द्वारा साझा किए गए वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर के दिशानिर्देशों के अनुसार मासिक " एक्ज़ाम्पलर " तैयार और वितरित किये है।

4. शिक्षक क्षमता निर्माण पाठ्यक्रम

समय का सदुपयोग करने और डिजिटल शिक्षण-अधिगम विधियों और महामारी पर भी शिक्षकों की क्षमताओं के निर्माण के लिए, दीक्षा मंच के माध्यम से, वेबिनार के माध्यम से और विभिन्न ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफार्मों के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए गए हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के शिक्षक और ब्लॉक / क्लस्टर / राज्य के अधिकारीओ द्वारा संभावित पाठ्यक्रमों की एक सूची भी संकलित की गई और सभी के साथ साझा की गई है। होम लर्निंग कार्यक्रम के बारे में जागरूकता लाने के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार किया गया और दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

5. नए सत्र के लिए नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण

समग्र शिक्षा के तहत कक्षा 8 के छात्रों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें प्रदान की गईं। इसके लिए प्रत्येक छात्र के लिए 400 रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया था। इन पाठ्यपुस्तकों को गुजरात स्कूल पाठ्यपुस्तक बोर्ड के माध्यम से वितरित किया गया था। इन पाठ्यपुस्तकों को बोर्ड द्वारा ब्लॉक केंद्रों को भेजा गया था और स्कूलों द्वारा इसे छात्रों को वितरित किया गया था। ये पाठ्यपुस्तकें गुजराती के अलावा छह अन्य माध्यमों को प्रदान की गईं।

राज्य ने सुनिश्चित किया कि सभी छात्रों को नए शैक्षणिक सत्र की पाठ्यपुस्तकें समय पर प्राप्त हों। इसके लिए सामग्री का समय पर मुद्रण एवं क्लस्टर एवं गृह स्तर तक वितरण सुनिश्चित किया गया। पुस्तकों के समय पर वितरण के लिए कक्षा 1 से 12 तक के लगभग 51 लाख छात्रों को लक्षित किया गया था।

6. डीडी गिरनार पर होम लर्निंग इनिशिएटिव-

चूंकि टीवी एक ऐसा माध्यम है, जिस तक बड़ी संख्या में छात्रों की पहुंच है, इसलिए यह निर्णय लिया गया कि डीडी गिरनार चैनल पर पहले से रिकॉर्ड किए गए शिक्षण वीडियो का प्रसारण किया जाना चाहिए, जिसे छात्र घर पर देख सकते हैं। इसके लिए, समग्र शिक्षा, जीसीईआरटी और स्कूलों के आयुक्तालय ने सामूहिक रूप से कक्षा पहली से 12 वीं के लिए शिक्षण-शिक्षण वीडियो बनाने का निर्णय लिया और डीडी गिरनार के साथ साझेदारी स्थापित की गई, जहां पूर्व-निर्धारित समय के अनुसार टीवी पर तीन घंटे की सीखने की सामग्री का प्रसारण किया गया था-

पहले यह पहल कक्षा 3 से 12 वीं के छात्रों के लिए थी, लेकिन बाद में कक्षा 1 और 2 को भी शामिल किया गया और माता-पिता को सलाह दी गई कि वे शुरुआती ग्रेड के प्रसारण के दौरान छात्रों के साथ जुड़ें ताकि 6-7 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को कैसे सुविधा प्रदान की जा सकती है, इसकी जानकारी प्राप्त हो सके. डीडी गिरनार के प्रसारण के माध्यम से लगभग 48 लाख छात्रों को कवर किया गया। डीडी गिरनार में नियमित कक्षाओं के अलावा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्य सहगामी गतिविधियों को भी शामिल किया गया है

7. विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से डिजिटल सामग्री का वितरण

यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र डीडी गिरनार चैनल पर प्रसारित वीडियो को फिर से देख सकते हैं या वे इसे टीवी पर देखने से चूकने की स्थिति में देख सकते हैं, सभी वीडियो YouTube चैनल और DIKSHA पर अपलोड किए जाते हैं और दैनिक डिजिटल पोस्टर जिनमें उस दिन टेलीकास्ट किए गए सभी वीडियो लिंक होते हैं माता-पिता को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से साझा जाता है। शिक्षण वीडियो के लिंक के साथ, पोस्टर में पाठ्यपुस्तक के प्रासंगिक भाग की पीडीएफ भी साझा किया जाता है। सभी शिक्षण वीडियो भी दीक्षा मंच पर अपलोड किए गए हैं ताकि माता-पिता या छात्र दीक्षा के माध्यम से भी उन तक पहुंच सकें। अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सामग्री को विभिन्न चैनलों के माध्यम से वितरित किया जाए ताकि आउटरीच को अधिकतम किया जा सके और सभी छात्रों तक पहुंचा जा सके।

8. माइक्रोसॉफ्ट टीमों के माध्यम से छात्रों के साथ आभासी कक्षाएं

जिन छात्रों के पास इंटरनेट और स्मार्ट फोन तक पहुंच थी , उनके लिए यह महसूस किया गया कि लाइव क्लास लेना मददगार होगा। इसके लिए, प्रति क्लस्टर स्तर पर 15 शिक्षक (जो तकनीकी विज्ञान और डिजिटल रूप से पढ़ाने के इच्छुक थे) बनाए गए थे और शिक्षकों को आभासी कक्षाओं के संचालन के लिए "टीम" मंच का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। लगभग 45000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था, और आभासी कक्षाओं के संचालन की सुविधा के लिए उनकी आईडी तैयार की गई थी। आभासी कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने के लिए 10 लाख से अधिक छात्रों के लिए टीम आईडी भी तैयार की गई थी।

शैक्षणिक सत्र के दौरान, सभी शिक्षकों को आभासी कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया गया और लगभग सभी 2.5 लाख शिक्षकों और 50 लाख छात्रों के लिए टीम की आईडी और पासवर्ड बनाए गए।

वर्चुअल कक्षाओं का संचालन करने वाले शिक्षकों की संख्या और उसके संबंध में स्कूलों के प्रदर्शन के संबंध में प्रगति की निगरानी के लिए डैशबोर्ड बनाया गया जिसका उपयोग समीक्षा और योजना के लिए किया गया।

9. सभी विद्यालयों में सतत शिक्षण योजना का विकास

सभी स्कूलों को एक सतत सीखने की योजना विकसित करने के लिए कहा गया था जिसमें स्पष्ट रूप से उन छात्रों के सीखने में सहयोग करने की योजना का उल्लेख किया गया था जिनके पास डिजिटल संसाधनों है और जिनके पास डिजिटल संसाधनों तक पहुंच नहीं है। बिना डिजिटल एक्सेस वाले छात्रों तक पहुंचने के विभिन्न तरीकों को एक पत्र के माध्यम से और होम लर्निंग कोर्स के माध्यम से भी जोड़ा गया था।

10. सतत शिक्षण योजनाओं पर अनुवर्ती कार्रवाई

सतत शिक्षण योजनाओं (सीएलपी) के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा द्वारा डीपीईओ और ब्लॉक अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा के तीन दौर लिए गए हैं। प्रत्येक जिले द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा के लिए डिजिटल सामग्री तक पहुंच से संबंधित विभिन्न उपलब्ध आंकड़ों को ध्यान में रखा गया था। दीक्षा पर देखनेवालो की संख्या, लाइव जीवीएस सत्र में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या, यू-ट्यूब देखने वालों की संख्या, आभासी कक्षाओं के डेटा आदि जैसे डेटा को समीक्षा और चर्चा के लिए आधार के रूप में लिया गया था।

11. ग्रंथालय कार्यक्रम

रचनात्मक प्रयासों में संलग्न रखने के प्रयास के रूप में शिक्षकों को कहानियों / कविताओं तथा बच्चों (सामान्य और विशेष) साहित्य बनाने या एकत्र करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, समग्र शिक्षा द्वारा ग्रंथालय कार्यक्रम शुरू किया गया था। फेसबुक वर्कप्लेस प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग शिक्षकों और विशेष शिक्षकों की प्रविष्टियाँ प्राप्त करने के लिए किया गया था। शिक्षकों द्वारा कुल लगभग 4000 रचनाएँ और विशेष शिक्षकों द्वारा 200+ प्रस्तुत की गई हैं। इन कृतियों की समीक्षा और संपादन के लिए और प्रस्तुत सामग्री से बच्चों की कहानियों की पुस्तकों को विकसित करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

बीआरसी/सीआरसी का क्षमता निर्माण

बीआरसी समन्वयकों / सीआरसी समन्वयकों की क्षमता बढ़ाने और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर अधिक स्पष्टता लाने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया और दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया गया जो सभी बीआरसी और सीआरसी द्वारा पूरा किया गया।

व्यावहारिक कौशल विकसित करने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण

समग्र शिक्षा गुजरात ने छात्रों में 21 वीं सदी के कौशल को विकसित करने के लिए 780 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लर्निंग बाई डूइंग सेंटर स्थापित किए हैं । व्यावहारिक कौशल विकसित करने के लिए केंद्र में उपलब्ध कराए गए उपकरणों के उपयोग पर विज्ञान और गणित के शिक्षकों का 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कक्षा में महत्वपूर्ण सोच और रचनात्मकता के माहौल को विकसित करने के लिए आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समग्र शिक्षा ने भी आईआईटी गांधीनगर द्वारा बनाकर तैयार की गई किट बांटी .

स्कूल फिर से खोलने के दिशा-निर्देश

स्कूलों को फिर से खोलने के लिए राष्ट्रीय ढांचे और दिशा-निर्देशों के आधार पर, 10 वीं और 12 वीं कक्षा को फिर से खोलने के लिए के दिशा-निर्देश बनाए और साझा किए गए हैं । छठी से आठवीं कक्षा वाले स्कूलों को फिर से खोलने के लिए भी दिशा-निर्देशों का पालन किया है ।

स्वच्छता गुणांक एप्लिकेशन का उपयोग करके स्कूलों की WASH स्थिति का आकलन

यूनिसेफ के सहयोग से, एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके स्कूलों में WASH की स्थिति का आकलन किया गया है। WASH की स्थिति दर्ज करने के लिए प्रश्न, स्कूलों में WASH के राष्ट्रीय मानक मानकों का उपयोग करके बनाए गए हैं। WASH पर स्थिति के परिणामों को स्टार का उपयोग करके हाइलाइट किया गया था। उन स्कूलों की सूची/प्रतिशत जिन्हें उच्चतम 5 स्टार रेटिंग, 4 स्टार और उससे कम प्राप्त हुए हैं, उनके संबंधित जिलों में स्कूलों में WASH की स्थिति को समझने में उनकी सहायता करने के लिए दो वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला अधिकारियों के साथ साझा किया गया था। ब्लॉक अधिकारी भी अपने स्कूलों में WASH के संबंध में एक सुधार योजना के विकास के लिए स्कूलों का सहयोग करने में सक्षम थे। जिलों को निर्देश दिया जाता है कि वे जिला स्तरीय योजनाएँ भी बनाएँ जहाँ वे सहायता और निगरानी के लिए धन और उनके तंत्र की आवश्यकता के साथ लक्ष्यों को मैप करें।

एसएसजी एप्लिकेशन के माध्यम से स्कूलों और COVID में WASH को समझने के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया था। आवेदन पर स्व-शिक्षण मॉड्यूल अपलोड किए गए थे और शिक्षकों को पाठ्यक्रम पूरा करने और अंतिम रूप से पावती का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए मूल्यांकन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

COVID समय के दौरान इस अभ्यास को करने का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण WASH प्रथाओं को सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित करना था क्योंकि ये विशेष रूप से COVID के संदर्भ में और स्कूलों के फिर से खुलने के बाद अधिक महत्व रखते हैं।

एकम कसौटी (मूल्यांकन परीक्षण)

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान, COVID 19 ने स्कूलों को बंद करने के लिए मजबूर किया था, लेकिन राज्य ने सुनिश्चित किया कि टीवी आधारित शिक्षा और गुजरात वर्चुअल शाला सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से छात्रों के लिए सीखना जारी रहे। आवधिक मूल्यांकन परीक्षण (एकम कसौटी) भी आयोजित किए गए जोकि छात्रों की प्रगति को समझने में बहुत मददगार थे। इस वर्ष भी छात्रों के लिए आवश्यक शिक्षण सहायता के बाद सीखने के परिणामों पर आधारित एकम कसौटी आयोजित करने का प्रस्ताव है।

कक्षा में प्रत्येक विषय के लिए एकम कसौटी आयोजित किए गए हैं। 3 से कक्षा 10 तक इसका उद्देश्य समय-समय पर सीखने के परिणामों पर छात्रों की प्रगति का आकलन करना और तत्काल उपचारात्मक सहायता प्रदान करना है। वार्षिक एकम कसौटी कैलेंडर स्कूलों के साथ साझा किया गया जो शिक्षकों को पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने में मदद करता है।

ये परीक्षण छुट्टी के अलावा हर शनिवार को किए जाते थे। GCERT इन परीक्षणों के आधार पर सीखने के परिणाम-आधारित आकलन तैयार करता है । कक्षा 3 से 10 के लिए गुजराती, गणित, पर्यावरण विज्ञान, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी सहित सभी विषयों का मूल्यांकन हुआ।

प्रत्येक छात्र को एकम कसौटी के उत्तर लिखने के लिए एक पुस्तिका प्रदान की गई। कक्षा ३ से १० तक के कुल 4157200 ने एकम कसौटी में भाग लिया

स्कूलों का ई-ट्विनिंग

स्कूलों की ट्विनिंग को "स्कूलों के बीच साझेदारी" के रूप में जाना जाता है, जिसके तहत दो स्कूल अधिक से अधिक प्रदर्शन के लिए एक साथ आते हैं। इसका उद्देश्य कक्षा के अंदर और बाहर सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के बीच साझा सीखने को बढ़ावा देना है । इसके परिणामस्वरूप छात्रों और शिक्षकों के बीच बातचीत में वृद्धि होती है, अनुभवों, विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान होता है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, COVID 19 के कारण, गुजरात ने ई-ट्विनिंग का आयोजन किया, जहां युग्मित विद्यालयों के छात्र और शिक्षक एक-दूसरे से बातचीत करने और सीखने के लिए आभासी माध्यमों से जुड़े हुए हैं। यह कार्यक्रम ज्ञान साझा करने के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। भाग लेने वाले स्कूलों को अकादमिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों के तहत काम का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला। ट्विनिंग ऑफ स्कूल कार्यक्रम छात्रों को सहकर्मी से सीखने और समूह में सीखने के लिए एक वातावरण प्रदान करके सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने में सहायक रहा है। गुजरात के 33 जिलों में फैले लगभग 15000 सरकारी स्कूलों ने स्कूल ई-ट्विनिंग के कार्यक्रम में भाग लिया

एक भारत श्रेष्ठ भारत

समग्र शिक्षा गुजरात ने हमारे देश की विविधता में एकता का जश्न मनाने के लिए और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से मौजूदा भावनात्मक बंधनों के ताने-बाने को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत का आयोजन किया। गुजरात और छत्तीसगढ़ के बीच एक साल के नियोजित माध्यम से जुड़ाव है । कार्यक्रम का उद्देश्य किसी भी राज्य की समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित करना है ताकि लोग भारत की विविधता को समझ सकें और उसकी सराहना कर सकें, इस प्रकार संस्तृति की पहचान की भावना को बढ़ावा मिलता है। यह कार्यक्रम एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद करता है जो सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करके राज्यों के बीच सीखने को बढ़ावा देता है।

कार्यक्रमों को शिक्षा मंत्रालय द्वारा साझा किए गए संशोधित दिशानिर्देशों के अनुरूप लागू किया गया था। कोविड -19 महामारी के दौरान छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, दिशानिर्देश में उन गतिविधियों को शामिल किया गया है जो इस अवधि के दौरान आयोजित की जा सकती हैं।
समग्र शिक्षा गुजरात ने गुजरात और छत्तीसगढ़ की संस्कृति, त्योहार, पर्यावरण और भूगोल पर केंद्रित विभिन्न विषयों पर वीडियो सामग्री तैयार की गई और समग्र शिक्षा यू ट्यूब चैनल और दीक्षा पोर्टल पर अपलोड की गई है।

फिट इंडिया मूवमेंट

समग्र शिक्षा गुजरात ने कक्षा 1 से 12 तक सभी स्कूलों (सरकारी/सहायता अनुदान/स्व-वित्तपोषित) के लिए फिट इंडिया कार्यक्रम को लागू किया। फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत शिक्षा मंत्रालय के मार्गदर्शन के अनुसार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

गुजरात के सभी स्कूलों में वर्चुअल फिट इंडिया सप्ताह मनाया गया। विभिन्न गतिविधियों का साप्ताहिक कार्यक्रम स्कूलों के साथ साझा किया जाता है। फिट इंडिया रन का भी आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों, छात्रों और समुदाय के सदस्यों ने अपना पंजीकरण कराया और प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

समग्र शिक्षा गुजरात ने भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ मिलकर सभी स्कूल प्रधानाचार्यों और नोडल खेल शिक्षकों को छात्रों का शारीरिक मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया है। लगभग 36000 से अधिक शिक्षकों ने अपने छात्रों का शारीरिक मूल्यांकन करने के लिए खेलो इंडिया पोर्टल के तहत अपना पंजीकरण कराया।

शाला सुरक्षा

स्कूलों में दुर्घटना या अन्य अप्रत्याशित घटनाओं को रोकने के लिए, स्कूल-सुरक्षा कार्यक्रम के लिए नोटिस बोर्ड में सुरक्षा प्रतिज्ञा प्रदर्शित करने और शिक्षकों को प्रथम स्तर के परामर्शदाताओं के रूप में कार्य करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गुजरात के सभी सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में स्कूली सुरक्षा पर छात्रों और अभिभावकों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

प्रत्येक स्कूल में उचित आकार और उचित ऊंचाई पर एक बोर्ड/दीवार पेंटिंग प्रदर्शित की जाती है जिसमें **"स्कूल-सुरक्षा प्रतिज्ञा"** को दर्शाया जाता है, जहां से इसे सभी छात्रों, स्कूल शिक्षकों और अभिभावकों द्वारा आसानी से पढ़ा जा सकता है। कार्यक्रम के तहत स्कूलों में एक सुझाव पेटी लगाई गई है जहां छात्र अपनी शिकायत या राय दे सकते हैं। छात्रों, शिक्षकों, एसएमसी सदस्यों और अभिभावकों के साथ समग्र शिक्षा के दिशा-निर्देशों के अनुसार छात्रों की आवश्यकता के अनुसार सुरक्षा के संदर्भ में मार्गदर्शन और परामर्श सेमिनार / बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

संगोष्ठियों और बैठकों के दौरान स्कूल जाने के रास्ते में सुरक्षा, बच्चे की मानसिकता को जानने, यौन उत्पीड़न के बारे में जागरूकता, मूल्य शिक्षा, सुरक्षा दिशानिर्देश, निवारण तंत्र जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाती है।

गुजरात में कुल 33,504 सरकारी प्राथमिक और 1564 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम लागू किया गया था।

स्टेम लैब

समग्र शिक्षा गुजरात ने सरकारी स्कूलों के कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के बीच व्यावहारिक कौशल विकसित करने के लिए विज्ञान

प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग गणित (एसटीईएम) प्रयोगशालाओं की स्थापना की है। स्टेम लैब एक ऐसी जगह है जहां छात्रों को विज्ञान और गणित की अपनी पाठ्यपुस्तक में अध्ययन किए गए विभिन्न विषयों के बारे में गतिविधियों पर व्यावहारिक प्रदर्शन करने और उनकी वैचारिक समझ का निर्माण करने का अनुभव मिलेगा। । स्टेम लैब छात्रों के बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए मंच प्रदान करती है। स्टेम लैब में विज्ञान और गणित किट उपलब्ध हैं। प्रदर्शन सामग्री/मॉडल/चार्ट भी वहां उपलब्ध हैं. छात्रों द्वारा विचार को आकार देने के लिए उपलब्ध कराई गई कुछ स्थानीय उपलब्ध सामग्री और किट प्रदान की जाती हैं जिनका उपयोग विषय शिक्षक द्वारा शिक्षण सहायक सामग्री (टीएलएम) के रूप में किया जाता है। छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने के लिए स्टेम लैब में विज्ञान और गणित साहित्य है। स्टेम लैब में प्रदान की गई सामग्री के उपयोग को प्रदर्शित करने के लिए गुजराती में उपयोगकर्ता पुस्तिका और वीडियो प्रदान किए गए हैं। छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रसिद्ध वैज्ञानिकों और गणितज्ञों के पोस्टर प्रदर्शित किए जाते हैं। छात्रों के बीच तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए स्टेम प्रयोगशाला में बुनियादी रोबोटिक किट प्रदान की गई।

इस वर्ष राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में 250 स्टेम प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं।

समग्र शाला अनुदान

समग्र शिक्षा के तहत वर्ष 2020-21 के लिए राज्य के 33365 प्राथमिक विद्यालयों और 1670 माध्यमिक विद्यालयों को समग्र विद्यालय अनुदान आवंटित किया गया है। अनुदान आवंटन नीचे वर्णित नामांकन पर आधारित है:

स्कूल में छात्रों का नामांकन	समग्र स्कूल अनुदान	
	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक स्कूल
1 से 15	रु. 10,000	रु. 12,500
16 से 100	रु. 25,000	रु. 25,000
101 से 250	रु. 50,000	रु. 50,000
251 से 1000	रु. 75,000	रु. 75,000
1000 से ऊपर	रु. 1,00,000	रु. 1,00,000

अनुदान उपयोग:

सभी सरकारी स्कूलों को गैर-कार्यात्मक स्कूल उपकरण के प्रतिस्थापन के लिए और अन्य आवर्ती लागतों, जैसे उपभोग्य सामग्रियों, खेल सामग्री, खेल, खेल उपकरण, प्रयोगशालाओं बिजली शुल्क, इंटरनेट, पानी, शिक्षण सहायक सामग्री, आदि के लिए वार्षिक आधार पर स्कूल अनुदान प्रदान किया जाता है।

स्कूल अनुदान का उपयोग बुनियादी ढांचे को अच्छी स्थिति में रखने के लिए मौजूदा स्कूल भवन, शौचालय और अन्य सुविधाओं का वार्षिक रखरखाव और मरम्मत प्रदान करना आदि में किया जाता है.

इस अनुदान का उपयोग स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने के लिए भी किया जाता है और इसमें सामुदायिक योगदान के तत्व शामिल होते है।

बीआरसी/यूआरसी और सीआरसी के माध्यम से शैक्षणिक सहायता

1. टीएलएम/टीएलई अनुदान : बीआरसी और यूआरसी समन्वयकों को 5000/- रुपये प्रदान किया गए और सीआरसी को टीएलएम/टीएलई अनुदान के रूप में 2000/- रुपये प्रदान किए गए। अनुदान टीएलएम विकास और शिक्षण-अधिगम उपकरण की खरीद का समर्थन करने के लिए प्रदान किया गया था। इन टीएलएम/टीएलई का उपयोग शिक्षकों द्वारा कक्षा की शिक्षण प्रक्रिया में सुधार के लिए किया जाता है। नए और अभिनव टीएलएम बनाने के लिए सीआरसी, विषय शिक्षकों और बीआरपी के साथ बीआरसी स्तर पर कार्यशालाएं

आयोजित की जाती हैं।

2. आकस्मिकता अनुदान: बीआरसी और यूआरसी समन्वयकों को 50,000/- रुपये प्रदान किए गए और सीआरसी को आकस्मिक अनुदान के रूप में 30,000/- रुपये प्रदान किए गए। इस अनुदान का उपयोग बीआरसी में संसाधन कक्ष के रखरखाव, कार्यालय उपकरण की खरीद और अन्य कार्यालय खर्चों के लिए किया जाता है।

3. बैठक यात्रा अनुदान : बीआरसी और यूआरसी समन्वयकों को 30,000/- रुपये प्रदान किए गए और सीआरसी को बैठक यात्रा अनुदान के रूप में 5000/- रुपये प्रदान किए गए। इस अनुदान का उपयोग बीआरसी/सीआरसी स्तर पर आयोजित शैक्षणिक या प्रशासनिक बैठकों/प्रशिक्षण के दौरान यात्रा और जलपान व्यय के लिए किया जाता है।

4. रखरखाव अनुदान : बीआरसी और यूआरसी समन्वयकों को 10,000/- रुपये प्रदान किए गए और सीआरसी को रखरखाव अनुदान के रूप में 5000/- रुपये प्रदान किए गए।

इन एकमुश्त अनुदानों के उपयोग पर दिशानिर्देशों के साथ एक परिपत्र राज्य स्तर से बीआरसी/यूआरसी/सीआरसी को भेजा गया था।

कला उत्सव

कला उत्सव का उद्देश्य कला में प्रतिभा की पहचान करना और माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच शिक्षा में कला के महत्व को बढ़ाना है। कला उत्सव में, गायन संगीत- शास्त्रीय, गायन संगीत- पारंपरिक लोक, वाद्य संगीत- शास्त्रीय, वाद्य संगीत- पारंपरिक लोक, नृत्य- शास्त्रीय, नृत्य- लोक, दृश्य कला (2-आयामी) जैसे क्षेत्र। , दृश्य कला (3-आयामी), स्वदेशी खिलौने और खेल शामिल हैं।

कला उत्सव प्रतियोगिता के तीन स्तरों पर आयोजित किया गया है: जोन स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर।

समग्र शिक्षा गुजरात ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान एनसीईआरटी द्वारा साझा किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार ऑनलाइन कला उत्सव आयोजित किया है. चूंकि सभी स्कूल भौतिक रूप से खुले नहीं थे कोविड 19 वैश्विक महामारी के कारण कला उत्सव में माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों ने ऑनलाइन भाग लिया.

समग्र शिक्षा गुजरात ने कला उत्सव के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में ऑनलाइन भागीदारी प्रक्रिया का विवरण साझा करने के लिए सभी डीपीसी और डीईओ के साथ एक वीसी आयोजित किया है।

एनसीईआरटी द्वारा साझा किए गए विस्तृत दिशानिर्देश का गुजराती में अनुवाद किया गया है और जिला अधिकारी के साथ साझा किया गया है। डीपीसी और डीईओ ने बीआरसी और सीआरसी की मदद से विभिन्न स्तरों पर सफलतापूर्वक सभी कार्यक्रम आयोजित किए।

जिला स्तरीय कला उत्सव:

दिनांक 18/12/2020 से 22/12/2020 तक प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं की श्रेणियों में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों ने भाग लिया। गायन संगीत- शास्त्रीय, गायन संगीत- पारंपरिक लोक, वाद्य संगीत- शास्त्रीय, वाद्य संगीत- पारंपरिक लोक, नृत्य- शास्त्रीय, नृत्य- लोक, दृश्य कला (2-आयामी), दृश्य कला (3-आयामी), स्वदेशी खिलौने और खेल जैसी नौ श्रेणियां थीं जिसमें छात्रों ने भाग लिया।

प्रत्येक वर्ग में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता के रूप में चयनित 1 बालक एवं 1 बालिका ने जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।

क्षेत्रीय स्तर कला उत्सव:

प्रदेश में 5 स्थानों पर जोनल स्तरीय प्रतियोगिता हुई जिसमें 33 जिलों ने भाग लिया. प्रत्येक जिले से 18 विजेताओं ने जोनल स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। 30/12/2020 को अंचल स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिलों द्वारा साझा की गई प्रति दर्ज प्रविष्टियों का चयन करने के लिए जोनल स्तर पर विशेषज्ञों की श्रेणीवार विभिन्न समितियां तैयार की गईं।

क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता का विवरण निम्नलिखित है:

क्षेत्र	जिलों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
दक्षिण क्षेत्र - सूरत	6	108
मध्य पूर्व - अरवल्ली	6	108
उत्तर क्षेत्र -पाटन	6	108
मध्य दक्षिण - वड़ोदरा	7	126
सौराष्ट्र क्षेत्र - राजकोट	9	172
कुल	**34**	**622**

राज्य स्तरीय कला उत्सव:

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 5 क्षेत्रों के कुल 90 विजेताओं (नौ श्रेणियों में से प्रत्येक में 10 विजेता) का आयोजन 1 और 2 जनवरी 2021 को समग्र शिक्षा राज्य कार्यालय गांधीनगर में किया गया था। विभिन्न जोनों द्वारा साझा की गई प्रति दर्ज प्रविष्टियों का चयन करने के लिए जोनल स्तर पर श्रेणीवार विशेषज्ञों की विभिन्न समितियां तैयार की गईं
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के कुल 18 विजेताओं (9 लड़के और 9 लड़कियों) को प्रमाण पत्र और 2000/-रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

राष्ट्रीय स्तर का कला उत्सव:

समग्र शिक्षा गुजरात ने राष्ट्रीय स्तर की कला उत्सव प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए लाइव प्रदर्शन के माध्यम से शामिल होने के लिए दो स्टूडियो की स्थापना की है। राज्य स्तर की प्रतियोगिता के 18 विजेताओं 11 से 21 जनवरी 2021 जनवरी 2021 तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में लगभग भाग लिया

पुस्तकालय अनुदान

समग्र शिक्षा के अंतर्गत वर्ष 2020-21 में 22,533 प्राथमिक विद्यालयों, 161 उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं 10,671 निम्न प्राथमिक विद्यालयों तथा 1670 माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए पुस्तकालय अनुदान स्वीकृत किया गया। सूचना प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित आयु-उपयुक्त पुस्तकों को स्कूल पुस्तकालयों के लिए चुना और खरीदा गया था। पुस्तकालय अनुदान का उद्देश्य पढ़े भारत बढ़े भारत के उद्देश्यों को पूरा करना है। 2020-21 में 1670 माध्यमिक विद्यालयों को पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं।

शिक्षा मंत्रालय ने पुस्तकालय अनुदान के उपयोग पर दिशानिर्देश जारी किए जो स्कूलों को निर्देशित किये गए है। स्कूलों को सलाह दी जाती है कि वे रीडिंग रूम/रीडिंग कॉर्नर/रीडिंग स्पेस का प्रावधान करें और सप्ताह में दो पीरियड्स को स्कूल टाइम टेबल में रीडिंग पीरियड के रूप में समर्पित करें। स्कूल के एक शिक्षक को पुस्तकालय की पुस्तकों की कस्टडी, किताबें जारी करने और वापस लेने की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाएगी, जिन्हें बदले में सप्ताह में दो पीरियड्स के लिए शिक्षण से छूट दी जा सकती है। स्कूलों में प्रदान की जाने वाली पुस्तकों से छात्रों में जिज्ञासा और सीखने की संस्कृति को विकसित करने के लिए पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने की उम्मीद की जाती है।

अध्याय -6

गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

NISHTHA,शिक्षा मंत्रालय समग्र शिक्षा के तहत प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए एक राष्ट्रीय पहल है। NISHTHA के तहत विकसित मॉड्यूल बच्चों के समग्र विकास पर केंद्रित हैं। निष्ठा से मुख्य अपेक्षित परिणाम हैं:

1. छात्रों के सीखने के परिणामों में सुधार।
2. एक सक्षम और समृद्ध समावेशी कक्षा वातावरण का निर्मण
3. शिक्षकों को प्रथम स्तर के परामर्शदाताओं के रूप में छात्रों की सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं के प्रति सतर्क और उत्तरदायी बनाना
4. शिक्षकों को कला को शिक्षाशास्त्र के रूप में उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है जिससे रचनात्मकता में वृद्धि होती है और छात्रों के बीच नवाचार को बढ़ावा मिलता है.
5. शिक्षकों को उनके समग्र विकास के लिए छात्रों के व्यक्तिगत-सामाजिक गुणों को विकसित करने और मजबूत करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।
6. एक स्वस्थ और सुरक्षित स्कूल वातावरण का निर्माण।
7. शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में आईसीटी का एकीकरण।
8. सीखने की क्षमता के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए तनाव मुक्त स्कूल-आधारित मूल्यांकन का विकास करना।
9. शिक्षक गतिविधि आधारित शिक्षा को अपनाते हैं और रटने से हटकर योग्यता आधारित शिक्षा की ओर बढें ।
10. शिक्षक और स्कूल प्रमुख स्कूली शिक्षा में नई पहल के बारे में जागरूक हों।
11. नई पहल को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों के लिए शैक्षणिक और प्रशासनिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए स्कूलों के प्रमुखों की सोच में परिवर्तन।

COVID 19 महामारी के कारण, देश भर में दीक्षा (एक राष्ट्र, एक मंच) पर NISHTHA ऑनलाइन आयोजित की गई। गुजरात ने अक्टूबर 2020 और फरवरी 2021 के बीच NISHTHA 1.0 (प्राथमिक) के 18 मॉड्यूल लॉन्च किए। गुजरात के औसतन 1,18,278 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को मॉड्यूल में नामांकित किया गया और प्रशिक्षण से लाभ हुआ।

1. **लक्ष्य:** निम्न तालिका संख्या का प्रतिनिधित्व करती है। निष्ठा प्रारंभिक शिक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रत्येक जिले और राज्य के लिए लक्षित शिक्षकों की संख्या।

S.No	District	Total Target
1	अहमदाबाद	5814
2	अमरेली	2679
3	आनंद	4763
4	अरवली	3027
5	बनासकांठा	9062
6	भरूच	3698
7	भावनगर	4814
8	बोटाड	1037
9	छोटाउदेपुर	3755
10	दाहोद	7659
11	देवभूमि द्वारका	1647
12	गांधीनगर	3495
13	गिर सोमनाथ	2766
14	जामनगर	3309
15	जूनागढ़	2936
16	कच्छ	5518
17	खेड़ा	4354
18	महेसाणा	5044
19	महिसागर	2902
20	मोरबी	2052
21	नर्मदा	1503
22	नवसारी	2408
23	पंच महल	4157
24	पाटन	3511
25	पोरबंदर	375
26	राजकोट	4189
27	साबरकांठा	3397
28	सूरत	5112
29	सुरेंद्रनगर	4738
30	तापी	2124
31	डांग	617
32	वडोदरा	4094
33	वलसाड	3239
	गुजरात	**119795**

कुल नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन: निम्नलिखित चार्ट कुल नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन के डेटा का प्रतिनिधित्व करता है।

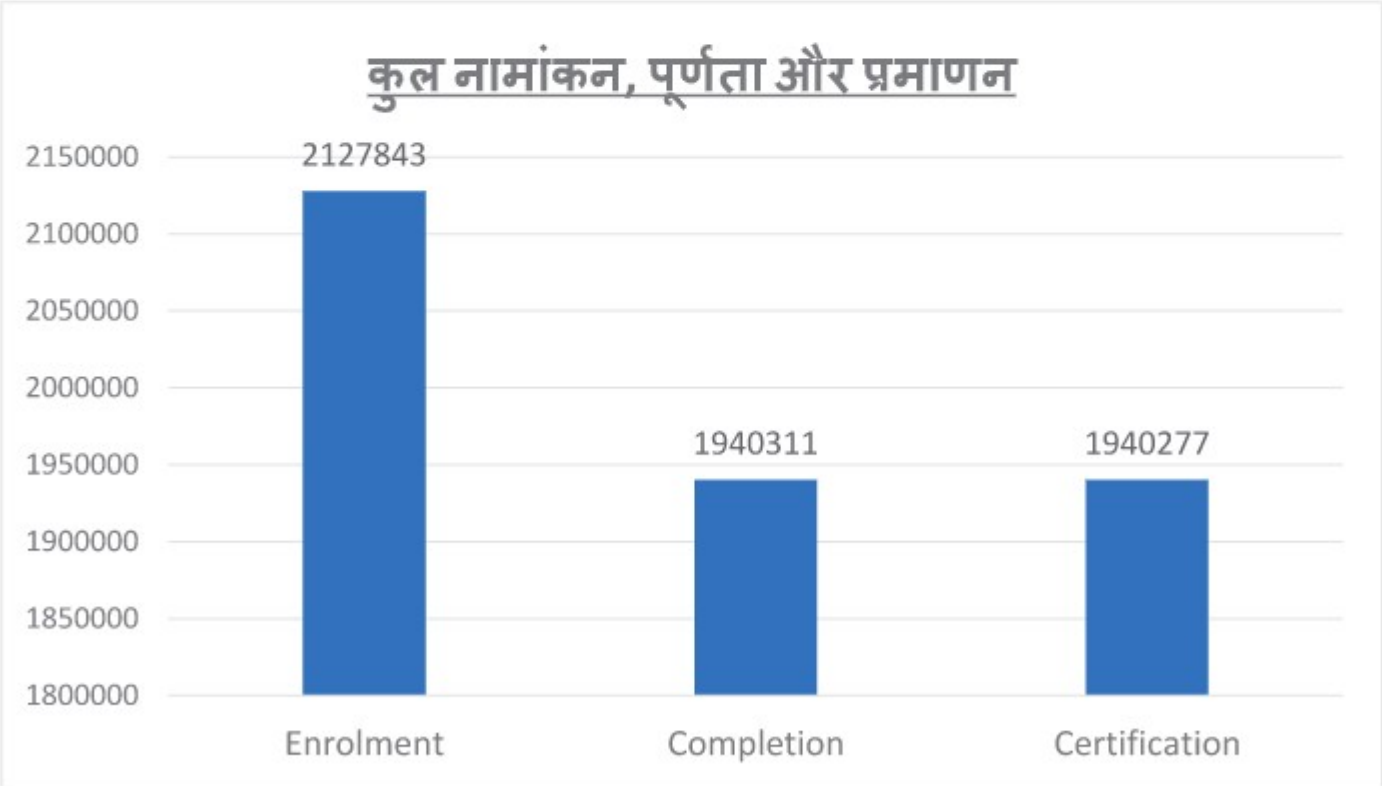

<u>पाठ्यक्रमवार विश्लेषण (नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन):</u> पाठ्यक्रमवार विश्लेषण निम्नलिखित हैं - नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन डेटा (उदाहरणों की संख्या)

- पाठ्यक्रम वार नामांकन डेटा

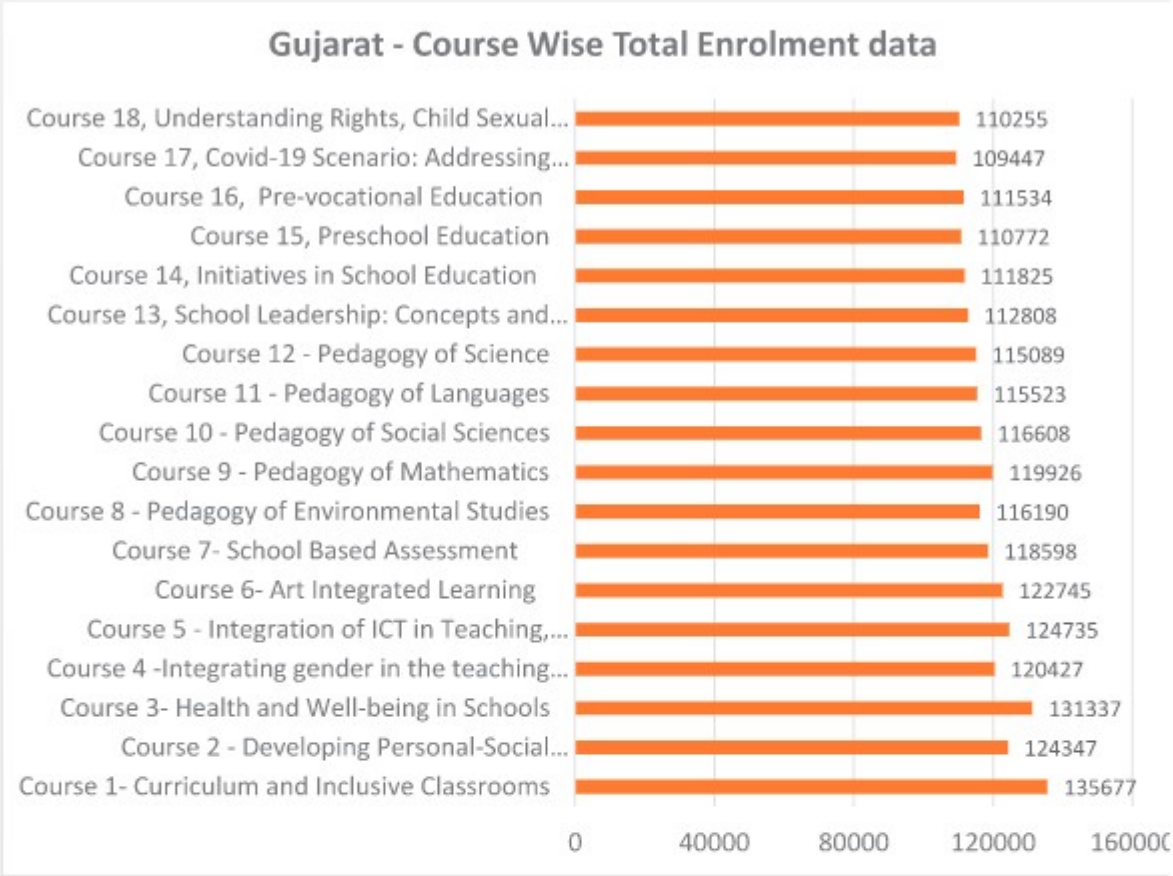

पाठ्यक्रम के अनुसार समापन डेटा

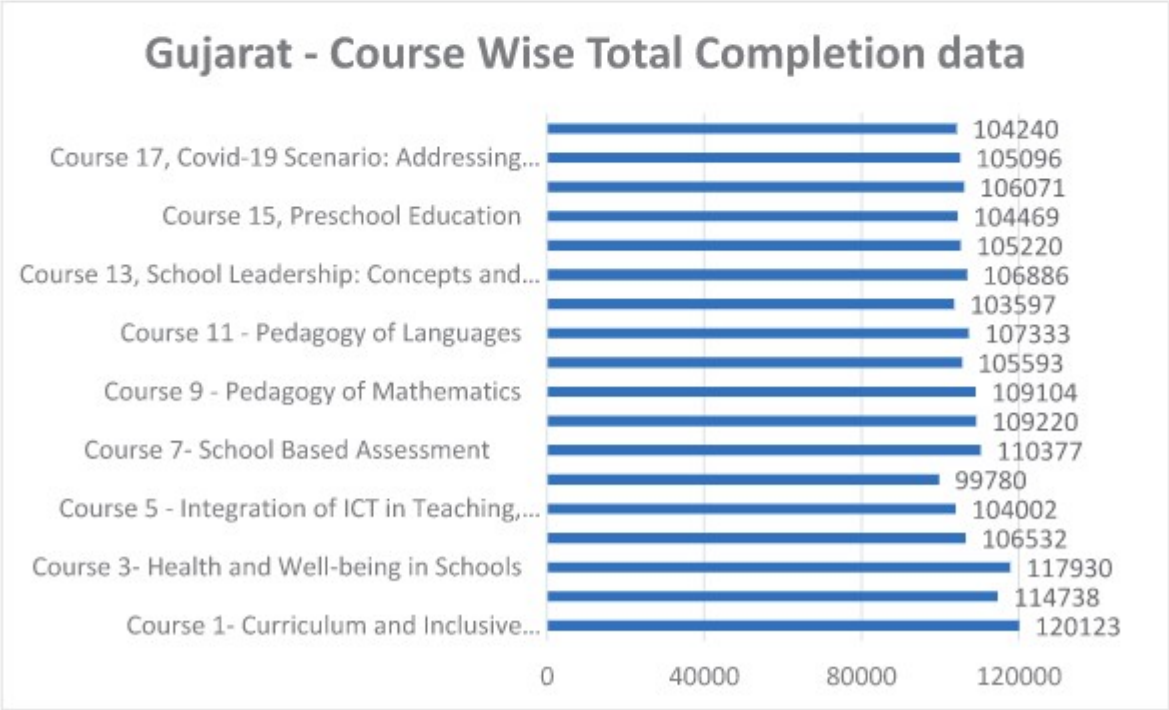

पाठ्यक्रम वार प्रमाणपत्र जारी डेटा

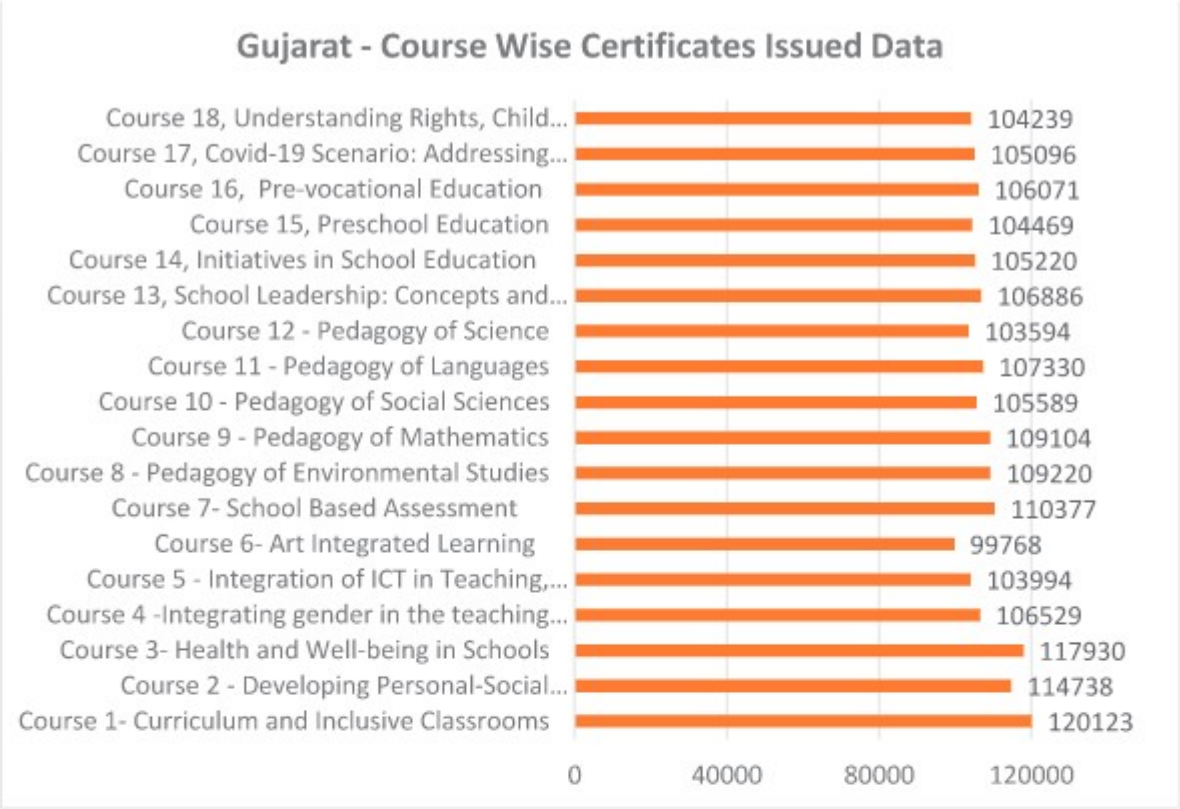

पाठ्यक्रम के अनुसार नामांकन, समापन और प्रमाणन डेटा (प्रतिशत में)

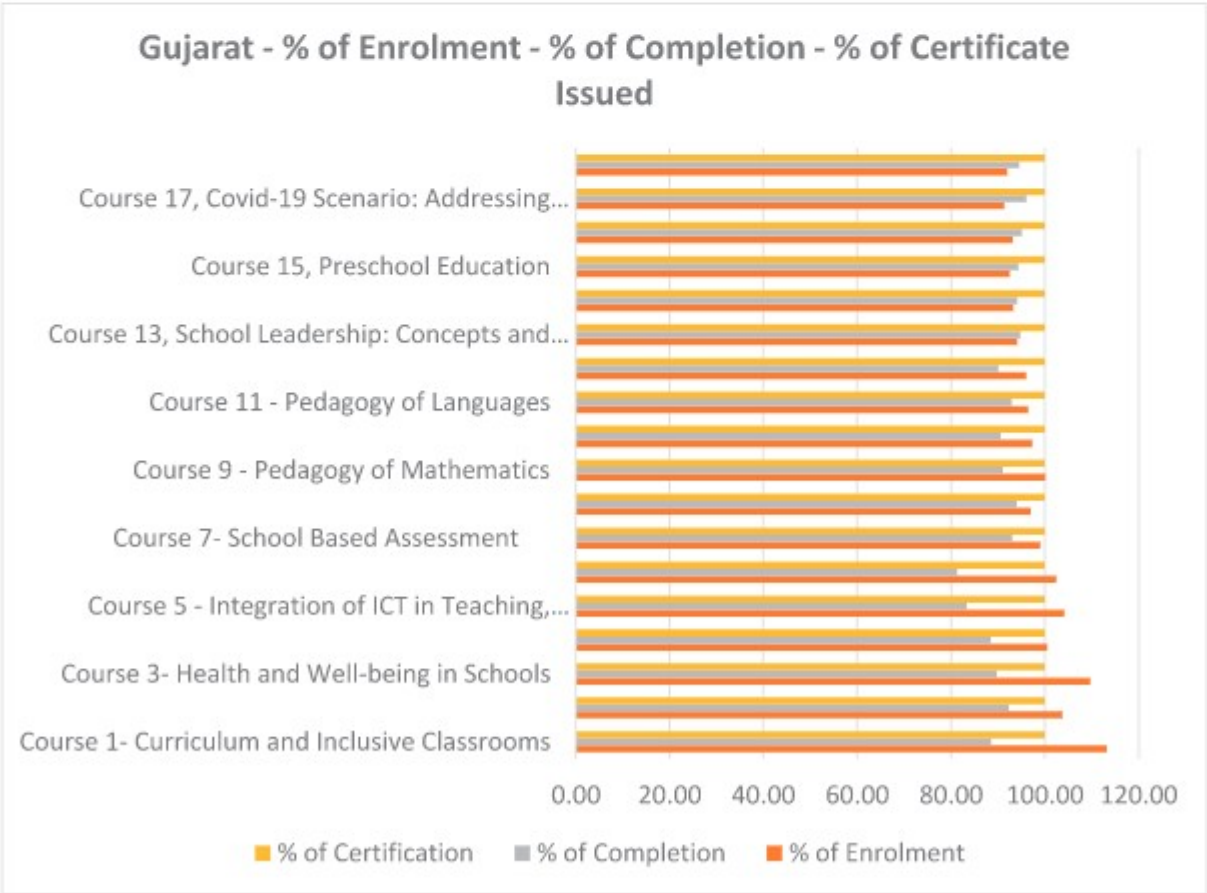

पाठ्यक्रमवार विश्लेषण (नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन): निम्नलिखित तालिका नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन (शिक्षकों की संख्या) के पाठ्यक्रमवार विश्लेषण को दर्शाती है।

कोर्स का नाम	उपस्थिति पंजी	समापन	जारी किए गए प्रमाण पत्र
कोर्स 1- पाठ्यचर्या और समावेशी कक्षाएं	135677	120123	120123
पाठ्यक्रम 2 - एक सुरक्षित और स्वस्थ स्कूल वातावरण बनाने के लिए व्यक्तिगत-सामाजिक गुणों (PSQ) का विकास करना	124347	114738	114738
कोर्स 3- स्कूलों में स्वास्थ्य और कल्याण	131337	117930	117930
कोर्स 4 - शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में लिंग का एकीकरण	120427	106532	106529
कोर्स 5 - शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में आईसीटी का एकीकरण	124735	104002	103994
कोर्स 6- आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग	122745	99780	99768
कोर्स 7- स्कूल आधारित मूल्यांकन	118598	110377	110377
पाठ्यक्रम 8 - पर्यावरण अध्ययन की शिक्षाशास्त्र	116190	109220	109220
कोर्स 9 - गणित की शिक्षाशास्त्र	119926	109104	109104
कोर्स 10 - सामाजिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	116608	105593	105589
पाठ्यक्रम 11 - भाषाओं की शिक्षाशास्त्र	115523	107333	107330
कोर्स 12 - विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	115089	103597	103594
पाठ्यक्रम 13, स्कूल नेतृत्व: अवधारणाएं और अनुप्रयोग	112808	106886	106886
पाठ्यक्रम 14, स्कूली शिक्षा में पहल	111825	105220	105220
कोर्स 15, पूर्वस्कूली शिक्षा	110772	104469	104469
कोर्स 16, पूर्व व्यावसायिक शिक्षा	111534	106071	106071
पाठ्यक्रम 17, कोविड-19 परिदृश्य: स्कूली शिक्षा में चुनौतियों का समाधान	109447	105096	105096
पाठ्यक्रम 18, अधिकारों को समझना, बाल यौन शोषण (सीएसए) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012	110255	104240	104239

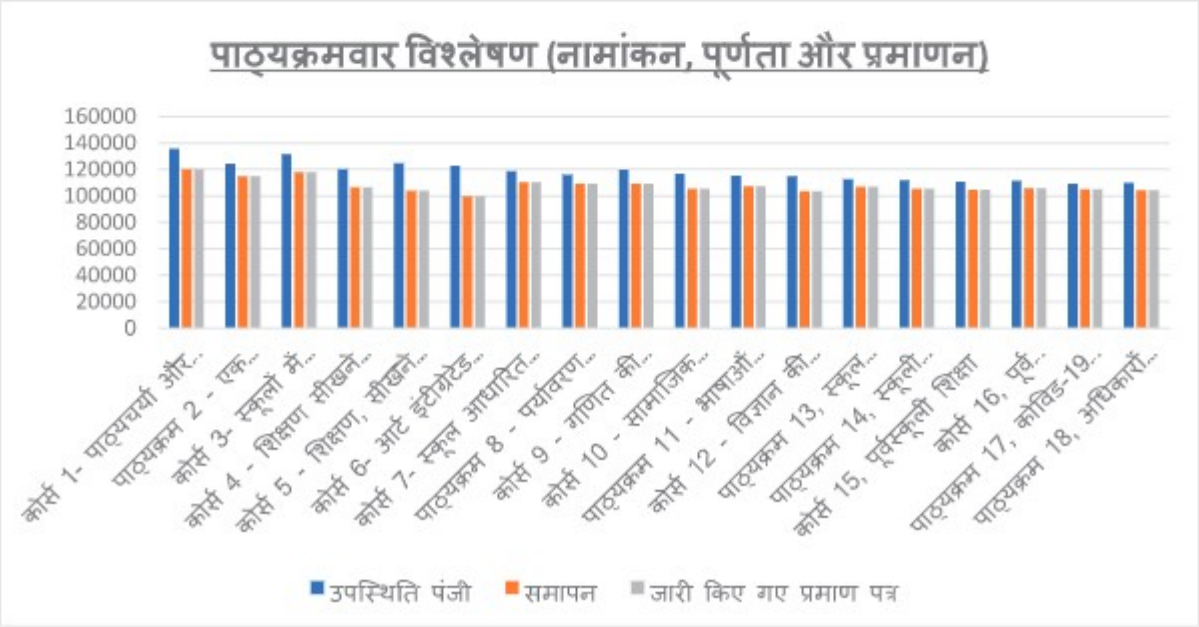

पाठ्यक्रम के अनुसार विश्लेषण - नामांकन (पोर्टल में वास्तविक बनाम गुजरात में शिक्षकों की संख्या): निम्न तालिका नामांकन के पाठ्यक्रम के अनुसार विश्लेषण का प्रतिनिधित्व करती है (गुजरात में शिक्षकों की पोर्टल वी.एस. संख्या में वास्तविक)

कोर्स का नाम	पोर्टल में वास्तविक	गुजरात नामांकन
कोर्स 1- पाठ्यचर्या और समावेशी कक्षाएं	144125	135677
पाठ्यक्रम 2 - एक सुरक्षित और स्वस्थ स्कूल वातावरण बनाने के लिए व्यक्तिगत-सामाजिक गुणों (PSQ) का विकास करना	129451	124347
कोर्स 3- स्कूलों में स्वास्थ्य और कल्याण	137907	131337
कोर्स 4 - शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में लिंग का एकीकरण	124170	120427
कोर्स 5 - शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में आईसीटी का एकीकरण	140908	124735
कोर्स 6- आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग	127037	122745
कोर्स 7- स्कूल आधारित मूल्यांकन	142634	118598
पाठ्यक्रम 8 - पर्यावरण अध्ययन की शिक्षाशास्त्र	127766	116190
कोर्स 9 - गणित की शिक्षाशास्त्र	138837	119926
कोर्स 10 - सामाजिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	128988	116608
पाठ्यक्रम 11 - भाषाओं की शिक्षाशास्त्र	125438	115523
कोर्स 12 - विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	122827	115089
पाठ्यक्रम 13, स्कूल नेतृत्व: अवधारणाएं और अनुप्रयोग	116753	112808
पाठ्यक्रम 14, स्कूली शिक्षा में पहल	114862	111825
कोर्स 15, पूर्वस्कूली शिक्षा	111615	110772
कोर्स 16, पूर्व व्यावसायिक शिक्षा	112881	111534
पाठ्यक्रम 17, कोविड-19 परिदृश्य: स्कूली शिक्षा में चुनौतियों का समाधान	111113	109447
पाठ्यक्रम 18, अधिकारों को समझना, बाल यौन शोषण (सीएसए) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012	110858	110255

नामांकन (पोर्टल में वास्तविक बनाम गुजरात में शिक्षकों की संख्या)

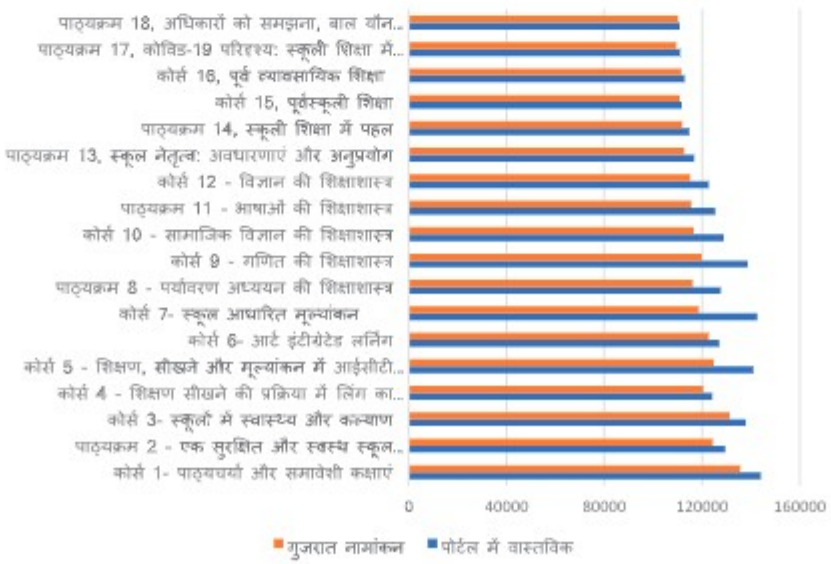

जिलेवार विश्लेषण (नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन): गुजरात राज्य के लिए नामांकन पूर्णता और प्रमाणन का जिलावार विश्लेषण निम्नलिखित है।

S.No	जिले का नाम	Enrolment	Completion	Certification
1	अहमदाबाद	122675	110736	110736
2	अमरेली	49539	44604	44603
3	आनंद	84658	78605	78602
4	अरवली	53269	47436	47436
5	बनासकांठा	143030	127274	127273
6	भरूच	60894	56535	56535
7	भावनगर	102272	93674	93670
8	बोटाड	23188	21246	21246
9	छोटाउदेपुर	64981	59047	59045
10	दाहोद	138531	124895	124894
11	देवभूमि द्वारका	28091	25705	25703
12	गांधीनगर	59568	54455	54455
13	गिर सोमनाथ	50680	46722	46720
14	जामनगर	54709	50710	50709
15	जूनागढ़	50462	46672	46671
16	कच्छ	92285	84314	84313
17	खेड़ा	72884	67061	67061
18	महेसाणा	87222	81621	81621
19	महिसागर	52035	46631	46629
20	मोरबी	33935	31721	31721
21	नर्मदा	25717	23035	23035
22	नवसारी	48202	44214	44212
23	पंच महल	75858	67920	67918
24	पाटन	64353	59409	59407
25	पोरबंदर	10131	8963	8963
26	राजकोट	67614	63226	63224
27	साबरकांठा	63010	57034	57031
28	सूरत	93325	85086	85086
29	सुरेंद्रनगर	85870	78293	78293
30	तापी	33721	30365	30364
31	डांग	10712	9097	9097
32	वडोदरा	67403	61815	61814
33	वलसाड	57018	52190	52190

जिलेवार विश्लेषण (नामांकन, पूर्णता और प्रमाणन)

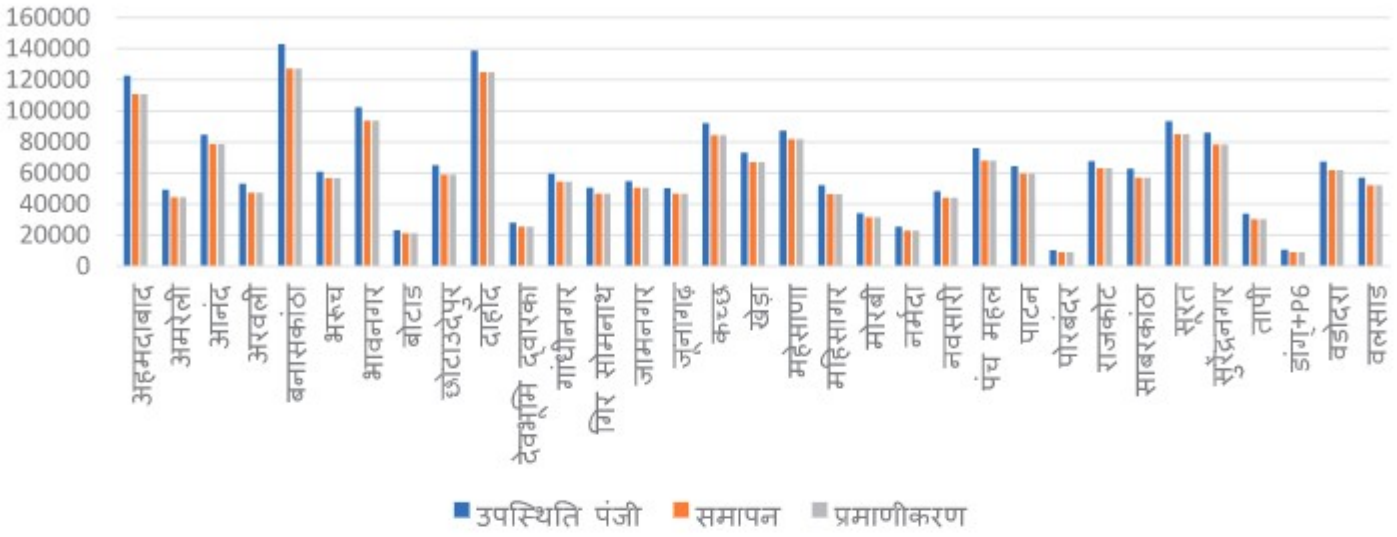

नामांकन में रुझान:

कोर्स का नाम	उपस्थिति पंजी
कोर्स 1- पाठ्यचर्या और समावेशी कक्षाएं	135677
पाठ्यक्रम 2 - एक सुरक्षित और स्वस्थ स्कूल वातावरण बनाने के लिए व्यक्तिगत-सामाजिक गुणों (PSQ) का विकास करना	124347
कोर्स 3- स्कूलों में स्वास्थ्य और कल्याण	131337
कोर्स 4 - शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में लिंग का एकीकरण	120427
कोर्स 5 - शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में आईसीटी का एकीकरण	124735
कोर्स 6- आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग	122745
कोर्स 7- स्कूल आधारित मूल्यांकन	118598
पाठ्यक्रम 8 - पर्यावरण अध्ययन की शिक्षाशास्त्र	116190
कोर्स 9 - गणित की शिक्षाशास्त्र	119926
कोर्स 10 - सामाजिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	116608
पाठ्यक्रम 11 - भाषाओं की शिक्षाशास्त्र	115523
कोर्स 12 - विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	115089
पाठ्यक्रम 13, स्कूल नेतृत्व: अवधारणाएं और अनुप्रयोग	112808
पाठ्यक्रम 14, स्कूली शिक्षा में पहल	111825
कोर्स 15, पूर्वस्कूली शिक्षा	110772
कोर्स 16, पूर्व व्यावसायिक शिक्षा	111534
पाठ्यक्रम 17, कोविड-19 परिदृश्य: स्कूली शिक्षा में चुनौतियों का समाधान	109447
पाठ्यक्रम 18, अधिकारों को समझना, बाल यौन शोषण (सीएसए) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012	110255

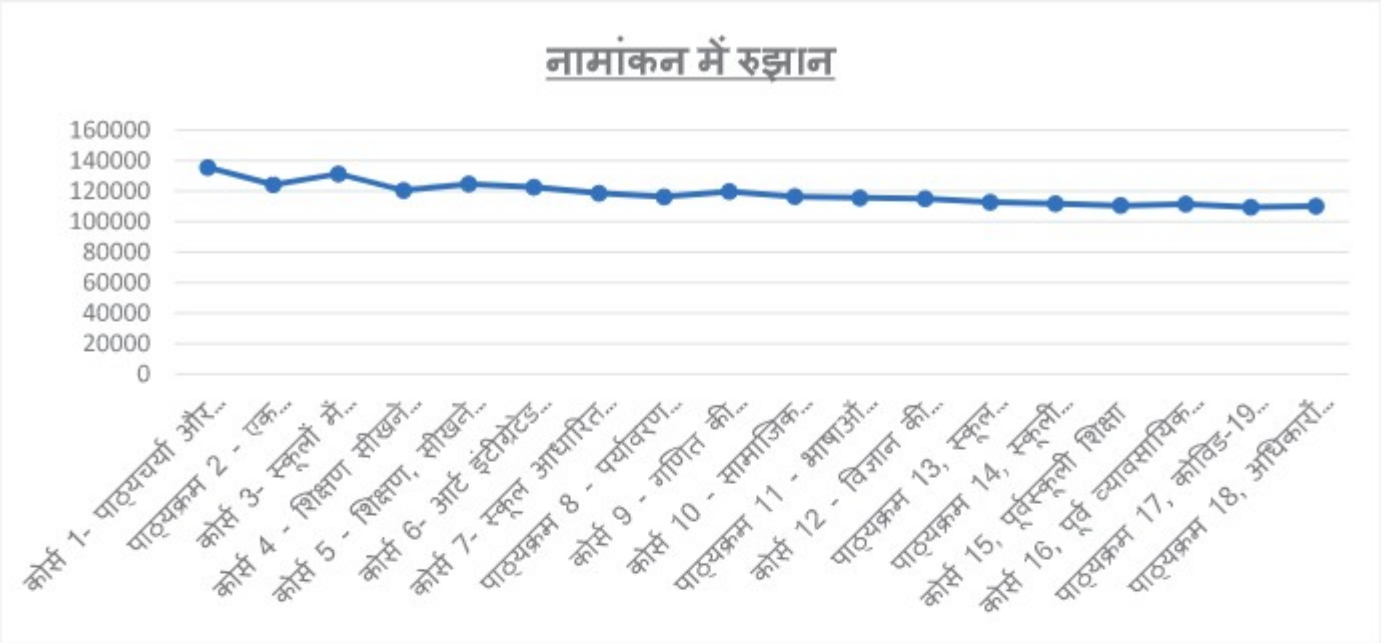
नामांकन में रुझान
160000
140000
120000
100000
80000
60000
40000
20000
0
कोर्स 1- पाठ्यचर्या और...
पाठ्यक्रम 2 - एक...
कोर्स 3- स्कूलों में...
कोर्स 4 - शिक्षण सीखने...
कोर्स 5 - शिक्षण, सीखने...
कोर्स 6- आर्ट इंटीग्रेटेड...
कोर्स 7- स्कूल आधारित...
पाठ्यक्रम 8 - पर्यावरण...
कोर्स 9 - गणित की...
कोर्स 10 - सामाजिक...
पाठ्यक्रम 11 - भाषाओं...
कोर्स 12 - विज्ञान की...
पाठ्यक्रम 13, स्कूल...
पाठ्यक्रम 14, स्कूली...
कोर्स 15, पूर्वस्कूली शिक्षा
कोर्स 16, पूर्व व्यावसायिक...
पाठ्यक्रम 17, कोविड-19...
पाठ्यक्रम 18, अधिकारों...

अध्याय -7

प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)

चूंकि शिक्षा में गुणवत्ता एक प्रमुख चिंता का विषय है और समग्र शिक्षा के उद्देश्यों में से एक है, इसलिए निगरानी बहुत महत्वपूर्ण है। यह भी महत्वपूर्ण है कि सभी स्कूलों का दौरा किया जाए. अतः समग्र शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता संकेतकों को समय-समय पर एकत्र, अद्यतन, सत्यापित और विश्लेषण किया जाता है।

कार्यक्रम के उद्देश्यों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) पर जोर दिया जाता है ताकि थ्रस्ट एरिया की योजना के संदर्भ में स्कूली शिक्षा के परिदृश्य की समीक्षा की जा सके।

समसामयिक संदर्भ में, प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

१. UDISE (एकीकृत जिला सूचना प्रणाली शिक्षा के लिए)

डीआईएसई को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालन की रीढ़ की हड्डी के रूप में माना जाता है। वर्तमान में यूनिफाइड डीआईएसई (यूडीआईएसई) प्रणाली वर्ष 2012 से कक्षा I से XII तक संपूर्ण स्कूली शिक्षा प्रदान करने वाले सभी स्कूलों को कवर करती है। सभी स्कूल स्तर की जानकारी 30 सितंबर को यूडीआईएसई में कक्षा 1 से 12 वीं तक के स्कूलों के लिए वार्षिक रूप से एकत्र की जाती है । आगे बढ़ने पर, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने यूडीआईएसई+ के साथ स्कूली शिक्षा प्रणाली के लिए रीयल-टाइम डेटा रखने की योजना बनाई है ताकि प्रशासन प्रणाली में त्वरित प्रतिबिंब के अनुसार योजना बनाने, निगरानी करने और निर्णय लेने में सक्षम हो सके।

२. आधार सक्षम डीआईएसई - एक चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम जो पूरे राज्य के बच्चे के अनुसार डेटाबेस को कवर करता है

अध्ययन निष्पत्तियों के प्रतिधारण और मूल्यांकन के संदर्भ में बच्चों को ट्रैक करने के लिए जनवरी 2012 में "आधार सक्षम डीआईएसई" नामक एक परियोजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य बच्चों की जानकारी तक त्वरित पहुंच प्रदान करने के लिए छात्रों के डेटाबेस को बनाए रखते हुए कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों को ट्रैक करना है। नामांकन और अकादमिक डेटा के साथ इंटरलिंक करके सिस्टम ने प्रत्येक बच्चे के लिए अपने पूरे अकादमिक करियर में बच्चे को ट्रैक करने के लिए 18 अंकों की अद्वितीय आईडी संख्या निश्चित की है।

सरकारी संकल्प संख्या PRE-1414-4191-K दिनांक 21/11/2013 के तहत स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, माइग्रेशन कार्ड आदि जैसे सभी शैक्षिक दस्तावेजों में विशिष्ट आईडी का उल्लेख करना अनिवार्य है। छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभ के हस्तांतरण के लिए बैंक खातों के विवरण आदि को भी एकीकृत किया गया है।

३. "ज्ञानकुंज" परियोजना - डिजिटल इंटरएक्टिव क्लास

ज्ञानकुंज-डिजिटल इंटरएक्टिव क्लास, प्रोजेक्टर, इंटरएक्टिव इन्फ्रारेड कैमरा, लैपटॉप, स्पीकर, व्हाइटबोर्ड, वाई-फाई राउटर एक्सटेंडर आदि जैसे तकनीकी उपकरणों की मदद से कक्षा की अंतःक्रियाशीलता और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए एक स्कूल डिजिटलाइजेशन कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य सीखने-सिखाने और मूल्यांकन की प्रक्रिया सुदृढ़ करना है ।

गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 5 सितंबर, 2017 को शिक्षक दिवस के दिन "ज्ञानकुंज" परियोजना की पहल शुरू की गई है - जिसका उद्देश्य डिजिटल इंडिया की दृष्टि से प्रेरित डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में गुजरात सरकार के प्रयासों में तेजी लान है। यह परियोजना 5268 सरकारी प्राथमिक स्कूलों में लागू की गई है, जिसमें कक्षा V से VIII की 15,173 कक्षाओं में प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए स्मार्ट बोर्ड के साथ इंटरैक्टिव ई-क्लास विकसित किया गया है। लगभग। कक्षा V से VIII तक के 10 लाख से अधिक छात्र इस पहल का लाभ उठा रहे हैं।

४. स्कूल निगरानी आवेदन (ऑनलाइन बीआरसी/सीआरसी समन्वयक निगरानी प्रणाली)

परिचय:

एसएमए फील्ड स्तर के कर्मचारियों सीआरसी समन्वयकों और बीआरसी समन्वयकों को सशक्त बनाता है और प्रभावी निर्णय लेने के लिए जीपीएस-आधारित वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करता है, जो आज अत्यंत महत्वपूर्ण है। एसएमए स्कूल की सुविधाओं जैसे बुनियादी ढांचे, आईसीटी उपकरण, बजट, फर्नीचर, स्वच्छता सुविधाओं आदि के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ स्कूलवार छात्र नामांकन, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का विवरण प्राप्त करता है, जिससे यह एक व्यापक स्कूल निगरानी प्रणाली बन जाता है।

प्रत्येक बीआरसी/सीआरसी समन्वयक को इस एप्लिकेशन के माध्यम से स्कूल की निगरानी के लिए टैबलेट प्रदान किए जाते हैं। रीयल-टाइम डैशबोर्ड को बीआरसी/सीआरसी के दौरों और सीआरसी/बीआरसी द्वारा उनके स्कूल के दौरों के दौरान भरे गए डेटा के आधार पर रीयल-टाइम डेटा रिपोर्ट की निगरानी के लिए विकसित किया गया है।

एसएमए प्रमुख स्कूल संचालन के प्रबंधन के लिए एक मंच प्रदान करता है और इस तरह स्कूल, शिक्षक, छात्र, अकादमिक, गैर-शैक्षणिक, योजना और अन्य प्रशासनिक डेटा को एक प्रारूप में कैप्चर करने में सक्षम बनाता है जो बेहतर निर्णय लेने और प्रभावी स्कूल शासन में सहायता करता है।

प्रासंगिक तंत्र:

स्कूल मॉनिटरिंग एप में निम्नलिखित दो भाग शामिल हैं:

१. **सूचना भाग:** स्कूलों की संख्या, नामांकन, शिक्षकों, उपस्थिति, गुणोत्सव, आकलन, परिवहन और अन्य शैक्षिक संकेतकों सहित क्लस्टर विवरण

२. **निरीक्षण भाग:** स्कूल का दौरा और कक्षा अवलोकन प्रारूप

पहल का कवरेज

- राज्य स्तर: शिक्षा विभाग, सीसीसी
- जिला स्तर: 37 जिला परियोजना कार्यालय (डीपीईओ-डीईओ), जिला- एमआईएस
- ब्लॉक स्तर: 265 बीआरसी
- क्लस्टर स्तर: 3247 सीआरसी
- स्कूल स्तर: 35000+ स्कूल

५. दिव्यान एप्लीकेशन

परिचय:

यह जिला समन्वयकों, विशेष शिक्षक (एसई) द्वारा क्लस्टर और स्कूल स्तर पर उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्राप्त परिणामों की निगरानी के लिए जियो-टैगिंग सुविधा के साथ एक निगरानी एप है। इस उद्देश्य से प्रत्येक विशेष शिक्षक को एक टैबलेट दिया गया है,

जिसके माध्यम से सिस्टम जनित टूर-डेयरी के अनुसार स्कूलों, संसाधन कक्षों और सीडब्ल्यूएसएन के घर में उनके दौरे को ट्रैक किया जा रहा है।

प्रासंगिक तंत्र:

ऐप में तीन मॉड्यूल शामिल हैं-

1) सूचना 2) निगरानी और 3) व्यक्तिगत शिक्षा निम्नलिखित विशेषताओं के साथ :

दिव्यांग बच्चे का सर्वेक्षण फॉर्म, नामांकन और उपस्थिति के माध्यम से विकलांगता-वार पहचान

विकलांगता-वार चिकित्सा और यूडीआईडी प्रमाणन स्थिति

एड्स और उपकरणों की स्थिति

दिव्यांग बच्चों को लाभों के आवंटन की स्थिति (जैसे लड़कियों का वजीफा, परिवहन और अनुरक्षण भत्ता, आदि)

व्यक्तिगत शिक्षा योजना और दिव्यांग बच्चों द्वारा सीखने के परिणामों की उपलब्धि पर प्रगति

ज्ञान भण्डार के माध्यम से विशेष शिक्षकों का क्षमता निर्माण

समावेशी स्कूल के बुनियादी ढांचे का विवरण

संसाधन कक्ष- चिकित्सक का दौरा, दिव्यांग बच्चों की उपस्थिति और इन्वेंटरी चेकलिस्ट

परिपत्र और सूचनाएं

एसई के स्कूल, कक्षा, संसाधन कक्ष और गृह भ्रमण अवलोकन प्रपत्र

६. ऑनलाइन एचआरएमएस

परिचय:

13000+ कर्मचारियों को प्रबंधित करने के लिए मौजूदा पेपर आधारित एचआरएमएस प्रणाली को केंद्रीकृत और डिजिटाइज़ करने के लिए समग्र शिक्षा प्रक्रियाधीन है।

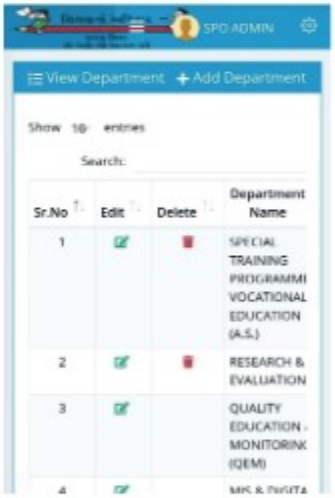

प्रासंगिक तंत्र:

ऑनलाइन एचआरएमएस सिस्टम के कुछ मॉड्यूल नीचे दिए गए हैं;

- कार्मिक प्रबंधन
- भर्ती
- छुट्टी और उपस्थिति प्रबंधन
- कर्मचारी स्वयं सेवा प्रबंधन
- निष्पादन प्रबंधन
- पेरोल और कर्मचारी लाभ प्रबंधन
- विभिन्न रिपोर्ट

पहल का कवरेज

- राज्य स्तर: शिक्षा विभाग
- जिला स्तर: 37 जिला परियोजना कार्यालय (डीपीईओ-डीईओ), जिला। - एमआईएस
- ब्लॉक स्तर: 265 बीआरसी
- क्लस्टर स्तर: 3247 सीआरसी

७. SaralData ऐप - स्कैनिंग के माध्यम से मूल्यांकन के छात्रवार अंक प्राप्त करना

समग्र शिक्षा कक्षा 3 से 9 के लिए साप्ताहिक आधार पर आवधिक मूल्यांकन परीक्षा (पीएटी) आयोजित कर रही है। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक छात्र को पीएटी उत्तर पुस्तिकाएं प्रदान की जाती हैं। शिक्षकों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा रहा है और अंक प्रदान किए जा रहे हैं। समग्र शिक्षा ने इस डेटा को कैप्चर करने और लर्निंग आउटकम के साथ मैप करने के लिए एक पहल की है। इसके लिए एक एप्लिकेशन विकसित किया गया है जो शिक्षक को अंकन प्रणाली के लिए मुद्रित ओएमआर शीट को स्कैन करने की अनुमति देता है और इस एप्लिकेशन के माध्यम से प्रत्येक परीक्षा के लिए ओएमआर शीट में शिक्षकों द्वारा चिह्नित 7 अंकों के छात्र कोड और स्कोर को कैप्चर करन होता है। इस एप्लिकेशन के माध्यम से राज्य में लर्निंग आउटकम के साथ मैप किए गए पीएटी में प्राप्त छात्र स्कोर का संपूर्ण वास्तविक समय डेटाबेस बनाया गया है। इन आंकड़ों का विश्लेषण छात्रों के सीखने की प्रगति में अंतर का पता लगाने के लिए किया जा रहा है जो राज्य को उन छात्रों के लिए उपचारात्मक योजना बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बढ़ाने के लिए पहल करने में मदद करता है।

८. स्कूलों और डेटा डैशबोर्ड के लिए कमान और नियंत्रण केंद्र (सीसीसी)

लर्निंग आउटकम में सुधार करने के लिए, स्कूल शिक्षा विभाग, गुजरात ने हाल के वर्षों में जीपीएस मैपिंग के माध्यम से दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति, केंद्रीकृत मूल्यांकन, स्कूल मान्यता, होम लर्निंग , और फील्ड स्टाफ की ऑनलाइन वास्तविक समय निगरानी जैसी प्रौद्योगिकी और डेटा-संचालित पहलों को लागू किया है।

इन सभी पहलों के माध्यम से सालाना 400 करोड़ से अधिक डेटा पॉइंट तैयार किए जा रहे हैं और इन आंकड़ों को व्यवस्थित करने, प्रमाणित करने, विश्लेषण करने और विज़ुअलाइज़ करने के उद्देश्य से, साथ ही राज्य में प्रत्येक स्कूल की रीयल-टाइम ऑनलाइन निगरानी करने के लिए, सीखने और शासन में सुधार के लिए

प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की राष्ट्रीय शिक्षा नीति सिफारिशों के अनुरूप शिक्षा विभाग ने स्कूलों के लिए अपनी तरह का पहला कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) गांधीनगर, गुजरात में स्थापित किया है। ।

राज्य की सभी प्रमुख प्रौद्योगिकी संचालित पहलों के लिए तंत्रिका केंद्र के रूप में कार्य करते हुए, सीसीसी विभिन्न हितधारकों को डेटा का एक एकीकृत दृष्टिकोण प्राप्त करने और राज्य में लर्निंग आउटकम में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार देता है। डेटा-संचालित निर्णय लेने को अगले स्तर पर ले जाते हुए, शिक्षा विभाग ने देश का पहला **राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एनडीईएआर) ढांचा आधारित, समग्र स्कूल शिक्षा डैशबोर्ड - 'स्कूल उत्कृष्टता डैशबोर्ड'** बनाया है। डैशबोर्ड उपयोगकर्ताओं को 40,000 स्कूलों के लिए राज्य स्तर पर 70 लाख+ छात्रों के लिए व्यक्तिगत छात्र स्तर पर डेटा देखने की सुविधा प्रदान करता है।

जबकि स्कूलों के लिए कमांड एंड कंट्रोल सेंटर ने हितधारकों के बीच डेटा एनालिटिक्स और निर्बाध संचार का प्रभावी उपयोग

सुनिश्चित किया, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर 2.0 (सीसीसी 2.0) राज्य के लिए अपने मिशन को स्कूली शिक्षा से सीखने में सक्षम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक होगा। सीसीसी 2.0 उद्देश्य डेटा विश्लेषण और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि, भविष्य की तैयारी के लिए योजना बनाने वाला विश्लेषण और हितधारकों के बीच निर्बाध संचार के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह जवाबदेही तय करेगा और पहचान किए गए अंतर को पाटने के लिए हितधारकों को सहायता प्रदान करेगा।

९. महामारी के समय में छात्रों को सीखने की निरंतरता और मनोसामाजिक सहायता सुनिश्चित करने की पहल

डीडी गिरनार पर 'होम लर्निंग इनिशिएटिव'

चूंकि टीवी एक ऐसा माध्यम है, जिस तक बड़ी संख्या में छात्रों की पहुंच है, इसलिए यह निर्णय लिया गया कि डीडी गिरनार चैनल पर पहले से रिकॉर्ड किए गए शिक्षण वीडियो का प्रसारण किया जाना चाहिए, जिसे छात्र घर पर देख सकते हैं। इसके लिए, समग्र शिक्षा, जीसीईआरटी और स्कूलों के आयुक्तालय ने सामूहिक रूप से पहली से 12 वीं कक्षा के लिए शिक्षण-शिक्षण वीडियो बनाने का निर्णय लिया और डीडी गिरनार के साथ साझेदारी स्थापित की गई, जहां पूर्व-निर्धारित समय के अनुसार टीवी पर तीन घंटे की सीखने की सामग्री का प्रसारण किया गया था- टेबल।

पहले यह पहल कक्षा 3 से 12 वीं के छात्रों के लिए थी, लेकिन बाद में कक्षा 1 और 2 को भी शामिल किया गया और माता-पिता को सलाह दी गई कि वे शुरुआती ग्रेड के प्रसारण के दौरान छात्रों से जुड़ें ताकि यह पता चल सके कि 6 वर्ष की आयु के बच्चे कैसे हैं- 7 साल की सुविधा हो सकती है। डीडी गिरनार के प्रसारण के माध्यम से लगभग 48 लाख छात्रों को कवर किया गया। डीडी गिरनार में नियमित कक्षाओं के अलावा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्य सहगामी गतिविधियों को भी शामिल किया है

क्षेत्रीय समाचार चैनलों के माध्यम से टीवी ट्यूटोरियल

राज्य ने टेलीविजन चैनलों के माध्यम से उच्च प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए लाइव और रिकॉर्डेड पाठ की व्यवस्था की। वार्षिक परीक्षाओं से पहले छात्रों को पर्याप्त पुनरीक्षण और अभ्यास की पेशकश करने के उद्देश्य से, 13 समाचार चैनलों के सहयोग से एक व्यवस्थित कार्यक्रम की योजना बनाई गई थी।

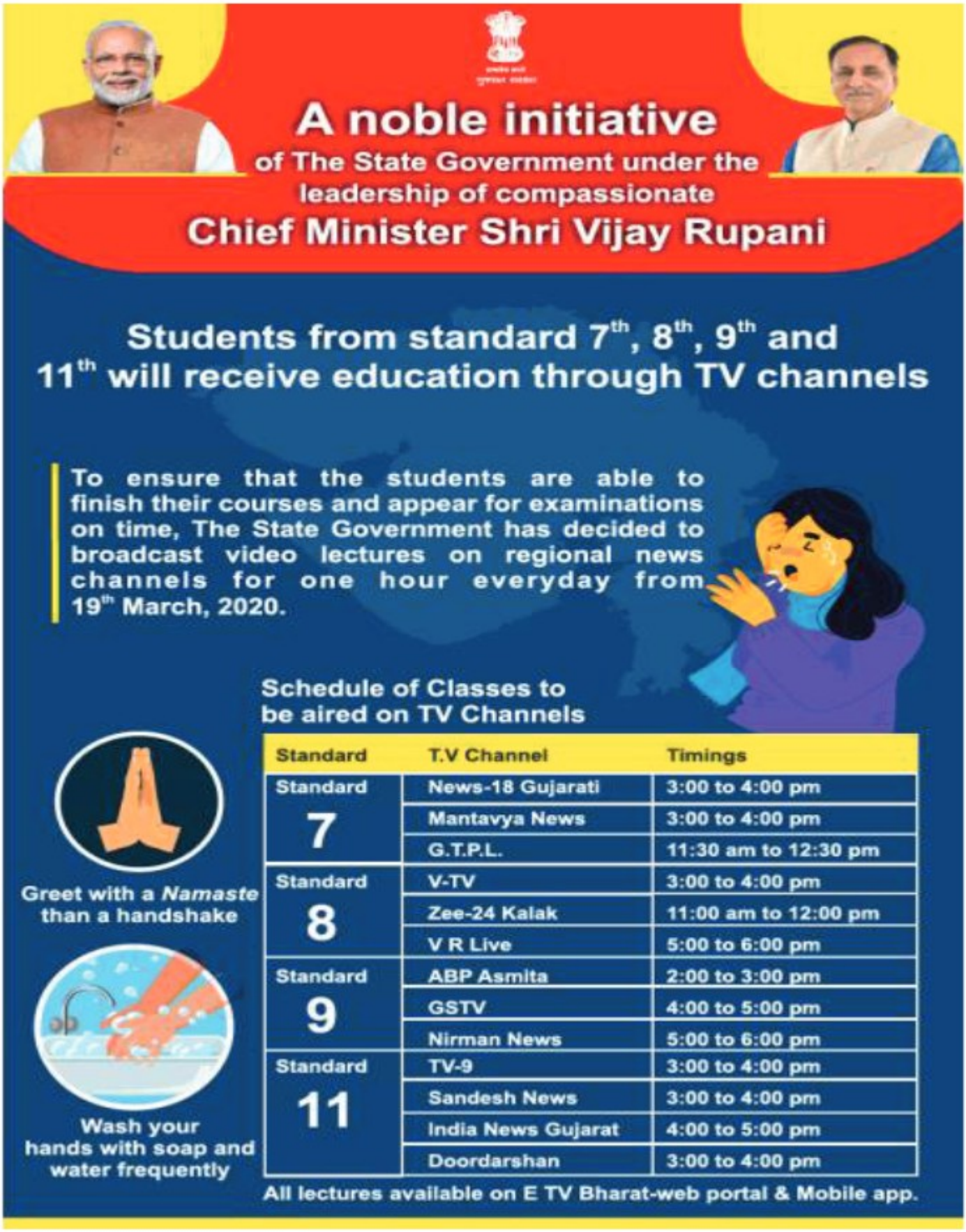

घर से अध्ययन

अंग्रेजी, गणित, गुजराती विषयों को कवर करते हुए कक्षा III से IX के छात्रों के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से छह सप्ताह तक चलने वाला शिक्षण अभियान चलाया गया। साप्ताहिक असाइनमेंट को बीआरसी और सीआरसी के साथ साझा किया गया था और उन असाइनमेंट को शिक्षकों के माध्यम से 3200 व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से अभिभावकों तक पहुंचाया गया था। जिन माता-पिता के पास फोन नहीं है, उनके लिए शिक्षकों ने यह सुनिश्चित किया कि असाइनमेंट पड़ोसियों या यहां तक कि गांव के सरपंच के माध्यम से पहुंचाए जाएं।

डिजिटल संसाधनों तक छात्रों की पहुंच का आकलन

समग्र शिक्षा ने सभी छात्रों की पहुंच को सीखने के विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे - टीवी, स्मार्ट फोन, सामान्य मोबाइल, टैबलेट, रेडियो या इनमें से कोई भी पर मैप करने का एक ऑनलाइन सर्वे आयोजित किया। सर्वे का उद्देश्य उन छात्रों के प्रतिशत को समझना था जिनके पास किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं है और उन छात्रों के लिए विशेष हस्तक्षेप की योजना और कार्यान्वयन है जो कोविड -19 स्थिति में सबसे कमजोर हैं। डिवाइसेस वाले छात्र (एसडब्ल्यूडी) और बिना डिवाइस वाले छात्र (एसडब्ल्यूओडी) और इसके आधार पर, होम लर्निंग प्रोग्राम को आगे डिजाइन किया गया था। सर्वेक्षण के निष्कर्ष में कहा गया है कि 6% बच्चे ऐसे हैं जिनके पास कोई डिजिटल उपकरण नहीं है।

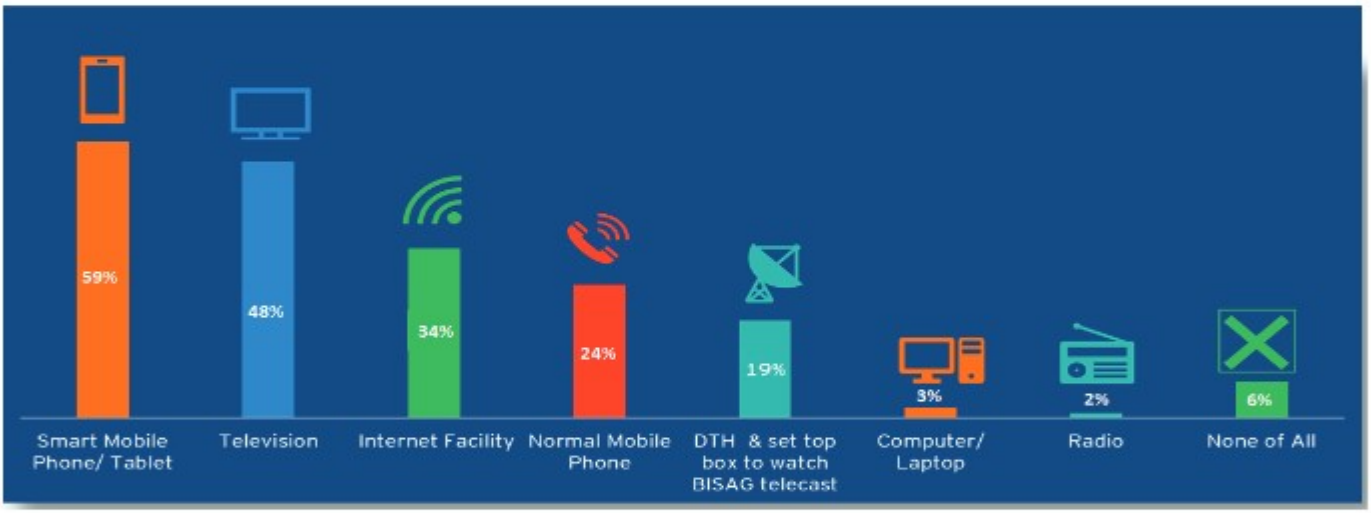

डिवाइस तक पहुंच वाले छात्रों के लिए पहल

क्षेत्रीय समाचार चैनलों के माध्यम से डीडी गिरनार और टीवी ट्यूटोरियल पर होम लर्निंग इनिशिएटिव'

समग्र शिक्षा, जीसीईआरटी और स्कूलों के आयुक्तालय ने सामूहिक रूप से कक्षा 1 से 12 वीं के लिए शिक्षण-शिक्षण वीडियो बनाने का निर्णय लिया और डीडी गिरनार के साथ साझेदारी स्थापित की गई, जहां पूर्व-निर्धारित समय सारिणी के अनुसार टीवी पर तीन घंटे की शिक्षण सामग्री का प्रसारण किया गया। सामग्री को बीआईएसएजी में रिकॉर्ड किया जा रहा था और मासिक पाठ्यक्रम के साथ मैप किया जा रहा था। डीडी गिरनार टेलीकास्ट के माध्यम से लगभग 48 लाख छात्रों को कवर किया गया था। सप्ताह के अंत में प्रसारण के दौरान सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों को कवर किया गया था।

माइक्रोसॉफ्ट टीमों के माध्यम से छात्रों के साथ आभासी कक्षाएं

जिन छात्रों के पास इंटरनेट और स्मार्ट फोन तक पहुंच थी, उनके लिए यह महसूस किया गया कि लाइव क्लास लेना मददगार होगा। इसके लिए प्रति क्लस्टर स्तर पर 15 शिक्षक (तकनीकी विशेषज्ञ और जो डिजिटल रूप से पढ़ाने के इच्छुक थे) बनाए गए और शिक्षकों को आभासी कक्षाओं के संचालन के लिए 'टीम' प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। लगभग 45000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था, और आभासी कक्षाओं के संचालन की सुविधा के लिए उनकी आईडी तैयार की गई थी। आभासी कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने के लिए 10 लाख से अधिक छात्रों के लिए टीम आईडी भी तैयार की गई थी।

शैक्षणिक सत्र के बाद के भाग के दौरान, सभी शिक्षकों को वर्चुअल कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया गया और लगभग सभी 2.5 लाख शिक्षकों और 50 लाख छात्रों के लिए टीम की आईडी और पासवर्ड बनाए गए।

विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से वर्चुअल क्लास लाइव करें

DIKSHA, YouTube, Facebook, JIO TV, MS Team आदि के माध्यम से लाइव वर्चुअल क्लासेस का आयोजन किया गया । YouTube ई-क्लास चैनल पर 57.3 मिलियन व्यूज के साथ 3.94 लाख + सब्सक्राइबर बने। स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड और लाइव स्ट्रीमिंग सेटअप (4 स्टूडियो) के माध्यम से चैट और शिक्षण के माध्यम से छात्रों के साथ विशेषज्ञों की लाइव बातचीत आयोजित की गई। साप्ताहिक ऑनलाइन परीक्षा Google फॉर्म के माध्यम से आयोजित की जाती थी। दर्शकों के बीच DIKSHA को बढ़ावा देने के लिए लाइव स्ट्रीम किए गए वीडियो के लिए DIKSHA लिंक साझा किए गए। जून'20 से दीक्षा प्लेटफॉर्म पर डायरेक्ट प्ले में गुजरात नंबर 1 है।इसमें ईटीबी प्ले: 1.63+ करोड़, कोर्स प्ले:13.99+ करोड़, डायरेक्ट प्ले: 2.72+ करोड़, कंटेंट प्ले: 18.35+ करोड़है।

कक्षा 10 और 12 के लिए हेल्पलाइन

कक्षा १० और १२ के छात्रों के लिए आईवीआरएस आधारित हेल्प लाइन को संदेह के स्पष्टीकरण के लिए विकसित किया गया था। कक्षा 10 और 12 के छात्रों के लिए निरंतर सीखने और परीक्षा की तैयारी के लिए कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया संदेह स्पष्टीकरण एवं सहायता प्रदान की गई।

कक्षा 3 से 5 के लिए "प्रश्न उकेलो इनाम मेल्वो ", सीखने पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए आईवीआरएस आधारित प्रणाली

नवंबर-दिसंबर के महीने में, एक प्रणाली लागू की गई है जहां छात्रों के साथ एक नंबर साझा किया गया था ताकि वे घर पर शिक्षण वीडियो में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर को कॉल कर के साझा कर सकें। सही उत्तर देने वाले दस सर्वश्रेष्ठ छात्रों को सही उत्तर देने वाले चैंपियनों के दैनिक बनाए गए डिजिटल पोस्टर के माध्यम से पुरुस्कृत किया गया और उन्हें प्रेरित करने के लिए उन्हें सीसीसी से बुलाया गया है। रोजाना 3,000 से 4,000 कॉल आते थे।

ZONE	WHATSAPP NUMBER	DISTRICT
Central	8595524523	Ahmedabad, Amc, Anand, Dohad, Gandhinagar, Kheda, Mahisagar, Panch Mahals
North & Kutchh	8595524501	Banaskantha, Kachchh, Mahesana, Patan, Aravalli, Sabar Kantha
Saurashtra	8595524502	Amreli, Bhavnagar, Botad, Devbhoomi Dwarka, Gir Somnath, Jamnagar ,Junagadh, Morbi, Porbandar, Rajkot, Rajkot Corporation, Surendranagar
South	8595524503	Bharuch, Chhotaudepur, Narmada, Navsari, Surat, Surat Corpo., Tapi, The Dangs, Vadodara, Vadodara Corporation, Valsad

स्व-मूल्यांकन कार्यक्रम

व्यापक मूल्यांकन करने के लिए, एक और पहल लागू की गई है जहां छात्रों के साथ एक व्हाट्सएप नंबर साझा किया गया , जिस पर उन्हें पढ़ाए गए विषय पर प्रश्न मिलते हैं और वे चैट में एक-एक करके प्रतिक्रियाएं प्रदान करते हैं। इस प्रणाली की कुछ विशेषताएं स्वचालित हैं। छात्रों की प्रगति, प्रदर्शन, भ्रांतियों का आकलन और उनके प्रदर्शन के आधार पर छात्रों को उपचारात्मक वीडियो लिंक भेजना आदि । स्कूल

के शिक्षकों को उनके छात्रों के प्रदर्शन रिपोर्ट दी जाती है जिसके माध्यम से वे एक आभासी / वास्तविक कक्षा में शिक्षण प्रक्रिया को जांचने के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और शैक्षणिक सिफारिशों का उपयोग कर सकते हैं। कोविड-19 के दौरान कुल 15 लाख छात्रों का पंजीकरण किया गया और 102 परीक्षण किए गए।

विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा

विशेष आवश्यकता वाले छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न विषयों पर विशेष शिक्षकों (एसई) द्वारा 2500+ विकलांगता-वार वीडियो बनाए गए। SE ने 86K + दिव्यांग छात्रों का विवरण पंजीकृत किया है, जिनमें से 14K + छात्रों के लिए IEPs भी अब तक दिव्यान ऐप का उपयोग करके अपडेट किए गए हैं, उन्होंनेदिव्यांग बच्चे को मानसिक-सामाजिक-भावनात्मक सहायता भी प्रदान की गई है। माध्यमिक स्तर के HI छात्रों के लिए भारतीय मानक में होम लर्निंग वीडियो तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सांकेतिक भाषा में विडिओ का विकास हुआ। दिव्यांग बच्चे और उनके माता-पिता को मनोसामाजिक और चिकित्सा सहायता पर परामर्श देने के लिए एसई द्वारा घर का दौरा किया गया था। 7 जिलों और 1 नगर निगम में पात्र 17,265 दिव्यांग बच्चे को सहायता और 25,868 उपकरणों का वितरण किया गया।

अध्याय -8

एसएमसी/एसएमडीसी प्रशिक्षण

आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 21 गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को छोड़कर सभी स्कूलों में एक स्कूल प्रबंधन समिति के गठन और कार्यों के लिए अनिवार्य बनाती है। इन एसएमसी के सदस्य मुख्य रूप से एक ही स्कूल में नामांकित बच्चों (75%) के माता-पिता हैं। समिति के सदस्यों में 50% महिलाएं होनी चाहिए। धारा 22 में स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा स्कूल विकास योजना (एसडीपी) तैयार करने का प्रावधान है। इसलिए, मोटे तौर पर एसएमसी से स्कूल के कामकाज की निगरानी करने, स्कूल विकास योजना तैयार करने और सिफारिश करने और सरकार, या स्थानीय प्राधिकरण, या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान के उपयोग की निगरानी करने की अपेक्षा की जाती है। एसएमसी को हर दो साल में गठित करने की आवश्यकता होती है।

स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की संरचना

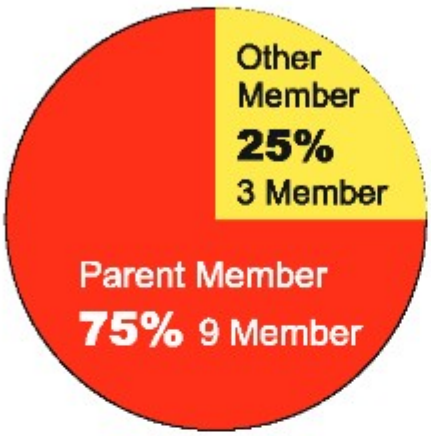

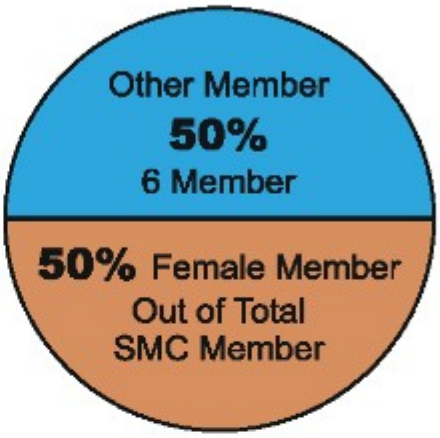

स्कूल प्रबंधन और विकास समिति की संरचना

स्कूल प्रबंधन और विकास समिति की संरचना		
1	अध्यक्ष	विद्यालय के प्रधानाचार्य या प्रभारी प्राचार्य
2	सदस्य	स्कूल के वाइस प्रिंसिपल
3	सदस्य	विज्ञान से संबंधित एक शिक्षक
4	सदस्य	सामाजिक विज्ञान से संबंधित एक शिक्षक
5	सदस्य	गणित से संबंधित एक शिक्षक
6	सदस्य	अभिभावक शिक्षक संघ का एक पुरुष सदस्य
7	सदस्य	मदर्स टीचर्स एसोसिएशन की एक महिला सदस्य
8	सदस्य	स्थानीय नगरीय वार्ड/पंचायत के 2 सदस्य स्थानीय स्वशासी निकाय द्वारा नियुक्त किये जायेंगे।
9	सदस्य	माता-पिता शिक्षक संघ और मातृ शिक्षक संघ से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का सदस्य
10	सदस्य	ग्राम शिक्षा समिति के 2 सदस्यों की नियुक्ति ग्राम शिक्षा समिति द्वारा की जायेगी। जिसमें से 1 सदस्य स्थानीय प्राथमिक विद्यालय का प्राचार्य होगा।
11	सदस्य	विद्यालय से जुड़ी ग्राम शिक्षा विकास समिति के एक सदस्य
12	सदस्य	जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा उचित प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 3 सदस्य (विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कला/सांस्कृतिक/उद्योग में पिछली भूमिकाओं में से प्रत्येक से एक विशेषज्ञ)

स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की प्रमुख भूमिकाएँ

एसएमसी को स्कूल के कामकाज की निगरानी करनी चाहिए, उपयुक्त सरकार या स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान के उपयोग की निगरानी करनी चाहिए, और ऐसे अन्य कार्यों को करना चाहिए जो निर्धारित किए जा सकते हैं,

प्रत्येक एसएमसी स्कूल विकास योजना तैयार करेगी; स्कूल विकास योजना स्कूल के बुनियादी ढांचे के लिए आवश्यक मानव संसाधन की जानकारी, शिक्षा की गुणवत्ता, समानता, स्कूल से बाहर के बच्चों की शिक्षा, स्कूल प्रबंधन, मध्याह्न भोजन आदि पर केंद्रित होगी ।

स्कूल प्रबंधन और विकास समिति (एसएमडीसी) की प्रमुख भूमिकाएँ

इस समिति की जिम्मेदारियां इस प्रकार हैं:

- स्कूल स्तर की योजना
- UDISE के तहत डेटा का संग्रह
- राज्य योजनाओं का कार्यान्वयन
- स्कूल स्तर पर निगरानी और मूल्यांकन
- योजना के सभी घटकों/हस्तक्षेपों पर सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई करना- स्कूल स्तर पर ढांचागत, शैक्षणिक और अन्य
- स्कूल स्तर पर योजना के सभी घटकों/हस्तक्षेपों का मूल्यांकन और सुधारात्मक / उपचारात्मक कार्रवाई करना - ढांचागत के साथ-साथ अकादमिक और अन्य कार्य स्कूल प्रबंधन और विकास समिति (एसएमडीसी) के दायरे में आता है।
- एसएमडीसी स्कूल स्तर पर योजना के सभी घटकों के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी करती है। समिति आवर्ती और अनावर्ती व्यय के लिए सभी प्रासंगिक रिकॉर्ड रखती है।
- इन अभिलेखों को नियमित आधार पर अद्यतन किया जाता है और प्रत्येक बैठक में समिति के समक्ष रखा जाता है।
- योजना के प्रत्येक घटक/हस्तक्षेप पर इन अभिलेखों और प्रगति को पंचायत की बैठकों में भी रखा जाता है।
- एसएमडीसी योजना के विभिन्न घटकों पर आवर्ती व्यय, आवश्यक सुविधाओं और पाठ्य पुस्तकों आदि की उपलब्धता, शिक्षकों की उपस्थिति सहित शिक्षा की स्थिति, छात्रों की उपस्थिति, शिक्षकों और छात्रों के आचरण, गुणवत्ता पहलुओं, स्कूल में और उसके आसपास कानून और व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण करती है। स्कूल परिसर, छात्रों के स्वास्थ्य की स्थिति और छात्रों का टीकाकरण, लड़कियों, एससी, एसटी, बीपीएल परिवारों के बच्चों और शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों आदि के सामने आने वाली समस्याओं जैसे पहलूओ का भी निरिक्षण करती है ।

गुजरात राज्य में एसएमसी/एसएमडीसी की स्थिति

- हर साल 33365 स्कूलों और 400380 एसएमसी सदस्यों और 1670 स्कूलों और 25050 एसएमडीसी सदस्यों के लिए तीन दिनों के प्रशिक्षण का प्रावधान है। कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2020-21 में समग्र शिक्षा गुजरात ने सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए तीन चरणों में प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया।
- समग्र शिक्षा गुजरात ने 14, 15 और 16 जुलाई 2020 को टेलीकांफ्रेंस के माध्यम से एसएमसी और एसएमडीसी सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले चरण का आयोजन किया है। सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए हर दिन 4 से 5 एसएमसी/एसएमडीसी सदस्यों को स्कूल बुलाया जाता था। 30 मिनट का प्रशिक्षण सत्र किया गया जिसमे एएसपीडी,

सचिव समग्र शिक्षा और राज्य ओआईसी कम्युनिटी मोबिलाइजेशन शाखा द्वारा एसएमसी / एसएमडीसी की भूमिका पर, घर में सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने और छात्रों के संक्रमण में सुधार के साथ-साथ सावधानियों का पालन करने के लिए और कोविड -19 महामारी पर जागरूकता शामिल है।

- ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र के दौरान, प्राथमिक विद्यालय, हाडगुड, जिला आणंद के एसएमसी द्वारा अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को एसएमसी सदस्यों द्वारा साझा किया , जहां उन्होंने बताया कि कैसे एसएमसी " वली जागृति अभियान " के माध्यम से एसएमसी समुदाय को संगठित करती है और कोविद 19 महामारी के दौरान छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में मदद करती है।
- प्रशिक्षण के दूसरे चरण को 26th , 27th और 28th अक्टूबर 2020 आयोजित किया गया था और प्रशिक्षण के तीसरे चरण को 16th और 19th मार्च 2021 को BISAG के माध्यम से प्रसारित किया गया था

अध्याय -9

व्यावसायिक शिक्षा

'समग्र शिक्षा गुजरात - स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना', एक केंद्र प्रायोजित योजना की छत्रछाया में स्कूली शिक्षा के व्यावसायीकरण की योजना को लागू कर रहा है। यह योजना अर्थव्यवस्था और वैश्विक बाजार के विभिन्न क्षेत्रों के लिए शिक्षित, रोजगार योग्य और प्रतिस्पर्धी मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से व्यावसायिक शिक्षा को सामान्य शैक्षणिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने का प्रयास करती है। इस योजना के तहत समग्र शिक्षा, गुजरात कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसका उद्देश्य छात्रों को एक क्षेत्र में विभिन्न व्यवसायों के लिए आवश्यक कौशल के साथ खुद को उन्मुख करने के अवसर प्रदान करना है। समग्र शिक्षा, गुजरात सरकार भी राज्य के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयो में कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों के लिए व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम लागू कर रही है। ।

योजना का उद्देश्य

माध्यमिक विद्यालय स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य शिक्षा को व्यावहारिक और प्रासंगिक बनाना और इस अंतर को पाटना है।

इस योजना का उद्देश्य उद्योग संचालित इनपुट और एक्सपोजर के कारण इन पाठ्यक्रमों से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की रोजगार क्षमता में सुधार करना है।

मुख्य धारा की शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण छात्रों के सीखने के परिणामों और रोजगार क्षमता में वृद्धि करेगा, क्योंकि वे एक ऐसे कौशल से सुसज्जित होंगे जो बाजार को संचालित करते है और उन्हें बेहतर अवसर खोजने में मदद करते है।

गुजरात में कौशल योग्यता परिदृश्य

वर्षवार पीएबी स्वीकृतियां:

2017-18	2019-20	2020-21
20 स्कूल 4 जॉब रोल	102 स्कूल 7 जॉब रोल	138 स्कूल 8 जॉब रोल

- कुल स्कूल : 260 (8 विभिन्न कार्य भूमिकाओं के साथ)
- 2 जॉब रोल वाले 105 स्कूल और 1 जॉब रोल वाले 155 स्कूल
- 180 - समग्र (9वीं से 12वीं), 80 - गैर मिश्रित (9वीं और 10वीं कक्षा)

गुजरात में स्कूलों का व्यापार-वार वितरण

Sr. No	व्यापार का नाम	स्कूलों का व्यापार-वार वितरण
01	खुदरा	38
02	पर्यटन और आतिथ्य	80
03	सौंदर्य और कल्याण	43
04	मोटर वाहन	65
05	कृषि	30
06	परिधान और होम फर्निशिंग	61
07	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	32
08	स्वास्थ्य देखभाल	16
	कुल	**365**

कक्षावार नामांकन विवरण

	कक्षा	छात्रों की संख्या
1	कक्षा 9वीं	11161
2	कक्षा 10 वीं	3705
3	कक्षा 11वीं	187
4	कक्षा 12 वीं	134
	कुल	**151 87**

2020-21 में की गई प्रमुख गतिविधियां:

१. निगरानी और मूल्यांकन एप का विकास - "लाइटहाउस"

राज्य ने बेहतर निगरानी के लिए लेंड ए हैंड इंडिया की मदद से "लाइटहाउस" नामक निगरानी और मूल्यांकन एप्लिकेशन विकसित किया है, इस एप्लिकेशन का बेस संस्करण पहले ही विकसित किया जा चुका है और वोकेशनल ट्रेनर (वीटी) का प्रशिक्षण किया जा चुका है। राज्य इस एप्लिकेशन का उपयोग वर्तमान शैक्षणिक वर्ष यानी 2021-22 से प्रभावी ढंग से कर रहा है।

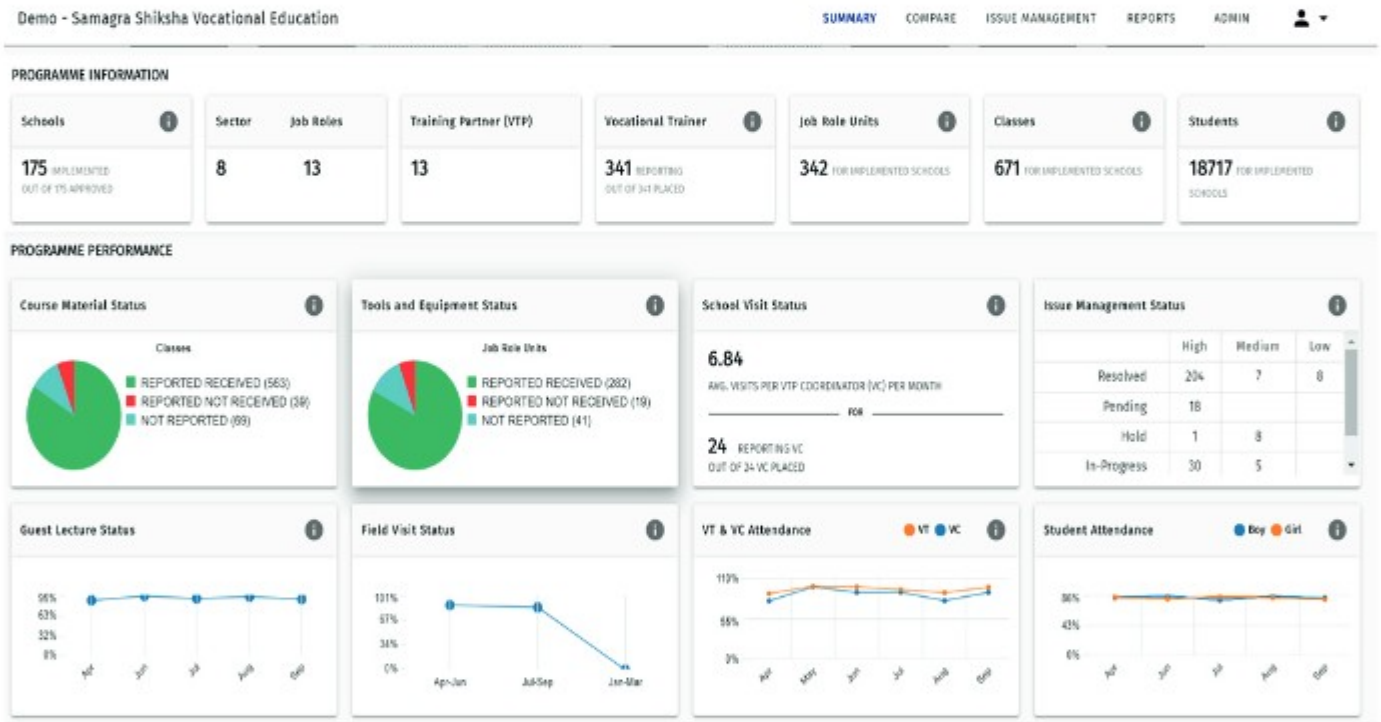

वर्ष 2020-21 में राज्य ने प्रधानाचार्य, जिला रिसोर्स पर्सन और व्यावसायिक प्रशिक्षकों के समन्वय के बाद पीएमएस पोर्टल में सभी नामांकन विवरण अपलोड किए है।

ग्यारहवीं कक्षा में कम नामांकन और छात्रों के लिए कैरियर परामर्श पोर्टल का लाभ उठाने के बाद व्यावसायिक प्रशिक्षण भागीदारों की कार्य समीक्षा पर चर्चा करने के लिए एसपीडी, समग्र शिक्षा की अध्यक्षता में वीटीपी के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी।

व्यावसायिक शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा के कर्मचारी वीटी द्वारा स्कूलों में वर्ष के दौरान होने वाली हर गतिविधि की निगरानी और मूल्याङ्कन करते हैं, जो व्यावसायिक प्रशिक्षकों द्वारा भेजी गई दैनिक रिपोर्टिंग के माध्यम से होती है, जिसमें उनके द्वारा दौरा किया गया स्थान और कार्य भी शामिल है, साथ ही अनुदान सहित जिला स्तर पर रिसोर्स पर्सन द्वारा व्यावसायिक कार्य की निगरानी, स्कूलों को आवंटन, नियमित आधार पर सिद्धांतों के साथ बैठक और स्कूल स्तर पर प्रयोगशालाओं की स्थापना की निगरानी की जाती है।

२. प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए खरीद:

राज्य ने ई-निविदा प्रक्रिया के माध्यम से सभी 260 स्कूलों में 7 जॉब रोल की भूमिकाओं के लिए व्यावसायिक प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए कार्यादेश जारी किया है। 150 से अधिक प्रयोगशालाएं पहले ही स्थापित की जा चुकी हैं और शेष प्रयोगशालाएं अगले 2 महीनों के भीतर स्थापित की जाएंगी।

३. पाठ्यचर्या का अनुवाद, पाठ्य पुस्तकें और पुस्तकों का वितरण:

नई आवंटित जॉब रोल के पाठ्यक्रम, छात्र और शिक्षक पुस्तिका की एक प्रति पीएसएस केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल की वेबसाइट के साथ-साथ सीबीएसई और अन्य राज्य व्यावसायिक वेबसाइट जैसे अन्य स्रोतों से डाउनलोड की गई है।

राज्य द्वारा पैनल में शामिल विशेषज्ञ अनुवादक की सहायता से उपलब्ध व्यावसायिक पुस्तकों का क्षेत्रीय भाषा (अर्थात गुजराती) में अनुवाद किया गया है और क्यूआर कोडित भी किया गया है। महामारी की स्थिति के दौरान, हमने वोकेशनल ट्रेनर की मदद ली और जॉब रोल-वाइज ई-कंटेंट तैयार किया और क्वालिटी चेकिंग के बाद इस कंटेंट को स्टेट वोकेशनल यूट्यूब साइट पर अपलोड कर दिया गया है।

साथ ही, छात्र उस विषय का वीडियो चलाने के लिए भौतिक प्रतिलिपि से क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं

ऑटोमोटिव, कृषि और परिधान व्यापार की पुस्तकों को कक्षा IX के दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

चुनौती : PSSCIVE के साथ सभी पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं

(https://www.youtube.com/channel/UCmwpESXQvs9SzhXd3aZJbwA/playlists)

४. गुजरात करियर काउंसलिंग पोर्टल:

समग्र शिक्षा, गुजरात ने सरकारी शालाओं में पढ़ने वाले कक्षा 9-12वीं के सभी छात्रों के लाभ के लिए पिछले वर्ष एक करियर परामर्श पोर्टल लॉन्च किया और अधिक संख्या में छात्रों तक पहुंचने के लिए इस वर्ष एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से हम लाखों छात्रों को सर्वश्रेष्ठ कॉलेज, प्रासंगिक कैरियर विकल्पों और संबंधित सहायता के बारे में जानकारी के लिए एक मंच प्रदान करके उन तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। यह पोर्टल समग्र शिक्षा, यूनिसेफ और आईड्रीम करियर के बीच सहयोग का परिणाम है। इस पोर्टल के माध्यम से, छात्रों, शिक्षकों और मास्टर प्रशिक्षकों के पास एक विशिष्ट आईडी और व्यक्तिगत प्रोफाइल होती है ताकि छात्र अपनी आकांक्षाओं, लक्ष्यों और कौशल के अनुसार करियर के हितों की कुशलता से तलाश कर सकें।

अब तक लगभग 2.00 लाख छात्र इस पोर्टल का उपयोग कर चुके हैं।

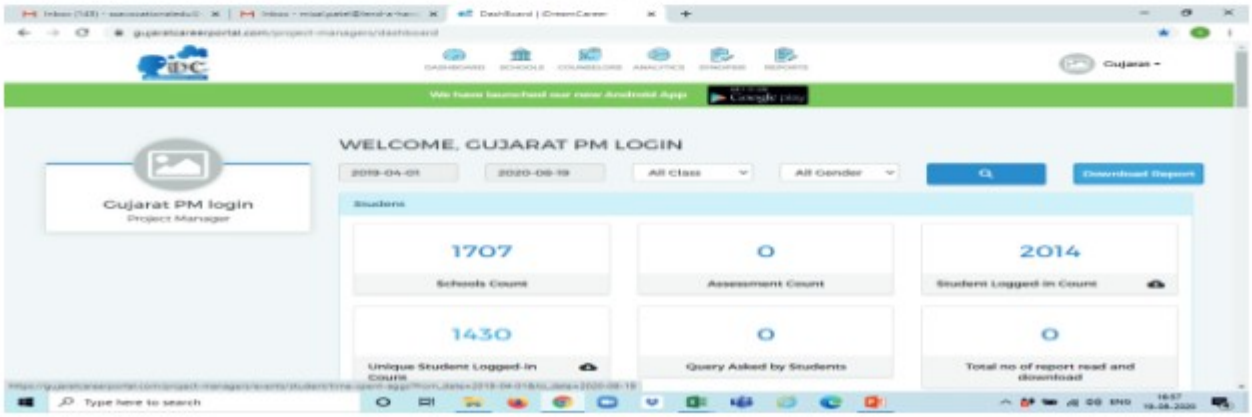

५. मूल्यांकन के लिए परीक्षा पैटर्न तैयार करने के लिए गुजरात शिक्षा बोर्ड के साथ समन्वय:

समग्र शिक्षा गुजरात और गुजरात राज्य शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा की वर्तमान संरचना के अनुसार, व्यावसायिक की 7 अलग-अलग जॉब रोल के लिए एक परीक्षा पैटर्न तैयार करने के संबंध में एक संयुक्त बैठक आयोजित की, यानी 50:30:20 व्यावहारिक, सिद्धांत और आंतरिक अंकों के अनुपात को व्यावसायिक शिक्षा के लिए उपयुक्त माना गया। चूँकि यह सिद्धांत कक्षा 10 वीं और 12 वीं कक्षा के छात्रों के लिए सीखने के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर जोर देता है इसलिए गुजरात शिक्षा बोर्ड द्वारा उसी पैटर्न को अपनाया और तैयार किया जा रहा है।

साथ ही, राज्य ने प्रत्येक विषय के लिए जॉब रोल वार ब्लूप्रिंट तैयार किया है जिसमें मूल्यांकन पैटर्न (यानी 1 अंक, 2 अंक और 3 अंक प्रश्न) और मूल्यांकन के लिए अध्यायवार वेटेज शामिल है।

६. वर्चुअल क्लास:

राज्य ने अक्टूबर 2020 के महीने में 10 वीं कक्षा के इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर छात्रों के लिए पायलट वर्चुअल क्लास शुरू की है। नवंबर महीने से, राज्य ने सभी व्यावसायिक छात्रों के लिए वर्चुअल क्लास शुरू की है। (अर्थात् 9वीं से 12वीं कक्षा और सभी जॉब रोल)

राज्य एमआईएस टीम ने बेहतर निगरानी के लिए प्रत्येक व्यावसायिक शिक्षक की माइक्रोसॉफ्ट टीम आईडी बनाई है और वीटी को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। वीटी को माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से वर्चुअल क्लास का संचालन करना होता है ताकि वीटी जरूरत पड़ने पर हर वर्चुअल क्लास को रिकॉर्ड कर सके। नवंबर महीने से हर हफ्ते सभी 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए 3 व्याख्यान लगभग 1 घंटा 15 मिनट और हर सप्ताह 9वीं और 11वीं कक्षा के सभी छात्रों के लिए 2 व्याख्यान लगभग 1 घंटा 15 मिनट का आयोजित किया गया।

७. वोकेशनल यूट्यूब चैनल :

छात्रों के साथ व्यावसायिक ई-सामग्री को बेहतर तरीके से साझा करने के लिए YouTube चैनल शुरू किया। चैनल में वर्तमान में 350 वीडियो और 10000+ दर्शक हैं, जो वीडियो का नियमित लाभ उठाते हैं। सामग्री और वीडियो जोड़ने का कार्य प्रगति पर है।

८. प्रश्न बैंक का विकास और वितरण:

चूँकि इस महामारी की स्थिति को देखते हुए, छात्रों के लिए सीखना सामान्य तरीके से नहीं रहा है अतः वर्चुअल क्लास या ई-कंटेंट के जरिए ही शिक्षण किया गया है। इसलिए, राज्य ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित ब्लूप्रिंट के अनुरूप एक प्रश्न बैंक तैयार करने का निर्णय लिया है जो छात्रों को थ्योरी परीक्षा की तैयारी में मदद कर सकता है।

राज्य ने वोकेशनल ट्रेनर्स की मदद से 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए जॉब रोल-वाइज प्रश्न बैंक तैयार किया है, जिसमें 1 अंक के प्रश्न उत्तर के साथ और अन्य 2 और 3 अंक के प्रश्न शामिल हैं। यह प्रश्न बैंक प्रत्येक व्यावसायिक छात्र को जिला, स्कूलों, वीटी के माध्यम से वितरित किया गया है।

९. संरेखण कौशल विभाग के साथ प्रशिक्षण:

राज्य में वर्तमान कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को समझने और अतिथि व्याख्यान, औद्योगिक यात्रा, इंटर्नशिप, उद्यमिता या ऊर्ध्वाधर गतिशीलता विकल्पों का लाभ उठाने के लिए, राज्य ने रोजगार और प्रशिक्षण निदेशालय (डीईटी), गुजरात राज्य कौशल विकास मिशन (डीईटी), GSDM, सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (CED) के साथ अक्टूबर -2020 के महीने में संयुक्त कार्यशालाएं आयोजित की हैं। । प्रशिक्षण में लगभग 268 प्रखंड एवं जिला परियोजना समन्वयकों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

१०. व्यावसायिक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण:

PSSCIVE, भोपाल की मदद से, राज्य ने नीचे उल्लिखित ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किए हैं।

- 170+ प्रतिभागियों के लिए 3 दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण
- 200+ प्रतिभागियों के लिए 3 दिवसीय अवलोकन और मूल्यांकन प्रशिक्षण

लेंड-ए-हैंड इंडिया (एलएएचआई) एक परियोजना प्रबंधन इकाई के रूप में काम कर रहा है और समग्र शिक्षा, गुजरात को तकनीकी और निगरानी में सहायता प्रदान करता है।

जिलेवार व्यावसायिक शिक्षा विद्यालयों की संख्या:

जिले का नाम	स्कूलों की संख्या
अहमदाबाद	4
अमरेली	11
आनन्द	3
अरवली	1
बनास कांठा	20
भावनगर	11
बोटाड	16
छोटाउदेपुर	1
देवभूमि द्वारका	6
दाहोद	6
गांधीनगर	2
गिर सोमनाथ	10
जामनगर	3
जूनागढ़	18
खेड़ा	1
कच्छ	32
महेसाणा	4
महिसागर	4
मोरबी	4
मोरबी	6
नर्मदा	4
पंचमहल	8
पाटन	7
पोरबंदर	2
राजकोट	23
साबर कांठा	3
सूरत	11
सुरेंद्रनगर	15
तापी	5
डांग	6
वडोदरा	9
वलसाड	4
कुल योग	**260**

अध्याय -10

मीडिया

2020-21 में कोविड-19 महामारी के कारण स्कूल बंद कर दिए गए थे। हालांकि स्कूल के भवन बंद थे लेकिन संचार के विभिन्न माध्यमों से छात्रों के लिए शिक्षण-अधिगम जारी रहा। समग्र शिक्षा गुजरात ने डीडी गिरनार, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, व्हाट्सएप ग्रुप्स, मुद्रित सामग्री के वितरण, यूट्यूब चैनल, ऑनलाइन लाइव कक्षाओं और कई अन्य के माध्यम से बच्चों के लिए होम लर्निंग प्रोग्राम आयोजित किए।

इन सभी गतिविधियों के बारे में बच्चों, माता-पिता और समुदाय के अन्य सदस्यों में जागरूकता लाने के लिए, समग्र शिक्षा गुजरात ने मास मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके कई गतिविधियों का आयोजन किया था। मीडिया शाखा ने इन गतिविधियों के प्रचार के लिए बस बैक एंड साइड पेनल होर्डिंग, टीवी क्विक, दीक्षा पोर्टल और वर्चुअल क्लास के 2 वीडियो, कोरोना के एलईडी टीवी पेनल, समाचार पत्र विज्ञापन, 3 भाषाओं में कमांड कंट्रोल पर वृत्तचित्र आदि तैयार किए।

होम लर्निंग गतिविधियों के प्रचार के अलावा, मीडिया शाखा द्वारा निम्नलिखित कार्रवाई की जाती है:

- अंग्रेजी और हिंदी में वार्षिक रिपोर्ट (2019-20) का मुद्रण।
- समग्र शिक्षा का ब्रोशर बनाना।
- समग्र शिक्षा गतिविधियों की समवर्तन पत्रिका का 12 माह का विज्ञापन।
- नव गुजरात समय में समग्र शिक्षा गतिविधियों का विज्ञापन।
- 5 सितंबर के लिए डॉक्यूमेंट्री।
- -रेलवे में समग्र शिक्षा गतिविधियों का विज्ञापन (अंदर-बाहर)।
- 5 मिनट का समग्र शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा के लिए दिखाने के प्रसारण गुजराती समाचार चैनल TV9 के माध्यम से।

-समग्र शिक्षा की योजनाओं को समझाने के लिए 30 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार की गई और मंतव्य समाचार चैनल के माध्यम से प्रसारित

NOTES

NOTES

शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा

सभी के लिए शिक्षा

गुजरात स्कूली शिक्षा परिषद
समग्र शिक्षा
सेक्टर-17, गांधीनगर, गुजरात
टोल फ्री नं.: 1800-233-7965 | www.ssagujarat.org

SHUBHAM GRAPHICS
Gandhinagar (GJ) | M. 99987 28018